बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

बालाघाट
रविवार 27 जुलाई 2025
श्रावण शुक्ल 02 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 302
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

E-mail: balaghatexpress@gmail.com

/padmeshmedia /padmeshmedia

epaper.balaghatexpress.in

खास खबर

सीएम ऑफिस-एयरपोर्ट को उड़ाने की धमकी

जयपुर। जयपुर में मुख्यमंत्री के ऑफिस और इंटरनेशनल एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी दी गई। इसके बाद पुलिस प्रशासन हरकत में आया। फौरन सीएम ऑफिस के साथ ही एयरपोर्ट पर चेकिंग शुरू की गई, हालांकि एक घंटे की छानबीन के बाद पुलिस को कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। शनिवार को जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट के ऑफिशियल ईमेल आईडी पर मेल कर लिखा गया- एक से दो घंटे बाद सीएम ऑफिस और एयरपोर्ट को उड़ा दिया जाएगा। एयरपोर्ट पर पुलिस, फायर ब्रिगेड, बम स्क्वॉड और सिविल डिफेंस की टीमों ने छानबीन की। मुख्यमंत्री कार्यालय में भी एंटी बम स्क्वॉड और पुलिस की टीम पहुंची। यहां भी कोई भी संदिग्ध वस्तु नहीं मिली है।

निसार मिशन 30 जुलाई को होगा लॉन्च

नई दिल्ली। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) 30 जुलाई को निसार (नासा-इसरो सिंथेटिक अपर्चर रडार) मिशन के प्रक्षेपण के साथ एक बड़ी उपलब्धि हासिल करने की तैयारी कर रहा है। इसरो के अध्यक्ष और अंतरिक्ष विभाग के सचिव डॉ. वी. नारायणन के अनुसार उपग्रह को एक भारतीय रॉकेट द्वारा पृथ्वी की कक्षा में स्थापित किया जाएगा। नारायणन ने कहा, 30 जुलाई को हम निसार(नासा-इसरो सिंथेटिक अपर्चर रडार) मिशन शुरू करने जा रहे हैं। उपग्रह को भारतीय रॉकेट द्वारा कक्षा में स्थापित किया जाएगा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ने कहा कि निसार (इसरो और नासा का पहला संयुक्त पृथ्वी अवलोकन उपग्रह है) को 30 जुलाई को शाम 5:40 बजे आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से प्रक्षेपित किया जाएगा।

जम्मू-कश्मीर में 4.1 तीव्रता का भूकंप, जान-माल का नुकसान नहीं

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में शनिवार सुबह भूकंप के झटके महसूस किए गए। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार, भूकंप की तीव्रता 4.1 रही। इसका केंद्र पांच किलोमीटर की गहराई पर 33 अंश उत्तरी अक्षांश और 76.14अंश पूर्वी देशांतर पर स्थित था। जम्मू-कश्मीर के साथ ही इस भूकंप के झटके हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला तक महसूस किए गए। राहत की बात यह है कि फिलहाल किसी भी प्रकार के जान-माल के नुकसान की सूचना नहीं है। यहां बताते चलें कि पिछले सप्ताह किश्तवाड़ में भी 3.1 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया था। इससे देर रात 1:36 बजे महसूस हुए थे, लेकिन उस समय भी कोई नुकसान नहीं हुआ। विशेषज्ञों के मुताबिक, जम्मू-कश्मीर भूकंपीय रूप से संवेदनशील क्षेत्र है। यहां बड़े भूकंप की संभावना हमेशा बनी रहती है। इसी वजह से प्रशासन लगातार अलर्ट पर रहता है।

पुणे हवाई अड्डे से 10.5 करोड़ रुपये की ड्रग्स जब्त

पुणे। पुणे हवाई अड्डे पर एक बड़ी कार्रवाई में, सीमा शुल्क विभाग ने एक यात्री से 10.47 किलोग्राम हाइड्रोपोनिक मारिजुआना ज़ब्त किया है, जिसकी कीमत लगभग 10.5 करोड़ रुपये है। सीमा शुल्क विभाग ने यात्री अभिनय अमरनाथ यादव को ड्रग मामले में गिरफ्तार किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, वह इंडिगो की उड़ान संख्या 6ई-1096 से बैंकॉक से पुणे हवाई अड्डे पर उतरा था।

'दुश्मन के ठिकानों को ध्वस्त करने में स्वदेशी हथियारों ने बड़ी भूमिका निभाई'

चेन्नई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कहा कि 'मेक इन इंडिया' पहल के तहत तैयार किए गए हथियारों ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान दुश्मन के ठिकानों को ध्वस्त करने और दुश्मनों की नींद उड़ाने में अहम भूमिका निभाई। तमिलनाडु में कई परियोजनाओं का उद्घाटन करने के बाद अपने संबोधन में उन्होंने विकसित भारत और विकसित तमिलनाडु का वादा किया। उन्होंने कहा कि बुनियादी ढांचा और ऊर्जा किसी भी राज्य के विकास की रीढ़ है। पिछले 11 वर्षों में इन पर हमारा ध्यान तमिलनाडु के विकास के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। ब्रिटेन के साथ एफटीए पर पीएम मोदी ने कहा कि ब्रिटेन के साथ एफटीए हमारे विकसित भारत, विकसित तमिलनाडु के दृष्टिकोण को गति देता है। रेलवे के बारे में उन्होंने कहा कि यह औद्योगिक विकास की जीवन रेखा है।

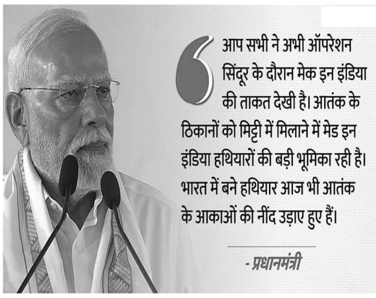

'कारगिल के वीरों को नमन'

इससे पहले पीएम मोदी ने कहा कि आज कारगिल विजय दिवस है, मैं सर्वप्रथम कारगिल के वीरों को नमन करता हूं, शहीदों को श्रद्धांजलि देता हूं। मेरा सौभाग्य है कि चार दिन के विदेश प्रवास के बाद मुझे सीधे भगवान रामेश्वर की इस पावन भूमि पर आने का अवसर मिला। पीएम मोदी ने कहा कि आज थूथुकुडी हवाई अड्डे पर नए उन्नत टर्मिनल का उद्घाटन इस दिशा में एक और बड़ा कदम है। 450 करोड़ की लागत से निर्मित यह टर्मिनल अब सालाना 20 लाख से ज्यादा यात्रियों की सुविधा प्रदान कर सकेगा, जबकि पहले इसकी वार्षिक क्षमता केवल तीन लाख यात्रियों की थी। आज हमने तमिलनाडु में दो प्रमुख सड़क परियोजनाएं भी राष्ट्र को समर्पित की है। लगभग 2,500 करोड़ की लागत से निर्मित ये सड़कें दो प्रमुख विकास क्षेत्रों को चेन्नई से जोड़ेंगी। इन सड़कों के कारण डेल्टा जिलों और चेन्नई के बीच संपर्क में उल्लेखनीय सुधार होगा।

'समृद्ध और सशक्त भारत के निर्माण में योगदान'

उन्होंने आगे कहा कि तमिलनाडु और तूतीकोरिन की धरती और यहां के लोगों ने सदियों से एक समृद्ध और सशक्त भारत के निर्माण में योगदान दिया है। इस धरती ने ऐसे महान स्वतंत्रता सेनानियों को जन्म दिया, जिन्होंने एक स्वतंत्र और शक्तिशाली भारत की कल्पना की। इसी धरती ने वीओ चिदंबरम पिल्लई जैसे दूरदर्शी लोगों को जन्म दिया। औपनिवेशिक शासन के दौर में भी उन्होंने समुद्र के रास्ते व्यापार की ताकत को समझा। उन्होंने भारतीय जलक्षेत्र में स्वदेशी जहाज उतारकर अंग्रेजों को चुनौती दी। पिछले साल मैंने बिल गेट्स को थूथुकुडी के प्रसिद्ध मोती उपहार में दिए थे। उन्हें वे मोती बहुत पसंद आए। इस क्षेत्र के मोती कभी दुनिया भर में भारत की आर्थिक शक्ति का प्रतीक माने जाते थे।

भारत और इंग्लैंड के बीच ऐतिहासिक फ्री ट्रेड एग्रीमेंट का जिक्र

पीएम मोदी ने आगे कहा कि मेरा यह सौभाग्य है कि चार दिवसीय विदेश यात्रा के बाद मुझे भगवान श्री राम की इस पावन धरती पर आने का अवसर मिला। मेरी इस यात्रा के दौरान भारत और इंग्लैंड के बीच ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौता हुआ। इस मुक्त व्यापार समझौते के बाद ब्रिटेन में बिकने वाले 99 प्रतिशत भारतीय उत्पाद कर-मुक्त हो जाएंगे। जब ब्रिटेन में भारतीय सामान सस्ता होगा तो वहां उनकी मांग बढ़ेगी और भारत में उन सामानों के निर्माण के और अवसर पैदा होंगे। भारत-ब्रिटेन एफटीए से तमिलनाडु के युवाओं, हमारे लघु उद्योगों, एमएसएमई और स्टार्ट-अप को सबसे अधिक लाभ होगा। आज दुनिया भारत की प्रगति में अपनी प्रगति देख रही है। यह समझौता भारत की अर्थव्यवस्था को भी नई मजबूती देगा। यह दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की हमारे मिशन को और तेज करेगा। भारत-यूके एफटीए भारत के प्रति विश्व के बढ़ते विश्वास का प्रतीक है। इसी आत्मविश्वास के साथ हम एक विकसित भारत और एक विकसित तमिलनाडु का निर्माण करेंगे। उन्होंने आगे कहा कि महाकवि श्री सुब्रमण्यम भरतियार का जन्म भी इसी महान भूमि पर हुआ था। उनका न केवल थूथुकुडी से गहरा नाता था, बल्कि मेरे संसदीय क्षेत्र काशी से भी उतना ही गहरा नाता था। काशी-तमिल संगमम जैसी पहलों के माध्यम से हम अपनी साझा सांस्कृतिक विरासत को निरंतर सुदृढ़ कर रहे हैं।

मेक इन इंडिया और मिशन मैन्युफेक्चरिंग पर जोर

उन्होंने कहा, आज भारत सरकार का मेक इन इंडिया और मिशन मैन्युफेक्चरिंग पर बहुत जोर है। आप सभी ने अभी ऑपरेशन सिंदूर के दौरान मेक इन इंडिया की ताकत देखी है। आतंक के ठिकानों को मिट्टी में मिलाने में मेड इन इंडिया हथियारों की बड़ी भूमिका रही है। भारत में बने हथियार आज भी आतंक के आकाओं की नींद उड़ाए हुए हैं।

मेगा और मॉडर्न इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित करने का महाअभियान चल रहा

पीएम मोदी ने कहा कि आज देश में मेगा और मॉडर्न इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित करने का महाअभियान चल रहा है। कुछ दिन पहले शुरू हुआ जम्मू-कश्मीर का चिनाब ब्रिज इंजीनियरिंग मार्बल है। इस ब्रिज ने पहली बार रेलवे के जरिए जम्मू को श्रीनगर से जोड़ दिया है।

कांग्रेस हमेशा ही पाकिस्तान की भाषा बोलती हैं, हमारे सैनिकों का अपमान करती - चौहान

राहुल गांधी को बहुत देर से समझ आती

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कांग्रेस पार्टी पर पाकिस्तान की भाषा बोलने और कारगिल विजय दिवस पर बेवजह सवाल उठाने का आरोप लगाकर तीखा हमला बोला। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पीएम मोदी का विरोध करने की कोशिश में कांग्रेस देश का ही विरोध कर रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कारगिल विजय दिवस पर भी सवाल उठाती है। 2004 से 2009 तक, जब यूपीए सत्ता में थी, तब कारगिल विजय दिवस नहीं मनाया गया। यहाँ तक कि एक कांग्रेस सांसद ने भी कहा था कि हम जश्न क्यों मनाएँ? वहां युद्ध एनडीए सरकार के दौरान लड़ा गया था।

केंद्रीय मंत्री चौहान ने कहा कि जब देश युद्ध लड़ता है, तब क्या वह किसी सरकार के लिए करता है? क्या इसतरह के सवाल उठाना देशभक्ति है? कांग्रेस न केवल कारगिल, बल्कि ऑपरेशन सिंदूर पर भी सवाल उठाने का पाप कर रही है। केंद्रीय मंत्री ने दावा किया कि कांग्रेस का रवैया राष्ट्र-विरोधी होने की हद तक पहुँच गया है और कहा कि बीजेपी ने हमेशा सैनिकों की बहादुरी का सम्मान किया है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस का यह रवैया राष्ट्र-विरोधी होने की हद तक जाता है। प्रधानमंत्री का विरोध करते-करते वे देश का ही विरोध करने लगे। वे पाकिस्तान की भाषा बोलते हैं। लेकिन हम अपने सैनिकों की बहादुरी के आगे नतमस्तक हैं। चौहान कांग्रेस नेता राशिद अल्वी द्वारा 2009 में दिए गए बयान का ज़िक्र कर रहे थे जिसमें अल्वी ने कहा था कि कारगिल जश्न मनाने की चीज़ नहीं है और एनडीए जश्न मना सकता है।

कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर भी हमला कर केंद्रीय मंत्री चौहान ने आरोप लगाया कि पार्टी नेता सिर्फ गलत काम करते हुए, लगातार माफ़ी मांगना जानते हैं। उन्होंने उदाहरण देकर कहा कि कैसे लोकसभा में विपक्ष के नेता ने आपातकाल, राफेल सौदे, सिख दंगों सहित कई चीज़ों के लिए माफी मांगी है।

उन्होंने कहा, राहुल गांधी को बहुत देर से समझ आती है। पहले उन्होंने आपातकाल के लिए माफी मांगी। फिर उन्होंने सिख दंगों के लिए माफी मांगी। फिर उन्होंने ओबीसी से माफ़ी मांगी। कांग्रेस ने ओबीसी के लिए क्या किया? कांग्रेस ने ओबीसी के कल्याण के हर संभव कदम को कुचलने का काम किया। उन्होंने राफेल मामले में भी माफी मांगी और अब राहुल गांधी जो कर रहे हैं, उसके लिए यह दस साल बाद फिर माफी मांगने को तैयार होने वाले है। वह कभी सही काम नहीं करते और दस साल बाद माफ़ी मांगते हैं। इससे पहले दिन में, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सर्वोच्च बलिदान देने वाले सैनिकों को श्रद्धांजलि दी।

अदालतें आपराधिक शिकायतों में संशोधन की अनुमति दे सकती हैं - सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने स्पष्ट किया है कि आपराधिक मामलों में दायर शिकायतों में संशोधन किया जा सकता है, बशर्ते इससे अभियुक्त के अधिकारों पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ रहा हो।

सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति बी. वी. नागरत्ना और न्यायमूर्ति के. वी. विश्वनाथन की पीठ ने शुक्रवार को मामले की सुनवाई करते हुए कहा कि प्रक्रियात्मक कानून का उद्देश्य न्याय में सहायक होना है, न कि उसे बाधित करना। अदालत ने यह टिप्पणी परक्राम्य लिखत अधिनियम (नेगोशेबल इन्स्ट्रूमेंट एक्ट) की धारा 138 के तहत दायर एक आपराधिक शिकायत में संशोधन की अनुमति देते हुए की। पीठ ने कहा, कि यदि आरोपों में बदलाव से अभियुक्त को कोई पूर्वाग्रह नहीं होता, तो मुकदमा आगे बढ़ सकता है। लेकिन अगर पूर्वाग्रह की संभावना है, तो अदालत नए मुकदमे का आदेश दे सकती है या सुनवाई को स्थगित कर सकती है।

बंगाल में ममता सरकार के अपराजिता बिल को राज्यपाल ने लौटाया

-टीएमसी नेता घोष ने इसे दुर्भाग्यपूर्ण, निंदनीय और शर्मनाक बताया

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने अपराजिता बिल को राज्य सरकार के पास वापस भेज दिया है। राजभवन के एक उच्च पदस्थ सूत्र ने बताया कि केंद्र सरकार ने विधेयक में प्रस्तावित संशोधनों, खासकर भारतीय न्याय संहिता की धाराओं में दुष्कर्म की सजा से जुड़े प्रावधानों को लेकर गंभीर आपत्तियां जताई हैं, जिसके बाद राज्यपाल ने यह कदम उठाया।

राज्य विधानसभा ने सितंबर 2024 में अपराजिता महिला और बाल विधेयक पारित किया था। इस विधेयक में दुष्कर्म के दोषियों के लिए मौजूदा न्यूनतम 10 साल की सजा को बढ़ाकर उम्रकैद या मृत्युदंड देने का प्रस्ताव किया है। सूत्रों के मुताबिक गृह मंत्रालय ने इस सजा को 'अत्यधिक कठोर और असंगत' बताते हुए असहमति जताई है।

इसके अलावा, विधेयक में बीएनएस की धारा 65 को हटाने का प्रस्ताव भी शामिल है, जो वर्तमान में 16 और 12 साल से कम उम्र की लड़कियों के साथ दुष्कर्म के लिए

विशेष रूप से कठोर दंड का प्रावधान करती है। इस प्रस्तावित बदलाव को भी गृह मंत्रालय ने समस्याजनक बताया है।

सबसे ज्यादा विवाद धारा 66 के तहत आने वाले एक खंड को लेकर खड़ा हुआ है, जिसमें दुष्कर्म के ऐसे मामलों में मृत्युदंड को अनिवार्य करने की बात कही है, जहां पीड़िता की मृत्यु हो जाती है या वह जीवनभर के लिए लाचार हो जाती है। मंत्रालय ने इसे न्यायिक विवेकाधिकार को खत्म करने वाला प्रावधान बताया है और यह भी कहा कि यह देश के संवैधानिक और कानूनी ढांचे के साथ-साथ सुप्रीम कोर्ट के स्थापित फैसलों का उल्लंघन करता है।

उधर तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के प्रवक्ता कुणाल घोष ने इस घटनाक्रम पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए केंद्र और बीजेपी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि अपराजिता विधेयक को लौटाया जाना दुर्भाग्यपूर्ण, निंदनीय है। सीएम ममता बनर्जी ने महिलाओं की सुरक्षा और गरिमा को ध्यान में रखते हुए यह विधेयक लाया था, ताकि ऐसे जघन्य अपराधों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जा सके। घोष ने कहा कि राजभवन की ओर से उठाए मुद्दों पर सीएम ममता जरूरत जवाब देंगी, लेकिन यह साफ है कि बीजेपी दुष्कर्म जैसे अपराधों में अधिकतम सजा लागू करने के पक्ष में नहीं है, क्योंकि इनके कई नेता खुद इन मामलों में आरोपी हैं।

लॉ एंड ऑर्डर को लेकर नीतीश सरकार पर चिराग पासवान का वार

अफसोस मैं ऐसी सरकार के साथ हूं

पटना। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने नीतीश सरकार पर साधा निशाना है। उन्होंने कहा कि बिहार में एक के बाद एक आपराधिक घटनाओं की श्रृंखला सी बन गई है। प्रशासन अपराधियों के सामने पूरी तरह नतमस्तक दिख रहा है। सबसे बड़ी बात यह है कि ऐसी घटनाएं कम क्यों नहीं हो रही हैं? बिहार में हत्या, लूट, अपहरण, बलात्कार की घटनाएं लगातार हो रही हैं। चिराग पासवान ने कहा कि मुझे इस बात का दुख है कि मैं ऐसी सरकार को समर्थन कर रहा हूं, जहां अपराध पूरी तरह बेलगाम हो चुका है। यहां बिहारी सुरक्षित नहीं है। जरूरत है कि सरकार समय रहते चेत जाए। आपको बता दें कि बिहार में पिछले कुछ दिनों में हत्या की कई घटनाएं आ चुकी हैं।

चिराग पासवान यहीं नहीं रुके, उन्होंने कहा कि अब तो ऐसा लग रहा है कि प्रशासन इन घटनाओं को रोक पाने में नाकामयाब हो गया है। जिन परिवारों ने अपनों को खोया है, उनका दर्द समझना होगा। प्रशासन या तो लीपा पोती में लगा हुआ है या तो कंट्रोल कर पाना इनके बस में नहीं है। बीते दिनों पटना के एक प्रसिद्ध व्यापारी गोपाल खेमका की बदमाशों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। हत्या को अंजाम उस वक्त दिया गया। जब खेमका अपनी कार से अपार्टमेंट के बाहर उतरे थे। जैसे ही वह कार से उतरे वैसे ही बाहर हेलमेट लगाकर खड़े बदमाश ने गोली मारकर उनकी हत्या कर दी थी। इस घटना के बाद भी बिहार के कई जिलों से हत्याओं की खबर आई। वहीं, बीते सप्ताह बदमाशों ने एक गैंगस्टर चंदन मिश्रा की अस्पताल में गोली मारकर हत्या कर दी थी। इस हत्याकांड का एक सीसीटीवी भी सामने आया था। जिसमें देखा गया था कि 5 की संख्या में पहुंचे बदमाशों ने अस्पताल में घुसकर हत्याकांड को अंजाम दिया। वहीं इसके बाद जश्न मनाते हुए फरार हो गए। इसके अलावा भी राज्य में लूट और बलात्कार की कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं।

लोकसभा में बेहतर काम के लिए मिला सम्मान

नई दिल्ली। लोकसभा में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए 17 सांसदों को संसद रत्न पुरस्कार 2025 के लिए चुना गया है। इनमें एनसीपी शरद गुट की सुप्रिया सुले, भाजपा के रवि किशन और निशिकांत दुबे और शिवसेना यूबीटी के अरविंद सावंत का नाम शामिल है। संसद रत्न बनने वाले सांसदों में सबसे ज्यादा 7 सांसद महाराष्ट्र से हैं। इनके अलावा 4 स्पेशल जूरी अवॉर्ड भी शामिल हैं। इनमें भाजपा के भर्तृहरि महताब, क्रांतिकारी समाजवादी पार्टी के एनके प्रेमचंद्रन, एनसीपी शरद गुट की सुप्रिया सुले और शिवसेना के श्रीरंग अप्पा बार्ने शामिल हैं। इन सभी ने 16वीं लोकसभा के बाद से लगातार अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन जारी रखा है।

सांसद जिन्हें संसद रत्न चुना गया

बाकी सांसदों में भाजपा की स्मिता उदय वाघ, शिवसेना के नरेश म्हस्के, कांग्रेस की वर्षा गायकवाड़, भाजपा की मेधा कुलकर्णी, प्रवीण पटेल, विद्युत बरन महतो और दिलीप सैकिया भी शामिल हैं।

गजपति राजू ने गोवा के राज्यपाल पद की शपथ ली

पणजी। पूर्व केंद्रीय मंत्री अशोक गजपति राजू ने शनिवार को गोवा के नए राज्यपाल के रूप में शपथ ग्रहण की। उन्होंने पी.एस. श्रीधरन पिल्लई का स्थान लिया है।

राजभवन में आयोजित एक सादे समारोह में बॉम्बे हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस आलोक अराधे ने उन्हें शपथ दिलाई। इस अवसर पर मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। यहां बताते चलें कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 14 जुलाई को अशोक गजपति राजू को गोवा का राज्यपाल नियुक्त किया था। वे राज्य के 20वें राज्यपाल बने हैं। वे केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री रह चुके हैं। उन्हें आंध्र प्रदेश विधानसभा के सदस्य के रूप में 25 से अधिक वर्षों का अनुभव है। वे 13 वर्ष तक राज्य मंत्री रहे। शपथ लेने के बाद राज्यपाल गजपति राजू ने कहा, कि मैं भारत के संविधान का पालन करते हुए जनता की सेवा के लिए प्रतिबद्ध हूं।

देश में किसानों से ज्यादा छात्र कर रहे आत्महत्या

सुप्रीम कोर्ट ने की गाइडलाइंस जारी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़ों ने चौंकाने वाला सच सामने आया है। जहां देश में किसानों से अधिक छात्र आत्महत्या कर रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने इस पर स्वतः संज्ञान लेकर कहा, कैंपस में कुछ गड़बड़ है, जिस पर तुरंत ध्यान देने की जरूरत है।

दरअसल 2022 में 1,70,924 आत्महत्या के मामलों में से 13,044 छात्र थे। 2001 में यह संख्या 5,425 थी। 2021 के अनुसार, हर 100 आत्महत्याओं में 8 छात्र शामिल। 2,248 छात्रों ने सिर्फ परीक्षा में असफल होने के कारण जान दी। 25.6 प्रतिशत दिहाड़ी मजदूर, 12.3 प्रतिशत स्वरोजगार, नौकरीपेशा 9.7 प्रतिशत, बेरोजगार 8.4 प्रतिशत, छात्र 8 प्रतिशत और किसान 6 प्रतिशत है।

सुप्रीम कोर्ट ने मामले में स्वतः संज्ञान लेकर 15 गाइडलाइंस जारी की

सभी शिक्षण संस्थानों को मानसिक स्वास्थ्य नीति अपनानी होगी। 100 से अधिक छात्रों वाले संस्थानों में प्रशिक्षित काउंसलर/ मनोवैज्ञानिक तैनात करना अनिवार्य होगा। परीक्षा या कोर्स बदलाव पर हर छात्र को मेंटर दिया जाए। कोचिंग संस्थान बैच को परफॉर्मेंस के आधार पर न बांटें। संस्थानों में हेल्पलाइन नंबर और मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं का प्रावधान। सभी शिक्षकों व स्टाफ को साल में दो बार ट्रेनिंग। इतना ही नहीं एससी, एसटी, ओबीसी, ईडब्ल्यूएस, विकलांग छात्रों से भेदभाव नहीं। यौन उत्पीड़न, रैगिंग पर तत्काल कार्रवाई और पीड़ित को सुरक्षा देना जरूरी करें। अभिभावकों के लिए तनाव पहचानने व दबाव न डालने की जागरूकता। संस्थानों को हर साल मानसिक स्वास्थ्य रिपोर्ट तैयार कर नियामक संस्थाओं को देनी होगी। खेल, कला, पर्सनेलिटी डेवलपमेंट पर जोर और छात्रहित वाली परीक्षा प्रणाली। करियर काउंसलिंग और विकल्पों की जानकारी। हॉस्टल का वातावरण नशा, हिंसा और उत्पीड़न से मुक्त। हॉस्टल में सेफ्टी डिवाइस (छत, बालकनी, पंखे आदि)। कोटा, जयपुर, चेन्नई, दिल्ली जैसे कोचिंग हब में विशेष काउंसलिंग। सुप्रीम कोर्ट ने दो टूक कहा कि जब तक संसद कोई ठोस कानून नहीं बनाती, ये गाइडलाइंस पूरे देश में लागू और बाध्यकारी रहेंगी।

ईडी के पूर्व अधिकारी को 3 साल की जेल, 5.50 लाख का जुर्माना

बेंगलुरु। बेंगलुरु की विशेष सीबीआई अदालत ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के तत्कालीन प्रवर्तन अधिकारी एम. ललित बजाज को रिश्वत लेने के मामले में दोषी करार देते हुए तीन साल के साधारण कारावास और 5.50 लाख रुपये के जुर्माने की सजा सुनाई है।

इस मामले में सीबीआई अदालत के विशेष न्यायाधीश मंजूनाथ संग्रेशी ने शुक्रवार को फैसला सुनाया। सीबीआई की ओर से वरिष्ठ लोक अभियोजक शिवानंद पेरला ने पैरवी की। जानकारी अनुसार फरवरी 2021 में एम. ललित बजाज ने, जो उस समय ईडी बेंगलुरु में प्रवर्तन अधिकारी थे, चाइना लोन घोटाले से जुड़े एक केस में निखिल ज्ञानी को समन जारी किया। आरोप है कि उन्होंने केस बंद करने के लिए 5 लाख रुपये की रिश्वत मांगी। आरोपी ने कथित रूप से धमकी दी कि अगर रकम नहीं दी गई तो शिकायतकर्ता के बैंक खाते फ्रीज कर दिए जाएंगे और उसके व्यवसाय को नुकसान पहुंचाया जाएगा। इसके बाद 9 फरवरी 2021 को, शिकायतकर्ता के चचेरे भाई हरीश ज्ञानी ने बेंगलुरु के जेपी नगर स्थित लेवल्स पब में पब स्टाफ के जरिए पैसे सौंपे। यह पूरी घटना सीसीटीवी फुटेज में कैद हो गई। सीबीआई ने 20 दिसंबर 2021 को आरोपपत्र दायर किया। अदालत ने फुटेज, गवाहों के बयान और अन्य साक्ष्यों के आधार पर ललित बजाज को दोषी ठहराते हुए फैसला सुनाया है।

अंडर 16 जुनियर ब्वायज नेशनल फुटबाल चैंपियनशीप का किया गया आगाज

अंडमान एंड निकोबार बनाम हिमाचल प्रदेश का मैच रदद, भरी बारिश के बीच कराए गए 3 मैच, मप्र उत्तरप्रदेश और पांडेचेरी की टीम ने जीता मैच, जिले में 05 अगस्त तक चलेंगी प्रतियोगिता

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। खेल के क्षेत्र में अपनी एक अलग पहचान बना चुके बालाघाट जिले में शनिवार से राष्ट्रीय फुटबॉल प्रतियोगिता का आगाज किया गया।जहा भारी बारिश के बीच नगर के अलग अलग मैदान में आयोजित इस अंडर -16 राष्ट्रीय फुटबाल प्रतियोगिता के पहले दिन 04 में से 03 मैच सम्पन्न कराए गए।तो वही अंडमान एंड निकोबार बनाम हिमाचल प्रदेश का मैच भारी बारिश के चलते रदद् हो गया।उधर भारी बारिश के बीच कराए गए 3 मैच, में गुजरात, त्रिपुरा और आंध्रप्रदेश की टीम को हराकर मप्र,उत्तरप्रदेश और पांडेचेरी की टीम ने प्रतियोगिता के पहला दिन का मैच अपने नाम कर लिया।

बारिश के खलल के चलते बदला मैदान मप्र ने जीता मैच

नगर में आयोजित इस राष्ट्रीय फुटबॉल प्रतियोगिता का पहला मैच मप्र बनाम गुजरात के मध्य खेला गया।वर्षा के खलल के चलते मध्यप्रदेश व गुजरात के बीच मुलना मैदान में खेले जाने वाला यह मैच पुलिस लाइन मैदान में खेला गया।यहां मध्यप्रदेश की टीम ने अपने पैरों का जादू दिखाते हुए निर्धारित समय में दो गोल दागे और मैच में अपनी पकड़ बनाए रखी। जबकि गुजरात टीम के खिलाड़ी मैदान में अपने खेल का उत्कृष्ट प्रदर्शन नही कर सके।जो लाख जद्दोजहद के बावजूद भी मप्र टीम के खिलाफ निर्धारित समय मे महज एक गोल दाग सके। इस तरह मध्यप्रदेश की टीम ने अपना पहला मैच खेला और 2-1 के अंतर से जीत हासिल की हैं।

हिमाचल प्रदेश बनाम अंडमान/ निकोबार मैच रदद्

उधर अंडर -16 राष्ट्रीय फुटबाल प्रतियोगिता के पहले दिन का दूसरा मैच हिमाचल प्रदेश बनाम अंडमान/ निकोबार के मध्य खेला जाना था, लेकिन भारी वर्षा के चलते अंडमान एंड निकोबार व हिमाचल प्रदेश, दोनों टीमों का मैच नहीं हो सका।जहा भारी बारिश होने के चलते मैदान में पानी भर गया जिसके चलते प्रतियोगिता के पहले दिन का दूसरा मैच रदद् हो गया।बताया गया कि हिमाचल प्रदेश बनाम अंडमान/ निकोबार के मध्य रदद् हुआ यह मैच अब आगामी दिनों में कराया जाएगा।

त्रिपुरा को हराकर उत्तरप्रदेश ने मारा मैदान

उधर प्रतियोगिता में दिन का तीसरा मैच रेंजर कालेज मैदान में उत्तर प्रदेश बनाम त्रिपुरा टीम के बीच खेला गया। इस मैच में उत्तर प्रदेश की टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए त्रिपुरा के विरुद्ध 05 गोल दागे, वहीं डिफेंड मोड में रही त्रिपुरा की टीम महज 01 ही गोल कर पाई।इस तरह यह मैच उत्तरप्रदेश ने 5-1 से अपने नाम पर प्रतियोगिता में बढ़त बनाई।

आंध्रप्रदेश को हराकर पांडेचेरी ने मारा मैदान

उधर प्रतियोगिता में दिन का चौथा व अंतिम मैच पांडेचेरी बनाम आंध्रप्रदेश के मध्य खेला गया।जिसमे अपने उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन करते हुए पांडेचेरी ने यह मैच जीत लिया।नगर के पुलिस लाइन मैदान में पांडेचेरी बनाम आंध्रप्रदेश के बीच खेले गए इस मैच में पांडेचेरी की टीम ने अपने पैरों का जादू दिखाते हुए निर्धारित समय मे तीन गोल दागे, उधर आंध्रप्रदेश की टीम ने भी टक्कर का मैच खेला लेकिन वह निर्धारित समय मे दो गोल ही कर पाई। इस तरह पांडेचेरी की टीम ने भी अपना पहला मैच 3-2 जीत लिया।

प्रतियोगिता में खेल रही 16 राज्यो की टीम

फुटबॉल संघ से मिली जानकारी अनुसार इस प्रतियोगिता में शामिल सभी 16 टीमों को चार ग्रुप में रखा गया है। जिसमें ग्रुप में त्रिपुरा, उत्तरप्रदेश, अंडमान-निकोबार और हिमाचल प्रदेश है। इसी तरह ग्रुप बी में हरियाणा, जम्मु कश्मीर, आसाम और राजस्थान, ग्रुप सी में आंघप्रदेश, पांडीचेरी, गुजरात और मध्यप्रदेश तथा ग्रुप डी में बिहार, सिक्किम, अरूणाचल प्रदेश और उत्तराखंड की टीमो को रखा गया है। जो अपने-अपने ग्रुप की टीमों से लीग मैच में भिढ़ेगी। जिसमें सभी चार ग्रुप में उच्चतम अंक हासिल करने वाली टीमें सेमीफायनल में खेलेगी और सेमीफायनल की विजेता टीमो के बीच फायनल मैच खेला जाएगा। बताया गया कि इस टूर्नामेंट में करीब 16 राज्यों की टीमें शामिल है, जिनके बीच लीग पद्धति से करीब 27 मैच खेले जाएंगे।

ऑल इंडिया फुटबॉल प्रतियोगिता की टीम का भी होंगे चयन

अखिल भारतीय फुटबाल संघ द्वारा बालाघाट जिले में अंडर -16 राष्ट्रीय फुटबाल चैम्पियनशिप का आयोजन 26 जुलाई से 5 अगस्त तक किया गया है। जो जिले के लिये गौरव व हर्ष का विषय है। इस प्रतियोगिता के माध्यम से ही भारत की फुटबॉल टीम का भी चयन बालाघाट में किया जाएंगा।

भक्ति भाव के साथ जारी है कांवड़ यात्रा

भरवेली श्री राम मंदिर से शंकरघाट के लिए निकाली गई कांवड़ यात्रा

बालाघाट(पद्मेश न्यूज) । सावन के महीने में भगवान शिव की विशेष पूजा-अर्चना करने का अलग ही महत्व है। जिसके चलते पूरे महीने शिव मंदिरों में भक्तों की भीड़ रहती है।खासकर सावन के पवित्र महीने में पड़ने वाले सोमवार के मौके पर शिवालयों में खासी भीड़ उमड़ती है।शास्त्रों के अनुसार, इस माह भगवान भोलेनाथ की विशेष पूजा अर्चना करने से भगवान शिव प्रसन्न होते है।और भक्तो की मनमुराद पूरी करते है।शायद

यही वजह है इस माह में कांवड़ियों द्वारा जलाशयों से पानी कावड़ में ले जाकर भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक कर विशेष प्रथाएं की जाती है।जिसका एक नजारा आए दिनों की तरह शनिवार को भी नगर में देखने को मिला। जहां पिछले 3 वर्षो से चली आ रही परंपरा को निभाते हुए हर साल की तरह इस साल भी जिला मुख्यालय से 5 किमी दूर ग्राम भरवेली के श्री राम मंदिर से विशाल कावड़ यात्रा निकाली गई।भरवेली से शंकरघाट के लिए निकाली गई यह कावड़ यात्रा नगर के विभिन्न मार्गो का भ्रमण करते हुए शंकरघाट पहुची।इस कावड़ यात्रा में श्रद्धालुओं का भारी हुजूम देखने को मिला और कावडिए डीजे में बज रहे भक्ति गीतों पर झूमते नाचते गाते हुए इस यात्रा में शामिल हुए।बताया गया कि गणेश समिति भरेवली द्वारा निकाली गई इस कावड़यात्रा का यह तीसरा वर्ष था।जहां करीब 500 से 600 की संख्या में श्रद्धालु भक्तो ने कावड़ में पानी लेकर शंकरघाट पहुंचकर कावड़ का जल भगवान भोलेनाथ को अर्पित किया। वही भगवान भोले की विशेष पूजा अर्चना कर, कावड़ यात्रा वापस देर शाम भरवेली खैरमाता मंदिर के लिए रवाना हुई।बताया गया कि भरवेली खैर माता मंदिर में प्रसाद का वितरण कर इस कावड़यात्रा का समापन किया जाएगा।

उज्जैन में 2से 3 अगस्त तक आयोजित होगी राज्य स्तरीय लाठी प्रतियोगिता

प्रतियोगिता में प्रदेश का प्रतिनिधित्व करेंगे जिले के खिलाड़ी

बालाघाट(पद्मेश न्यूज) ।एकलव्य मार्शल आर्ट एंड फिटनेस अकैडमी में ट्रेडिशनल लाठी स्पोर्ट्स एसोसिएशन मध्य प्रदेश द्वारा खिलाड़ियों को लाठी प्रशिक्षण दिया गया।जिसमें परंपरागत लाठी खेल के नियम और तकनीकी जानकारी दी गई।इस दौरान ट्रेडिशनल लाठी स्पोर्ट्स एसोसिएशन मध्य प्रदेश के महासचिव प्रमोद विश्वकर्मा (अंतर्राष्ट्रीय जज) एवं शिवांगी यादव अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी द्वारा लाठी का प्रशिक्षण देकर बताया गया कि आगामी दिनों में जिला स्तरीय चयन प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। जिसमें बालाघाट जिले से टीम 2 से 3 अगस्त तक उज्जैन में आयोजित होने वाली राज्य स्तरीय लाठी प्रतियोगिता में जिले का प्रतिनिधित्व करेंगी।वही ट्रेडिशनल लाठी स्पोर्ट्स एसोसिएशन बालाघाट के सचिव प्रवीण नन्हेट को नियुक्त किया गया है उनके द्वारा बताया गया कि इस लाठी कैंप में लगभग 50

खिलाडियों ने भाग लिया और लाठी चलाना ओर उसके नियम जाने जानकारी देते हुए यह भी बताया गया कि परंपरागत लाठी भारत का ही खेल है जिसे धीरे-धीरे भारत के अन्य राज्यों में भी विकसित किया जा रहा है।लाठी खेल आत्मरक्षा के साथ आपमे आत्मबल भी पैदा करता है साथ ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी लाठी को बढ़ावा दिया जा रहा है आने वाले समय में लाठी खेल को अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में शामिल किया जाना है। जिससे परंपरागत लाठी जो कि हमारे भारत देश का ही खेल है इसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक पहचान मिले और लाठी के माध्यम से भारतीय खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय मंच मिले। जिसमें वह बेहतर प्रदर्शन कर भारत का नाम गौरवान्वित करें। इस कार्यक्रम में एकलव्य मार्शल आर्ट एंड फिटनेस एकेडमी के डायरेक्टर प्रवीण नन्हेंट, गौरव जयसवाल , आशीष सोनकर, निधि नन्हेट, संगीता मराठा, छाया नरवास, सरूण सोनवाने, भावना सोनकर, मनीष बेंद्रे, यथार्थ गर्दे, प्रणव सोनकर, ओम सोनकर, मनन शर्मा, खनक शर्मा, अद्विक अग्रवाल, सोहन बेरा ,चित्रांशी मरकाम ,अनिरुद्ध पुरोहित, गगनदीप चौरे ,सलोनी पांचे, विहान बिसेन ,भव्य अग्रवाल, सर्वेश सिंह जांचपेले सहित एकलव्य मार्शल आर्ट फिटनेस एकेडमी के सभी पदाधिकारी एवं लाठी संघ के सभी पदाधिकारी सदस्य प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

संजीवनी क्लिनिक नहीं खुल रहा समय पर

वार्डवासी ने डॉक्टर के कक्ष का वीडियो बनाकर किया वायरल, सीएमएचओ ने कहा हमे भी मिली हैं शिकायत, स्वास्थ्य कर्मियों की अटेंडेंस में पाई गयी हैं भिन्नता, जारी किया गया हैं नोटिस

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। वार्ड क्रमांक 33 के एक वार्डवासी द्वारा गायखुरी स्थित मुख्यमंत्री संजीवनी क्लीनिक में समय पर उपचार नहीं मिलने और स्वास्थ्य कर्मीयों के निर्धारित समय पर नहीं पहुचने का आरोप लगाया गया है। उन्होंने निर्धारित समय पर स्वास्थ्य कर्मी के उपस्थित नही होने पर यहां के स्वास्थ्य कर्मियों के कक्षों का पूरा वीडियो जीपीएस ट्रैकर के साथ बनाया है जिसे उन्होंने सोशल मीडिया पर वायरल भी किया है । यहां वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि कोई भी डॉक्टर और स्वास्थ्य कर्मी 9:30 बजे के बाद भी क्लीनिक में उपस्थित नहीं है। जबकि इस पूरे विषय को लेकर यहां के डॉक्टर लक्ष्य वर्मा बताते हैं कि आज अधिक बारिश होने के कारण उनका स्टाफ और वह समय पर उपस्थित नहीं हो पाये थे, और इस प्रकार से जो वीडियो वायरल किया जा रहा है वह दुर्भावना वश किया गया है।

आपको बता दे कि मध्य प्रदेश सरकार द्वारा ग्रामीण और शहरी क्षेत्र में आम जनों के घर तक प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा पहुंचाने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री संजीवनी क्लिनिक खोले गए हैं। किंतु इन दिनों खोले गए इन संजीवनी क्लिनिको का वार्ड वासियों को फायदा नहीं मिल रहा है। ऐसा आरोप शहर के वार्ड क्रमांक 33 के एक वार्ड वाशी ने गायखुरी में संचालित होने वाले नवीन मुख्यमंत्री संजीवनी क्लिनिक के कर्मियों पर लगाया है। वार्ड वासी राकेश ताम्रकार बताते हैं कि उनके बेटे को 26 जुलाई को तेज बुखार आने के कारण उन्होंने बेटे का चेकअप करवाने के लिए 9:30 बजे केंद्र में पहुंचे थे। किंतु उस समय सफाई कर्मी के अलावा कोई भी क्लीनिक में उपस्थित नहीं था । उन्हें सफाई कर्मचारी द्वारा बताया गया कि स्वास्थ्य कर्मी संजीवनी क्लीनिक में

10:30 बजे तक आते हैं। उसके बाद ही इलाज किया जाता है । कुछ समय इंतजार किया। उसके बाद सभी स्वास्थ्य कर्मचारियों के कक्ष का जीपीएस लोकेशन के साथ वीडियो भी बनाया और उसके बाद वह अपने बच्चे को, वहां से दूसरे स्थान पर चेकअप करने के लिए लेजा लिया। उनका कहना था कि जब प्राथमिक उपचार हेतु वार्डों में जो क्लीनिक की सेवाएं दी जा रही है तो वह वार्ड वासियों को मिलनी चाहिए।

दुर्भावना वश वीडियो बनाकर वायरल किया गया हैं - लक्ष्य वर्मा

इस पूरे विषय को लेकर हमारे द्वारा नवीन मुख्यमंत्री संजीवनी क्लिनिक गायखुरी के चिकित्सक लक्ष्य वर्मा से चर्चा की गई तो उन्होंने बताया कि निश्चित ही आज बरसात होने की वजह से उनका स्टाफ और वह समय पर क्लीनिक नहीं पहुंच पाये । किंतु हर दिन सभी स्टाफ और वह समय पर क्लीनिक में पहुचते है। जबकि आज क्लीनिक में वार्ड वासियों सहित नागरिकों के सुझाव और शिकायतों को लेकर बैठक भी आहूत की गई थी। किंतु किसी ने क्लिनिक को लेकर नकारात्मक बातें नहीं रखी। किसी ने दुर्भावना वश ही आज इस प्रकार से वीडियो बनाकर वायरल किया है। जो आरोप लगाए जा रहे हैं वह सही नहीं है। वह प्रतिदिन समय पर क्लीनिक में पहुंचते हैं।

घर से ही लगाते हैं स्वास्थ्य कर्मी अटेंडेंस

चर्चा के दौरान सीएमएचओ परेश उपलव द्वारा बताया गया कि निश्चित ही मुख्यमंत्री संजीवनी क्लिनिक में सेवाएं देने वाले कुछ कर्मियों की अनुपस्थिति क्लिनिको में पाई जा रही है । कुछ कर्मचारी विभागीय सार्थक एप में घर बैठे ही अटेंडेंस लगा रहे हैं । उसके कुछ घंटे बाद वह क्लिनिको में पहुंच रहे हैं । जिसको लेकर उन्होंने जब सार्थक ऐप पर जांच करवाई तो वारासिवनी स्थित मुख्यमंत्री संजीवनी क्लिनिक और शहर के वार्ड क्रमांक एक ढीमरटोला स्थित संजीवनी क्लीनिक के स्वास्थ्य कर्मी की अटेंडेंस में भिन्नता पाई गई। जिसको लेकर उन्होंने एनएचएम के एम.डी को स्वास्थ्य कर्मियों के खिलाफ कार्रवाई के लिए पत्र प्रेषित किया है। साथ ही उन्होंने इस प्रकार सार्थक एप के माध्यम से गलत तरीके से उपस्थिति दर्शाने वाले स्वास्थ्य कर्मियों पर भी कार्रवाई करने की रणनीति बनाई है। जिसके लिए वह अब सार्थक ऐप पर उपस्थिति दर्ज करवाने वाले स्वास्थ्य कर्मियों की उपस्थिति की जांच कर उनकी लोकेशन निकलवा रहे हैं।

एनएचएम के एम.डी. को कार्यवाही हेतु पत्र भेजा है - परेश उपलव

इस पूरे विषय को लेकर जब हमारे द्वारा सीएमएचओ परेश उपलव से दूरभाष पर चर्चा की गई तो उन्होंने बताया कि निश्चित ही कुछ मुख्यमंत्री संजीवनी क्लीनिक में पदस्त डॉक्टर के द्वारा विभागीय सार्थक ऐप पर गलत तरीके से अपनी उपस्थिति दर्ज की जा रही है। जिसमें उन्होंने बालाघाट स्थित ढीमरटोला के संजीवनी क्लिनिक और वारासिवनी के संजीवनी क्लीनिक के स्वास्थ्य कर्मी की अटेंडेंस निकाली गयी तो उसमें भिन्नता पाई गई। जिसको लेकर उन्होंने एनएचएम के एम.डी. को कार्यवाही हेतु पत्र भेजा है । वही उन्होंने यह भी कहा की आपके द्वारा जो वार्ड क्रमांक 33 के संजीवनी क्लिनिक के स्वास्थ्य कर्मी को लेकर जानकारी दी जा रही है। उनके भी सार्थक ऐप पर अटेंडेंस की जाँच करवाई जाएगी । क्योंकि उन्हें भी कुछ दिनों से संजीवनी क्लीनिक में कार्य करने वाले स्वास्थ्य कर्मियों की फर्जी तरीके से अटेंडेंस लगाने की शिकायत मिल रही है। जिस पर वह लगातार नजर बनाए हुए हैं। कोई भी अटेंडेंस को लेकर गलत तरीके से ऐप पर अपनी उपस्थिति दर्ज करवाता है ,तो उन पर विधिवत कार्रवाई की जाएगी।

In The Court Of Additional Judge District Court, Balaghat
Presiding Officer:- कविता इवनाती
(आदेश 5 नियम 20 व्यवहार प्रक्रिया संहिता 1908 के अन्तर्गत प्रकाशन हेतु)
(MJC GW/0000006/2025)

शाहिल बागड़े नैसर्गिक संरक्षक बस्ताराम बागड़े ....वादी
Vs
निरंक ....प्रतिवादी

Process Id-29/2025
पेशी दिनांक :- 19/09/2025

प्रेषिती-
निरंक पता- निरंक

यह कि प्रार्थी शाहिल बागड़े नैसर्गिक संरक्षक बस्ताराम बागड़े ने आपके विरूद्ध याचिका पत्र अंतर्गत धारा 08 02 हिन्दू अप्राप्तवयता और संरक्षता अधिनियम 1956 के लिए वाद संस्थित किया है, आपको इस न्यायालय में सूचना के प्रकाशन के 30 दिवस के भीतर वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात / हाजिर होने के लये सम्मन किया जाता है, आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर (अधिवक्ता) द्वारा उपसंजात हो सकते है, जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो इस वाद में संबंधित सभी सारवान कथनों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन प्रस्तुत करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपका प्रतिरक्षा या मूजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित हो, और यदि आप अन्य किसी दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजरा के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो ऐसी सभी दस्तावेज की लिखित कथन के साथ उपलब्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्टि करें।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप उपर बताई गई अवधि में इस न्यायालय में उपस्थित नहीं होंगे तो वाद की एक पक्षीय सुनवाई कर उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। साथ ही यह भी सूचित किया जाता है कि यदि आप निराकरण मध्यस्थ के माध्यम से करने के इच्छुक हैं तो पीठासीन अधिकारी को अवगत करावें।

यह आज तारीख 24 July 2025 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर दिया गया है।

कृपया ध्यान दे-

1. यदि किसी कारणवश उक्त तिथि को न्यायालय अवकाश पर रहेगा तो अगामी कार्यदिवस पर यह प्रकरण सुनवाई में लिया जायेगा।

श्रीमती कविता इवनाती
प्रथम जिला न्यायाधीश वारासिवनी न्यायालय के अतिरिक्त न्यायाधीश बारासिवनी
जिला-बालाघाट (म.प्र.)

अन्य संस्था को ना दिया जाए पीजी कालेज छात्रावास

एबीवीपी ने प्रभारी मंत्री को सौपा ज्ञापन, पूर्व आवंटन को रद्द करने की करी मांग

बालाघाट(पद्मेश न्यूज) । प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस, शासकीय जटाशंकर त्रिवेदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बालाघाट में छात्रावास की अनिवार्यता को दृष्टिगत रखते हुए, इस छात्रावास को अन्य संस्था को हस्तांतरित ना किए जाने की मांग अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद द्वारा की गई है।जिन्होंने पीजी कालेज के छात्रावास को पिछले दिनों अन्य संस्था को आवंटित किए जाने पर अपनी नाराजगी जताते हुए प्रभारी मंत्री को एक ज्ञापन सौपा है।जिसमे उन्होंने पूर्व में छात्रावास को लेकर किए गए आवंटन को रद्द किए जाने की मांग की है। मप्र शासन परिवहन एंव स्कूल शिक्षा मंत्री एंव बालाघाट प्रभारी मंत्री उदय प्रताप सिंह को सौपे गए इस ज्ञापन में इस बात का उल्लेख किया गया है की उक्त छात्रावास में ऐसे विद्यार्थी निवास करते हैं, जो सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों से आकर महाविद्यालय में शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं, जो आर्थिक रूप से निजी छात्रावास में रहने में असमर्थ हैं। ऐसे में यदि छात्रावास का उपयोग छात्रहित से हटकर अन्य उद्देश्य हेतु किया जाता है, तो यह इन विद्यार्थियों के भविष्य के साथ अन्याय होगा।ज्ञापन के अंत मे एबीवीपी द्वारा छात्रहित में छात्रावास भवन को यथावत बनाए रखने की मांग की है।

आवश्यकता है
कम्प्यूटर आपरेटर-2 पद
शैक्षणिक योग्यता हिंदी व अंग्रेजी टायपिंग का ज्ञान अनिवार्य
वेतनमान-योग्यतानुसार
आफिस ब्वाय-1 पद
योग्यता-न्यूनतम 12वीं कक्षा उत्तीर्ण
वेतनमान-योग्यतानुसार
मिलने का पता-वार्ड नं. 14 गंगोत्री कालोनी वारासिवनी तह वारासिवनी जिला बालाघाट
समय -दोपहर 12 से शाम 6 बजे समय
-संपर्क करें-
मो. 9584968038

आवश्यकता है
ऑफिस कार्य के लिये कर्मचारी की आवश्यकता है
कम्प्यूटर ज्ञान आवश्यक है
वेतनमान-योग्यतानुसार
वारासिवनी के आसपास के ही सम्पर्क करें
पता-श्री फाइनेंस वारासिवनी
मों.नं. 9329595770

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

बारिश ने फिर बरपाया कहर

जिले भर में जगह जगह बिगड़े हालात, कई गांवों का एक दूसरे से टूटा संपर्क, सड़को में पानी भरा होने से आवागमन हुआ प्रभावित

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। बीती रात से बालाघाट सहित अन्य पड़ोसी जिलों में मूसलाधार भारी बारिश देखी जा रही है। जहां लगातार हो रही बारिश के चलते जिले के कुछ नदी नाले उफान पर है। तो वही अत्यधिक मात्रा में पानी जमा होने के चलते वहां बाढ़ आ गई है।इसके अलावा जगह जगह से भूखलन की जानकारी भी मिल रही है।जिसके कारण जगह जगह से आवागमन बाधित हो चुका है। इसी भारी बारिश के चलते लांजी, घोटी, चौरिया, और पिटकोना सड़क से आवागमन बाधित हो चुका है। तो वही बहेला में बाढ़ आ जाने के चलते बाजार चौक, सोसायटी सहीत कई घरों में पानी भर गया है।तो वही लांजी सालेटेकरी रोड भी बारिश के कारण बंद हो गई है।इसके अलावा बैहर से मात्र 3 किमी की दूर बैहर से बालाघाट रोड नंदी रेस्टोरेंट के थोड़े आगे अतिवृष्टि से रोड के किनारे बहुत बड़ा गड्ढा हो गया है।जहा भूखलन के चलते मुख्य मार्ग से सड़क किनारे हादसे की संभावना बनी हुई है। बताया जा रहा है कि जल्द ही यदि इस सड़क किनारे हुए इस भूखलन को दुरुस्त नहीं किया गया। तो आगामी समय में यह भूखलन मुख्य मार्ग को भी अपनी चपेट में ले लेगा और बैहर से बालाघाट मार्ग का आवागमन पूरी तरह से बंद हो जाएगा।इसके अलावा जिले के अन्य ग्रामीण अंचलों से भी जगह-जगह के नदी नाले में पानी भरने व नदी नालों का पानी सड़क पर आ जाने से आवागमन के बाधित होने की जानकारी सामने आ रही है। कुल मिलाकर कहां जाए तो बीती रात से हुई इस मूसलाधार बारिश ने जिले भर में जमकर कहर बरपाया है।जिसके चलते स्थानीय लोगों कोआवागमन करने में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

बसों का संचालन भी बंद

नदी नालों में आई बाढ़ से बिगड़े हालातो को लेकर बस मालिको द्वारा कई मार्गो पर बसों का संचालन बंद कर दिया गया है।नदी नालों में बाढ़ होने की स्थिति में उक्त जगह से बसों का संचालन करने में कोई हादसा हो सकता है, इसलिए बसों का आवागमन रोके जाने की बात सामने आ रही है।बताया जा रहा है कि अब जब तक हालात सामान्य नहीं होते तब तक इन जगहों से बसे नहीं चलाई जाएगी।

नगरी क्षेत्र में भी जगह जगह भरा पानी

उधर शुक्रवार की रात से लेकर शनिवार दोपहर करीब 2 बजे तक रुक रुक कर, हुई तेज बारिश ने शहर को पानी-पानी कर दिया। जहां शाम करीब 7 तक होती रही बारिश ने नगरी क्षेत्र के विभिन्न इलाकों में जमकर आफत बरसाई तो वहीं नगर के कई वार्डो के घरों में बारिश का पानी घुस गया । जहां पानी निकासी के पर्याप्त इंतजाम न होने के चलते लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। बारिश का पानी लोगों के घरों में घुसने पर लोगों ने नगर पालिका के प्रति अपना जमकर आक्रोश जताया, तो वही व्यवस्थाओं में सुधार किए जाने की मांग की।

इन क्षेत्रो में कुछ देर के लिए जलमग्न हुई सड़के

उधर नगर में इस बारिश से सबसे ज्यादा आफत नगर के वार्ड नंबर 10 वार्ड नंबर 4 वार्ड नंबर 1 वार्ड नंबर 6 वार्ड नंबर 11 वार्ड नंबर 24 ,हनुमान चौक, जयस्तंभ चौक, अंबेडकर चौक सहित अन्य इलाकों में देखने को मिली।नगर के निचले इलाकों में सड़कों से बहता हुआ नाली का गंदा पानी लोगों के घरों में घुस गया।जिसके चलते उनके घरों में रखा घरेलू सामान व जरूरतों की समाग्री भींग गई।बताया गया कि इन इलाको में नपा द्वारा पानी निकासी के व्यापक इंतेजाम नही किए गए है।जिसके चलते अक्सर बारिश होने पर यहां की स्थिति बिगड़े जाती है।जो शनिवार को भी देखने को मिली। जहां पानी निकासी की व्यवस्था नहीं होने पर बरसात का पानी बहता हुआ ओवर फ्लो होकर उनके लोगो के घरों में घुस गया तो वही कुछ देर के सड़के पूरी तरह जलमग्न नजर आई।

जिला अस्पताल से गर्भवती महिलाओं का नहीं रुक रहा है पलायन

ट्रामा सेंटर को छोड़कर प्राइवेट अस्पताल में करवा रहे अपना प्रसव

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। शहीद भगत सिंह शासकीय जिला अस्पताल में प्रसव के लिए भर्ती गर्भवती महिलाओं का पलायन नहीं रुक रहा है। प्रसव कराये बिना ही गर्भवती महिलाएं इस जिला अस्पताल के ट्रामा सेंटर को छोड़कर नगर के प्राइवेट अस्पताल में भर्ती होकर प्रसव करवा रही है। पिछले कुछ महीनो से यहा पर यह अव्यवस्था हो रही है किंतु इस अव्यवस्था में सुधार करने का प्रयास नहीं किया गया। प्रतिदिन आधा दर्जन गर्भवती महिलाओं को ट्रामा सेंटर छोड़ने बाध्य होना पड़ रहा है। गर्भवती महिलाओ को उनके परिजन बहुत ही उम्मीद से इस जिला अस्पताल में निशुल्क प्रसव कराने के लिए लाते है। किंतु यहा तड़पते गर्भवती महिलाओं को नजर अंदाज कर देते हैं। यहां के डॉक्टर तो डॉक्टर किंतु यहां के महिला कर्मचारी भी ऐसे गर्भवती महिलाओं को उचित सलाह नहीं दे पाते और उन्हें भ्रमित करके रख देते हैं। डॉक्टर अभी नहीं है उन्होंने दूसरा पेटेंट ले लिया है। अब तुम्हारा ऑपरेशन रात 9:10 बजे होगा किंतु तड़पती गर्भवती महिला को उनके परिजन देख नहीं पाते और वे ट्रामा सेंटर छोड़ देते हैं। यहां पर निशुल्क चिकित्सा है और प्रसव कराने पर मध्य प्रदेश शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के तहत प्रसूति महिलाओं को लाभ दिया जाता है किंतु इस जिला अस्पताल में प्रसव कराने भर्ती हुई महिला यहां की व्यवस्था को देखते हुये और मध्य प्रदेश सरकार की जन कल्याणकारी योजना को धत्ता बताते हुए अपनी जान बचाने के लिए नगर के प्राइवेट अस्पताल की शरण में जाकर अपना प्रसव करवाते पड़ता है। जिला अस्पताल के ड्रामा सेंटर से गर्भवती महिलाओं को बिना प्रसव कराए प्राइवेट अस्पताल में जाने के संबंध में इस शासकीय अस्पताल के प्रबंधन और संबंधित अधिकारियों को मालूम है। उसके बावजूद भी इस अव्यवस्था में सुधार नहीं किया गया।जिसके कारण गर्भवती महिलाओं को इस ट्रॉमा सेंटर से प्राइवेट अस्पताल में जाने बाध्य होना पड़ता है। 25 जुलाई को जिला अस्पताल के इस ट्रामा सेंटर से तीन गर्भवती महिलाओं ने प्राइवेट अस्पताल में जाकर अपना प्रसव करवाया यह तीन महिलाएं पुष्पलता पति अजय बिसेन ग्राम नवेगांव खैरलांजी, आरती पति मिथुन भुजाड़े ग्राम हीरापुर बालाघाट और रेशमा पति राजेंद्र कुमरे ग्राम कोलियाटोला बिरसा निवासी है।

जिला अस्पताल में पत्नी की हालत बहुत खराब हो चुकी थी- मिथुन भुजाड़े

आरती बुझाड़े के पति मिथुन बुजाड़े ने पद्मेश न्यूज़ को दूरभाष पर बताएं 24 जुलाई को उन्होंने अपनी पत्नी आरती को जिला अस्पताल के ट्रामा सेंटर में प्रसव के लिए भर्ती किये थे उसे दिन और रात मैडम ने बोली की नॉर्मल डिलीवरी हो जाएगी। किंतु नॉर्मल डिलीवरी नहीं हुई और पत्नी की हालत और खराब हो रही थी। 25 जुलाई को पूरा दिन किसी ने ध्यान दिया मैडम को ऑपरेशन के लिए बोले तो उन्होंने बोले कि मैं रात में करुंगी अभी मैं दूसरा पेशेंट ले ली हु और मजबूर होकर के हमको ट्रामा सेंटर छोड़ना पड़ा और प्राइवेट में तुरंत ऑपरेशन किया गया। बच्चे की हालत खराब हो चुकी थी उसे आई सी यू में भर्ती करवाना पड़ा। यदि इसी जिला अस्पताल में भर्ती रहते तो जच्चा और बच्चा की हालत खतरे में थी। इसी प्रकार अजय बिसेन ग्राम नवेगांव खैरलांजी और राजेंद्र कुसरे ग्राम कोलिया टोला बिरसा निवासी ने भी पद्मेश न्यूज़ को इस ट्रामा सेंटर में अव्यवस्था होने के कारण ट्रामा सेंटर छोड़कर प्राइवेट में ऑपरेशन करवाने के संबंध बताएं।

शादी का झांसा देकर 22 वर्षीय लड़की से दुष्कर्म - कृष्णा नगपुरे गिरफ्तार

लिव इन रिलेशन में रहने के बाद भी नहीं की शादी

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। एक 22 वर्षीय लड़की ने एक युवक के विरुद्ध शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने एवं मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाई। दुष्कर्म की यह घटना इस लड़की के साथ उस समय हुई जब वह बालाघाट में ही इस युवक के साथ लिव इन रिलेशन में रह रही थी। कोतवाली पुलिस ने इस लड़की द्वारा की गई रिपोर्ट पर तुरंत कार्यवाही करते हुए युवक कृष्णा पिता नोकराम नगपुरे 20 वर्ष ग्राम ओकासी थाना किरनापुर निवासी का गिरफ्तार कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार यह 22 वर्षीय लड़की रामपायली थाना क्षेत्र की रहने वाली है। जनवरी 2014 में यह लड़की नौकरी की तलाश में बालाघाट आई हुई थी तब इस लड़की की मुलाकात कृष्णा नगपुरे से हुई थी उस समय कृष्णा नगपुरे बालाघाट में ही किराए से रहता था। और भरवेली में प्राइवेट नौकरी करता था। उसी समय से दोनों फोन पर बातचीत करने लगे थे और एक दूसरे को पसंद करने लगे थे। 13 मार्च 2024 को यह लड़की अपने गांव से बालाघाट जॉब के लिए आई थी। तब कृष्णा नगपुरे ने इस लड़की को अपना कमरा ले गया। जहा पर कृष्णा नगपुरे ने इस लड़की को शादी का झांसा देकर उसके साथ दुष्कर्म किया था। इसके कुछ दिन बाद यह लड़की कृष्णा नगपुरे के साथ उसके कमरे में दो माह तक लिव इन रिलेशन में पति पत्नी की तरह रहने लगे थे। 2 महीने बाद जब इस लड़की ने कृष्णा नगपुरे से शादी करने के लिए बोली तो कृष्णा नगपुरे टालमटोल करने लगा । और कृष्णा नगपुरे अपने गांव ओकासी चला गया था। 15 जून 2025 को कृष्णा नगपुरे बालाघाट आया और दोनों लीव इन रिलेशन में पति-पत्नी की तरह रहने लगे थे। जब यह लड़की कृष्णा नगपुरे को शादी के लिए कहती वह मना करने लगा। और वह इस लड़की को मारपीट और जान से मारने की धमकी देने लगा और बदनाम करने की धमकी देकर चला गया। कृष्णा नगपुरे द्वारा शादी नहीं करने पर इस लड़की ने कोतवाली में रिपोर्ट की थी। कोतवाली पुलिस ने इस लड़की द्वारा की गई रिपोर्ट पर कृष्णा नगपुरे के विरुद्ध धारा 69 296 115(2) 351(3) भारतीय न्याय संहिता 2023 के तहत अपराध दर्ज किये और इस मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए कृष्णा नगपुरे को गिरफ्तार कर लिए।

कारगिल विजय दिवस पर पूर्व सैनिकों ने शहीदों को दी श्रद्धांजलि

पूर्व सैनिक संजीव धुवारे ने बताया कारगिल युद्ध के समय की दास्तान, कहा युद्ध के समय सियाचीन की नई पोस्ट में रहकर लड़ी थी लड़ाई

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। भारत-पाकिस्तान के बीच 1999 में हुए कारगिल युद्ध की जीत के उपलक्ष्य पर हर साल 26 जुलाई को कारगिल विजय दिवस मनाया जाता है। भूतपूर्व सैनिकों के संगठन ने शनिवार को दोपहर स्थानीय बूढी स्थित भवन में शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करने एक कार्यक्रम आयोजित किया । आयोजन में कारगिल युद्ध में शहीद हुए सैनिकों के बलिदान को याद किया गया। उनकी तस्वीर पर फूल माला चढ़ाकर भूतपूर्व सैनिकों ने संस्मरण सुनाए और देश के लिए वीरों के बलिदान को याद किया। पूर्व सैनिकों ने कहा कि आज की युवा पीढ़ी और आने वाली पीढ़ी को ये पता नहीं है कि कारगिल युद्ध कितना कठिन था. इस युद्ध में भारतीय सेना ने इसमें अदम्य साहस का परिचय दिया था । भूतपूर्व सैनिक के अध्यक्ष संजीव धुवारे द्वारा बताया गया कि उन्होंने भी इस कारगिल युद्ध में पाकिस्तान के खिलाफ सियाचिन की नई पोस्ट में रहकर लड़ाई लड़ी थी । आपको बता दे कि 26 जुलाई को भूतपूर्व सैनिक संगठन द्वारा स्थानीय बूढी स्थित भवन में एकत्रित होकर, कारगिल विजय दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया । यहां उन्होंने कारगिल युद्ध में शहीद हुए सैनिकों को नम आंखों से श्रद्धांजलि अर्पित की ,इस दौरान, पूर्व सैनिकों ने हाथ में तिरंगा लिए कारगिल दिवस, भारत माता, वंदे मातरम, शहीदों और सेना के जयघोष के नारे लगाए। भूतपूर्व सैनिक संगठन अध्यक्ष संजीव धुवारे द्वारा बताया गया कि 1999 को कारगिल युद्ध के दौरान सियाचीन में बनी एक नई पोस्ट में हम तैनात थे। जिस पोस्ट में हम पांच लोगो को, 2 इन बैरल गन के साथ,

पाकिस्तानी दुश्मनों को रोकने और उनकी गोलियो का जवाब देने के लिए तैनात किया गया था। इस दौरान हमारे साथियो ने जोश और जज्बे के साथ, पाकिस्तान की ओर से हो रही गोलीबारी का ना केवल जवाब दिया बल्कि हमारी टुकड़ी ने पाकिस्तान सीमा में बनी लालपोस्ट को भी तबाह किया था। टाईगर हिल्स पर भी कब्जा करने में हमारी रेजिमेंट की महत्वपूर्ण भूमिका रही। 402 लाईट एडी रेजिमेंट से रिटायर संजीव धुवारे, वर्तमान में भूतपूर्व सैनिक संगठन के जिलाध्यक्ष का दायित्व निभा रहे है। जिनकी मौजूदगी में 26 जुलाई को कारगिल दिवस मनाया गया। इस दौरान उन्होंने अपने कारगिल के अनुभवों को साझा किया। उन्होंने बताया कि कारगिल युद्ध में देश की सेना का मनोबल, उंचा था। यही कारण रहा कि कारगिल युद्ध में सेना के जवानों ने पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब दिया। उन्होंने बताया कि कारगिल युद्ध की विजय, उन बहादुर सैनिकों के कारण मिली है, जिन्होंने लड़ते-लड़ते अपना जीवन बलिदान कर दिया। कारगिल दिवस पर भूतपूर्व सैनिक सुनिल पालेवार, महेश नगपुरे, लेखराम गौतम, चैतराम बंसोड़, रामसिंह बैस, शिवशंकर धमकाए, गणेश धाने, निकेश बिसेन, राजेन्द्र अग्रवाल, श्यामलाल बघेल, दिवंगत सैनिक की पत्नी सरिता बिसेन सहित अन्य उपस्थित थे।

जान जोखिम में डालकर डिस्मेंटल होने वाले छात्रावास में रह रहे 15 से 20 छात्र

मामला स्थानीय पॉलिटेक्निक कॉलेज के सामने संचालित होने वाले स्वर्गीय राजीव गांधी बालक छात्रावास का

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। शासकीय जटाशंकर त्रिवेदी कॉलेज बालाघाट का स्वर्गीय राजीव गांधी बालक छात्रावास जो कि स्थानीय पॉलिटेक्निक कॉलेज के सामने बना हुआ है। यह

बीते कई वर्षों से क्षतिग्रस्त हो गया है। इसे विभाग ने भी डिस्मेंटल की कार्रवाई के लिए कह दिया है। किंतु उसके बावजूद भी यहां 15 से 20 बच्चे अपनी जान जोखिम में डालकर निवासरत है । जबकि बच्चों का भी मानना है कि छात्रावास बहुत अधिक क्षतिग्रस्त है । यहां बरसात के समय पानी रिश्ते रहता है। उसके बावजूद भी वह पढ़ाई करने के लिए मजबूरी में यहाँ रह रहे हैं । जब हमारे द्वारा छात्रावास के अधीक्षक से चर्चा की गई तो उन्होंने बताया कि निश्चित ही छात्रावास क्षतिग्रस्त है और वह सोमवार को ही बच्चों को वहां से लगे छात्रावास में शिफ्ट करवा देंगे। आपको बता दे की शासकीय जटाशंकर त्रिवेदी महाविद्यालय का स्थानीय पॉलिटेक्निक कॉलेज के सामने राजीव गांधी बालक छात्रावास वर्षों से संचालित हो रहा है । किंतु सूत्रों की माने तो बीते कुछ वर्षो से छात्रावास क्षतिग्रस्त हो चुका है । जिसे विभाग ने डिस्मेंटल की कार्रवाई के लिए भी लिख दिया है। हालांकि यहां छात्रावास अधीक्षक द्वारा बीते कुछ वर्ष से डिस्मेंटल की कार्रवाई होने वाले छात्रावास में बच्चों को रखवा रहे हैं। जबकि देखा जाए तो यहां कभी भी कोई बड़ी दुर्घटना हो सकती है। इन दिनों बरसात के समय छात्रावास के लगभग कुछ कक्ष को छोड़कर सभी कक्ष में पानी टपक रहा है। यहां रहने वाले विद्यार्थी भी बता रहे कि उन्हें यहां रहने में डर लगता है। किंतु पढ़ाई करने और माली हालत ठीक नहीं होने के कारण वह अपनी पढ़ाई पूरी करने कम पैसों के कारण छात्रावास में रहकर अपनी पढ़ाई कर रहे हैं। जबकि देखा जाए तो इन दिनों बरसात के समय उनके कक्षों में भी पानी टपक रहा है। छात्रावास की भी स्थिति बहुत ज्यादा खस्ताहाल हो गई है। एक कक्ष को तो छत गिरने की वजह से लॉक कर बंद करवा दिया गया है । यहां पर बच्चों के सिवाय कोई भी चौकीदार और अन्य छात्रावास से संबंधित कर्मचारी उपस्थित नहीं रहते । यह छात्रावास भगवान भरोसे ही संचालित हो रहा है ।जब हमारे द्वारा यहां के छात्रावास अधीक्षक से इस विषय पर चर्चा की गई तो उन्होंने सीधे सोमवार को बच्चों को दूसरे छात्रावास में शिफ्ट करने की बात कह दी । जबकि देखा जाए तो यह कई दिनों से यहां पर बच्चे जान जोखिम में डालकर रह रहे हैं । भगवान भरोसे ही यह छात्रावास बीते कई दिनों से संचालित हो रहा है । बच्चे यह भी बताते हैं कि यहां रात्रि के समय असामाजिक तत्वों का जमावड़ा रहता है। आए दिन यहां मारपीट भी छात्रावास के परिसर में होते रहती है। छात्रावास के परिसर में अन्य निजी प्रतिष्ठानों का कब्जा बना हुआ है ।

बच्चों को सोमवार को ही शिफ्ट करवा देंगे- प्रशांत डहाटे

इस पूरे विषय को लेकर जब हमारे द्वारा जटाशंकर त्रिवेदी कॉलेज के छात्रावास प्रभारी डॉक्टर प्रशांत डहाटे से दूरभाष पर चर्चा की गई तो उन्होंने बताया कि निश्चित ही छात्रावास डिस्मेंटल की स्थिति में आ गया है । किंतु इसे अन्य विभाग के विभागीय अधिकारी अपने विभाग में मिलाने की होड़ में लगे हुए हैं। इस कारण उन्होंने अभी तक छात्रावास को डिस्मेंटल की कार्रवाई नहीं करवाई है । किंतु बच्चों को जल्द ही वह कॉलेज के बने अन्य छात्रावास में सोमवार से ही शिफ्ट करवा देंगे।

चरेगांव पुलिस चौकी क्षेत्र में एक व्यक्ति की संदिग्ध स्थिति में मौत

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। लामता थाने की चरेगांव पुलिस चौकी क्षेत्र में आने वाले ग्राम मोहगांव हड्डीटोला में बीती रात इसी ग्राम के व्यक्ति अनिल पिता श्री चंद अड़मे 32 वर्ष की संदिग्ध स्थिति में मौत हो गई। लामता पुलिस ने इस व्यक्ति का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार अनिल अड़मे अपने परिवार के साथ खेती किसी करता था। जिसके परिवार में माता पिता भाई पत्नी बच्चे हैं। 25 जुलाई की शाम 6:30 बजे करीब अनिल अड़मे मोटरसाइकिल में किसी काम से ग्राम मेहराटोला गया था। शाम 7:30 बजे करीब भागचंद मेहराटोला निवासी ने अनिल अड़मे के भाई रंजीत अड़मे को फोन करके बताया कि आपका भाई अनिल अड़मे पर बहस बाजी कर रहा है, उसे आकर ले जाओ। तब रंजीत अड़मे मेहराटोला पहुंचा देखा। उसका अनिल अड़मे मेहराटोला में भागचंद के घर के सामने मोटरसाइकिल के ऊपर औंधा लेटा हुआ था। तब रंजीत अड़मे ने भागचंद के साथ भाई अनिल अड़मे को नेवरगांव दवाखाना लाये और इलाज करवाएं। डॉक्टर ने अनिल अड़मे को बालाघाट ले जाने की सलाह दिए। तब रंजीत अड़मे ने अपनी माँ रामबती और भाभी राजेश्वरी के साथ अनिल अड़मे को लेकर जिला अस्पताल लाये। जिला अस्पताल में डॉक्टर ने अनिल अड़मे चैक करने पर मृत घोषित कर दिये। अनिल अड़मे की जिला अस्पताल लाते समय रास्ते ही मृत्यु हो चुकी थी। तब अनिल अड़मे का शव को उसके परिजनों ने घर लेकर गये। अनिल अड़मे की मृत्यु कैसे हुई यह स्पष्ट नहीं हो पाया। 26 जुलाई को सुबह रंजीत अड़मे अपने पिता श्रीचद अड़मे के साथ रिपोर्ट करने के लिए लामता पुलिस थाना पहुंचे।लामता पुलिस ने मृतक अनिल अड़मे का शव पंचनामा कार्यवाही पश्चात पोस्टमार्टम करवाकर उसके परिजनों को सौंप दिए। अनिल अड़मे की मृत्यु कैसे हुई यह अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है । पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट होने की संभावना है।। लामता पुलिस धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर जांच कर रही है।

पैसा ठीक होने के बाद देना

शादी से पहले एवं शादी के बाद

उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि

सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।

पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना

गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवादी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

AICTE भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त एवं RGPV & DTE भोपाल से सम्बद्ध

सतपुड़ा इंजीनियरिंग & पॉलिटेक्निक कॉलेज

प्रवेश प्रारंभ

B.Tech. & Polytechnic

- COMPUTER SCIENCE ENGINEERING
- MINING ENGINEERING
- CIVIL ENGINEERING
- MECHANICAL ENGINEERING
- ELECTRICAL ENGINEERING

Lateral Entry Admission NEP 2020 के तहत किसी भी ब्रांच से डिप्लोमा/B.Sc. (Maths) उत्तीर्ण छात्रों का B.Tech. एवं ITI उत्तीर्ण छात्रों का पॉलिटेक्निक के द्वितीय वर्ष में सीधे प्रवेश

सतपुड़ा कैम्पस, लालबर्रा रोड, गर्रा, बालाघाट

6262604111, 9425836824

खबर प्रकाशन के बाद भी नहीं जागा प्रशासन

बारिश से मिट्टी का कटाव होने से पोंडी-रमपुरी मार्ग बना हादसों का सबब, दैनिक समाचार पत्र बालाघाट एक्सप्रेस ने खबर प्रकाशन कर प्रशासन को चेताया था

चौपहिया वाहनों पर प्रतिबंध लगने के बाद भी क्षतिग्रस्त मार्ग से आवागमन जारी, जिम्मेदार मौन

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से लगभग 7 किमी. दूर ग्राम सिहोरा पुल के समीप से गुजरे पोंडी से रमपुरी पहुंच मार्ग किनारे से गुजरे नाले में सड़क किनारे रिटर्निंगवाल का निर्माण नही होने के कारण गत दिवस से हो रही बारिश के चलते नाले में बाढ़ आने से सड़क के समीप से मिट्टी का कटाव तेज गति से हो रहा है और यह कटाव सड़क के आधे हिस्से तक पहुंच चुका है और किसी भी समय सड़क उक्त स्थान से ढह सकता है जिससे कभी भी यह मार्ग बंद हो सकता है। वहीं प्रशासन के द्वारा चेतावनी बोर्ड लगाकर लोगों को जागरूक किया जा रहा है कि सड़क क्षतिग्रस्त है चौपहिया एवं अन्य वाहनों से आवागमन न करें। लेकिन इस मार्ग पर बेरिगेट नही होने के कारण बड़े वाहन भी इस खतरनाक मिट्टी के कटाव वाले मार्ग से गुजर रहे हैं जिससे कभी भी बड़ी दुर्घटना घटित हो सकती है। साथ ही यह यह समस्या विगत कई दिनों से बनी हुई है परंतु प्रशासन के द्वारा अब तक किसी तरह का कोई भी मरम्मत कार्य नहीं करवाया गया है जिससे लोगों को आवागमन करने में बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही क्षतिग्रस्त मार्ग से गुजरते समय अगर कोई अनियंत्रित होते है तो वे वाहन सहित नाले की ओर करीब 30 से 35 फीट नीचे गिर सकते है जिससे बहुत बड़ा हादसा घटित हो सकता है। जबकि सड़क किनारे की मिट्टी का धीरे-धीरे कटाव होने एवं मिट्टी कटाव को रोकने के संबंध में करीब दो माह पूर्व बालाघाट एक्सप्रेस अखबार में समाचार प्रकाशन कर प्रशासन को जगाने का प्रयास किया गया था, लेकिन शासन-प्रशासन के लोग नही जागे। यू कहे कि प्रशासन के द्वारा खबर प्रशासन के बाद भी इस विषय को गंभीरता से ना लेते हुए लापरवाही बरती गई है। प्रशासन के द्वारा समय रहते मिट्टी कटाव वाले स्थान का मरम्मत कार्य करवा दिया जाता तो वर्तमान में यह सड़क क्षतिग्रस्त नही होती, लेकिन प्रशासन की उदासीनता के चलते पोंडी से रमपुरी मार्ग किसी भी समय धसक सकता है जिससे इस मार्ग से आवागमन पूरी तरह से बंद हो जायेगा। साथ ही क्षतिग्रस्त मार्ग बड़ी दुर्घटना को अंजाम दे रहा है जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की लापरवाही और अनदेखी होगी। सड़क का आधा हिस्सा कट जाने के बाद भी अब तक किसी प्रकार से नाले के समीप सड़क की मिट्टी कटाव को रोकने के लिए कोई कार्य नही किया गया है। जिससे ग्रामीणजन एवं राहगीरों में शासन-प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त है।

विद्युत पोल हुआ क्षतिग्रस्त

सड़क के किनारे बिजली के पोल लगे हुए है जिसके माध्यम से गांव में बिजली की आपूर्ति हो पा रही है परंतु नाले में तेज बारिश से हुए मिट्टी की कटाव होने से विद्युत पोल क्षतिग्रस्त हो चुका है एवं हवा में उड़ रहे है और बिजली सप्लाई पूरी तरह से चालू है। ऐसी स्थिति में यदि विद्युत पोल में लगे तार टूटकर पानी के संपर्क में आते है तो बड़ी दुर्घटना घटित हो सकती है। ग्रामीणजन एवं राहगीरों ने विद्युत विभाग से क्षतिग्रस्त विद्युत पोल को सुव्यवस्थित करने की मांग की है

मार्ग बंद होने से ग्रामीणों को करनी पड़ेगी अधिक दूरी तय

आपकों बता दें कि लालबर्रा से सिवनी मार्ग स्थित ग्राम पंचायत सिहोरा एवं नेवरगांव ला. के ग्राम पोंडी के बीच से गुजरी नाले के ऊपर पुल का निर्माण किया गया है। जिसके समीप नाले किनारे से पोंडी से रमपुरी जाने के लिए सड़क विभाग के द्वारा डामरीकरण सड़क का निर्माण विगत वर्ष पूर्व किया गया है। जिससे रमपुरी, घटोलगांव सहित अन्य ग्रामों के ग्रामीणजन आना-जाना करते है। साथ ही यह मार्ग ग्रामीणजनों को शहर से जोड़ता है। लेकिन सड़क किनारे नाले की मिट्टी का कटाव को रोकने के लिए रिटर्निंगवाल का निर्माण नही किया गया है। वहीं गत दिवस से हो रही तेज बारिश के कारण नाले में बाढ़ आने पर पानी के तेज बहाव में सड़क के नीचे की मिट्टी धसक चुकी है और सड़क क्षतिग्रस्त हो चुका है एवं किसी भी समय सड़क ढह जाने से आवागमन बंद हो जायेगा। जिससे आने-जाने वालों को बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ेगा एवं गांव तक एम्बुलेंस तक नही पहुंच पायेगी। जबकि इस मार्ग से आवागमन करने में कम दुरी तय करना पड़ता है, लेकिन मार्ग बंद होने से 6 से 7 किमी. की अधिक दुरी तय कर लालबर्रा मुख्यालय ग्रामीणजन व पढ़ाई करने वाले छात्र-छात्राओं को आना पड़ेगा।

प्रशासन बना धृष्ट राज

रमपुरी से सिहोरा पहुंच मार्ग पर बना पुल दो वर्ष पूर्व क्षतिग्रस्त हो चुका है जिसका अब तक किसी तरह का कोई भी मरम्मत कार्य नहीं हो पाया है। जिसकी वजह से लोग पोड़ी से रामपुरी पहुंच मार्ग का उपयोग आवागमन में करते है और इस मार्ग से ग्रामीणजन कम समय में लालबर्रा मुख्यालय पहुंच जाते है। लेकिन यह मार्ग की मिट्टी कटाव होने से यह सड़क जानलेवा बन चुकी है जिससे कभी भी बड़ी दुर्घटना घटित हो सकती है और यह मार्ग पूरी तरह से बंद हो सकता है। जबकि इस संबंध में गत माह पूर्व बालाघाट एक्सप्रेस अखबार में समाचार प्रकाशन कर प्रशासन को चेताया गया था उसके बाद भी प्रशासन धृष्ट राज बना रहा। साथ ही खबर प्रशासन के बाद भी तत्काल किसी तरह का कोई भी मरम्मत या सुधार कार्य नहीं किया गया। यही कारण है कि वर्तमान में यह स्थिति निर्मित हुई है जिसका खामियाजा ग्रामीणजन व राहगीरों को भुगतना पड़ेगा।

रास्ता बंद होने से अधिक दूरी तय करना पड़ेगा - लालचंद

लालचंद राहंगडाले ने बताया कि यह मार्ग रमपुरी से बालाघाट-सिवनी हाईवे मार्ग को जोड़ता है जिससे रोजाना रमपुरी सहित अन्य ग्रामों के ग्रामीणजन व छात्र-छात्राएं आवागमन करते है परन्तु पोंडी से रमपुरी पहुंच मार्ग किनारे बने नाले में आई बाढ़ व पानी के तेज बहाव के कारण सड़क किनारे की मिट्टी बह चुकी है जिसके कारण सड़क क्षतिग्रस्त होने लगी है। समय रहते मरम्मत कार्य नही करवाया गया तो आवागमन बंद हो जायेगा। श्री राहंगडाले ने बताया कि आवागमन का यह एक मात्र मार्ग है जिससे स्कूल के बच्चें एवं ग्रामीणजन आना-जाना करते है एवं

रमपुरी से सिहोरा पहुंच मार्ग पर बना पुल दो वर्ष पूर्व क्षतिग्रस्त हो चुका है। जिसका अब तक निर्माण कार्य नही करवाया गया है और वर्तमान समय में रमपुरी से पोंडी पहुंच मार्ग से आवागमन कर रहे है। लेकिन यह मार्ग भी किसी भी समय धसक सकता है, ऐसी स्थिति अधिक दुरी तय कर लालबर्रा मुख्यालय जाना पड़ेगा।

प्रशासन की उदासीनता के चलते कभी भी धसक सकता है सड़क - उपेन्द्र

उपेंद्र तुरकर ने बताया कि यह मार्ग अनेक ग्रामों को बालाघाट-सिवनी हाईवे मार्ग से जोड़ता है, लेकिन सड़क की मिट्टी कटाव को रोकने के लिए रिटर्निंगवाल का निर्माण नही होने के कारण नाले किनारे से मिट्टी आधे हिस्से से धसक चुकी है, समय रहते मरम्मत कार्य नही करवाया गया तो सड़क पुरी तरह से धसक जायेगी, जिससे आवागमन बंद हो सकता है। वहीं प्रशासन के द्वारा इस मार्ग से चौपहिया वाहनों के आवागमन पर प्रतिबंध लगा दी है उसके बाद भी वाहन गुजर रहे है एवं छोटे वाहन भी मुश्किल से निकल पा रहे है। जबकि वर्तमान में कृषि कार्य जारी है, किसानों को ट्रेक्टर एवं अन्य उपकरण ले जाने में भी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। श्री तुरकर

ने बताया कि मिट्टी का कटाव होने से बिजली पोल क्षतिग्रस्त हो चुका है एवं पोल व तार हवा में लटक रहे हैं जिससे बिजली सप्लाई चालू रहती है और बिजली के तार पानी के संपर्क में आ जाते हैं तो बड़ी दुर्घटना होने की संभावना बनी हुई है। लेकिन प्रशासन के द्वारा इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। सड़क विभाग की उदासीनता के चलते पोंडी से रमपुरी पहुंच मार्ग कभी भी धसक सकता है जिससे आवागमन बंद हो जायेगा।

वैश्य समाज महिला इकाई का हरियाली तीज कार्यक्रम का हुआ आयोजन

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। वैश्य समाज महिला इकाई लालबर्रा के द्वारा सावन महोत्सव के अवसर पर लालबर्रा निवासी वैश्य समाज महिला इकाई अध्यक्ष श्रीमति सरोज अवधिया के निवास में शुक्रवार को हरियाली तीज कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस अवसर भजन, अंताक्षरी प्रतियोगिता, सावन झूला कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें महिलाओं ने बढ़ चढ़कर भाग लिये। साथ ही महिलाओं ने एक-दुसरे को सुहाग प्रतीक चिन्ह का आदान-प्रदान भी किया। चर्चा में वैश्य समाज महिला इकाई अध्यक्ष श्रीमती सरोज अवधिया ने बताया कि भारतीय संस्कृति में सावन माह का विशेष महत्व है, भारतीय हिंदू संस्कृति में तीज त्योहारों का विशेष आनंद तब आता है जब इसे एकत्रित होकर सामूहिक रूप से मनाया जाता है। साथ ही यह भी बताया कि भारत की अखंडता तथा सनातन संस्कृति की रक्षा के लिए आज के परिवेश में यह आवश्यक हो जाता है कि हम अपने समाज के साथ एकत्रित होकर इन्हें मनाते रहे।

जिससे आपसी मेल जोल के साथ ही सामाजिक समरसता भी बढ़ती है। इस अवसर पर लालबर्रा वैश्य समाज महिला प्रभारी श्रीमती अनीता अग्रवाल, संगीता अग्रवाल, ज्योति अग्रवाल, प्रतिभा चौरसिया, श्रीमती बबीता बागरे, श्रीमती उमा अवधिया, श्रीमती ममता अवधिया, राजमती अवधिया ,श्रीमती छाया अवधिया, श्रीमती अजीता अवधिया, श्रीमती उज्जवला गुप्ता, श्रीमती अर्चना गुप्ता, अन्नपूर्णा, निकिता, श्रीमती दीपिका अवधिया, श्रीमती अरूण लता गुप्ता, रिया सहित वैश्य समाज लालबर्रा की महिलाएं उपस्थित रहे।

5 दिवसीय श्री पार्थिव शिवपूजन कार्यक्रम का हुआ समापन

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत मानपुर के अस्पताल कालोनी स्थित श्री मनकामेश्वर महादेव मंदिर में श्री भोलेश्वर जनकल्याण समिति के तत्वाधान में गत दिवस से जारी पांच दिवसीय श्री पार्थिव शिव पूजन कार्यक्रम का गुरूवार को हवन-पूजन एवं महाप्रसादी वितरण के साथ समापन किया गया। इस अवसर पर शाम 4 बजे से मंदिर परिसर में आचार्य विमल मिश्रा के द्वारा विधि-विधान से पूजन-अर्चन कर श्री पार्थिव शिवपूजन कार्यक्रम संपन्न करवाया गया जिसमें उपस्थितजनों ने मिट्टी से श्री पार्थिव शिवलिंग बनाकर भगवान भोलेनाथ की पूजा अर्चना की तत्पश्चात आरती कर शिवलिंग को विसर्जित किया गया। जिसके बाद महाप्रसादी का वितरण किया गया। इस 5 दिवसीय श्री पार्थिव शिवलिंग शिवपूजन कार्यक्रम में नगर मुख्यालय सहित आसपास के श्रध्दालुजन पहुंचकर भगवान भोलेनाथ की पूजा-पाठ कर परिवार एवं क्षेत्र में सुख-शांति एवं समृध्दि बनाये रखने की प्रार्थना की है।

यादव (अहीर) समाज की बैठक हुई आयोजित

बैठक में समाजोत्थान सहित अन्य बिन्दुओं पर चर्चा कर कार्यक्रमों की बनाई गई रूपरेखा

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत अमोली स्थित यादव समाज मंगल भवन में शुक्रवार को यादव (अहीर) समाज की बैठक संपन्न हुई। यह बैठक यादव (अहीर) समाज ब्लाक अध्यक्ष मनोज यादव सहित अन्य पदाधिकारियों की उपस्थिति में प्रारंभ हुई। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों के द्वारा भगवान श्रीकृष्ण के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया गया। आयोजित बैठक में समाजोत्थान, कृष्ण जन्माष्मी के अवसर पर यदुवंशी शिरोमणि भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव आगामी 16 अगस्त को बनाने सहित अन्य बिन्दुओं पर चर्चा की गई है। साथ ही आगामी समय में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की रूपरेखा भी तैयार की गई है। वहीं बैठक के दौरान एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत यादव समाज मंगल भवन परिसर में उपस्थित पदाधिकारियों के हस्ते विभिन्न प्रजाति के पौधों का रोपण कर उसकी सुरक्षा करने का संकल्प लिया गया। चर्चा में यादव (अहीर) समाज लालबर्रा अध्यक्ष मनोज यादव ने बताया कि अमोली स्थित यादव समाज के मंगल भवन में शुक्रवार को समाज की ब्लाक स्तरीय बैठक आयोजित की गई थी। इस बैठक में

समाजोत्थान सहित अन्य बिन्दुओं पर चर्चा कर आगामी 16 अगस्त को श्री कृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर प्रात: 11 बजे यादव समाज मंगल भवन में यदुवंशी शिरोमणि भगवान श्रीकृष्ण जी के पूजन अर्चन के पश्चात दोपहर 2 बजे से बाईक रैली निकालने एवं यह रैली ग्राम अमोली से रामजीटोला, पांढरवानी, औल्याकन्हार बड़ी पनबिहरी, छोटी पनबिहरी, मानपुर होते हुए अमोली पहुंचकर रैली का समापन करने का निर्णय लिया गया है। श्री यादव ने बताया कि एक पेड़ माँ अभियान के तहत मंगल भवन परिसर में विभिन्न प्रजाति के फलदार एवं छायादार पौधों का रोपण किया गया है और क्षेत्रीयजनों से भी अपील है कि वे अपने-अपने जन्मदिन पर एक-एक पेड़ अवश्य लगाये। जिससे पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा एवं क्षेत्र में हरियाली बनी रहेगी। इस अवसर पर यादव (अहीर) समाज उपाध्यक्ष शोभाराम यादव, अशोक यादव, सहसचिव संतोष यादव, युवा अध्यक्ष कन्हैया यादव, संयोजक गणेश यादव, संगठन मंत्री जितेंद्र यादव, जिला उपाध्यक्ष राकेश यादव, उमेंद्र यादव, अशोक यादव, संदीप यादव सहित अन्य स्वजातीय बंधु उपस्थित रहे।

म.प्र. पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग नवनिर्वाचित सदस्य मौसम बिसेन का नगरागमन आज

प्रेसवर्ता आयोजित कर भाजपाईयों ने दी जानकारी, जगह-जगह किया जायेगा स्वागत एवं सम्मान

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय स्थित विश्राम गृह में शनिवार की शाम 7 बजे भाजपाईयों के द्वारा प्रेसवर्ता आयोजित कर म.प्र. शासन के पूर्व केबिनेट मंत्री गौरीशंकर बिसेन की बेटी मौसम बिसेन को म.प्र. पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग सदस्य मनोनित किया गया है (रा'यमंत्री मंत्री दर्जा प्राप्त है। जिनका लालबर्रा नगरामन 27 जुलाई को प्रात: 10 बजे होने वाला है जिसकी जानकारी दी गई। वहीं म.प्र. पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग का सदस्य मौसम बिसेन के बनने के बाद पहली बार लालबर्रा आगमन होने पर 27 जुलाई को भाजपाईयों के द्वारा कंजई से लेकर बालाघाट तक जगह-जगह भव्य स्वागत एवं सम्मान किया जायेगा। जिसकी तैयारी पूरी कर ली गई है। चर्चा में जनपद उपाध्यक्ष किशोर पालीवाल ने बताया कि मौसम दीदी को म.प्र. पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग का सदस्य मनोनित किया गया है जो की एक राज्य मंत्री का दर्जा प्राप्त पद होता है, जो

हमारे क्षेत्र के लिए गौरव की बात है। उनके द्वारा कुछ दिनों पूर्व ही भोपाल में शपथ ग्रहण किया गया है और म.प्र. पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग सदस्य बनने के बार मौसम दीदी का पहली बार लालबर्रा आगमन हो रहा है, जिनका स्वागत व सम्मान की तैयारी पुरी कर ली गई है और भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं के द्वारा 27 जुलाई को प्रात: 10 बजे कंजई पहुंचकर मौसम दीदी का स्वागत किया जायेगा। जिसके बाद जगह-जगह स्वागत व सम्मान समारोह कार्यक्रम आयोजित किया गया है। साथ ही यह भी बताया कि मौसम दीदी के आयोग का सदस्य बनने से पार्टी के कार्यकर्ताओं में हर्ष व्याप्त है एवं एक नई ऊर्जा मिल रही है और दीदी निश्चित रूप से इस पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग में रहकर हमारे पिछड़ा वर्ग के लोगों का कल्याण करेगी। इस अवसर पर जिला पंचायत सभापति झामसिंह नागेश्वर, जनपद उपाध्यक्ष किशोर पालीवाल, राजेन्द्र परिहार, पांढरवानी उपसरपंच राकेश अग्रवाल, कमलेश चौधरी, संजीव अवधिया, मुस्ताक खान एवं मयंक मात्ने सहित अन्य पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

महाविद्यालय में कारगिल विजय दिवस महोत्सव का हुआ आयोजन

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय स्थित शासकीय महाविद्यालय में उच्च शिक्षा विभाग के निर्देश के परिपालन में स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वाधान में 27 जुलाई को कारगिल विजय दिवस महोत्सव कार्यक्रम संपन्न हुआ। यह कार्यक्रम भारतीय थल सेना कमांडर नीरज ठाकरे के मुख्य आतिथ्य एवं महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. सुरेन्द्रकुमार खण्डायत की अध्यक्षता में प्रारंभ हुआ। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने माँ सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्र%वलित कर माल्यार्पण किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के विद्यार्थी एवं प्राध्यापकों को कारगिल विजय पर डाक्युमेंटी फिल्म दिखायी गई तत्पश्चात वीर शहीदों के प्रति श्रध्दांजलि कार्यक्रम आयोजित कर दो मिनट का मौन धारण कर वीर शहीदों को श्रध्दांजली अर्पित की गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भारतीय थल सेना कमांडर नीरज ठाकरे ने कहा कि कारगिल विजय दिवस हमारी सेना के अदम्य, साहस, वीरता, पराक्रम एवं कुर्बानी के माध्यम से पाकिस्तान पर युध्द में विजय प्राप्त की है। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुरेन्द्रकुमार खण्डायत ने कहा कि भारतीय सेना के पराक्रम और अदभूत प्रदर्शन ने युध्द में पाकिस्तान

के छक्के छुडा दिये। कार्यक्रम का मंच संचालन राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ. प्रदीपकुमार भिमटे एवं आभार प्रदर्शन कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ प्रभारी नरेश सौलखे के द्वारा किया गया। इस अवसर पर डॉ. देवराज चौरे, डॉ. निर्मल कीर्ति गेडाम, श्रीमती संध्या परते, डॉ. ऋषिकेष पटेल, डॉ. क्रांति जैन, डॉ. आशीष बागड़े, डॉ. कामाक्षा बिसेन, संदीप चौरसिया, डॉ. आशा कारे, डॉ. माधुरी पुसे, श्रीमती आरती विश्वकर्मा, पितम मुरते, यादोराव राजुरकर, व्यंकटरमन नगपुरे, श्रीमती सरिता एड़े, रामदयाल मथारे, लकेश गेडाम, श्रीमति वंदना कुर्वे, मिनेश पंचेश्वर, कु. सोनम हरिनखेड़े, प्रषिक हुमनेकर, निशांत तलवरे एवं महाविद्यालय के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

सरकार पार्टी के विचारों पर काम करती है-उदयप्रताप सिंह

पंडित दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा अनावरण समारोह संपन्न

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। नगर के पंडित दीनदयाल उपाध्याय चौक पर नगर पालिका परिषद के तत्वाधान में एकात्म मानववाद के प्रणेता जनसंघ के संस्थापक भाजपा के प्रेरणा स्त्रोत पंडित दीनदयाल उपाध्याय के प्रतिमा अनावरण समारोह का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम स्कूल शिक्षा एवं परिवहन मंत्री जिले के प्रभारी मंत्री उदय प्रताप सिंह के मुख्य अतिथ्य ,नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती सरिता मनोज दांदरे की अध्यक्षता, पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल के विशिष्ट आतिथ्य ,पूर्व मंत्री भाजपा जिला अध्यक्ष रामकिशोर कावरे ,लांजी विधायक राजकुमार कर्राहे ,कटंगी विधायक गौरव सिंह पारधी,पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष सत्यनारायण अग्रवाल,महिला मोर्चा पूर्व जिला अध्यक्ष श्रीमती निर्मला पटले सहित अन्य अतिथियों की उपस्थिति में प्रारंभ किया गया। जिसमें सर्वप्रथम पंडित दीनदयाल उपाध्याय चौक पर अतिथियों के हस्ते भाजपा के प्रेरणा स्त्रोत एकात्मक मानववाद के प्रणेता पंडित दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा का अनावरण पर्दा हटाकर किया गया। तत्पश्चात समस्त अतिथियों के द्वारा आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया जहां उपस्थित लोगों के द्वारा जमकर नारे लगाए गए। तत्पश्चात समस्त अतिथि पैदल ढोल बाजे की थाप पर इंडोर स्टेडियम पहुँचे। जहां पर अतिथियों के द्वारा पंडित दीनदयाल उपाध्याय ,डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी ,भारत माता के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया गया। तत्पश्चात कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपस्थित अतिथियों के द्वारा नगर विकास की बहार जो पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल के द्वारा अपने कार्यकाल में लाई गई थी जो अभी तक चल रही है। उसकी सराहना करते हुए पूर्व नपा अध्यक्ष श्रीमती स्मिता जायसवाल के नेतृत्व में महिला शक्ति की उपस्थिति की प्रसंशा की गयी। साथ ही सरकार के कार्यों योजनाएं एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचारो पर प्रकाश डालकर विस्तार पूर्वक बताया गया। वहीं कार्यक्रम के अंत में सिलकन बाई अमूले एवं काशीनाथ देशपांडे को दो मिनट का मौन धारण कर श्रध्दांजली अर्पित की गई। इस अवसर पर पूर्व नपाध्यक्ष श्रीमती स्मिता जायसवाल ,नगर मंडल अध्यक्ष मंडल संदीप मिश्रा,नगर पालिका उपाध्यक्ष श्रीमती प्रीति संतोष शिव ,पूर्व भाजपा महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष निर्मला पटले, पूर्व जनपद अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा निरंजन बिसेन, पूर्व मंडल अध्यक्ष प्रदीप शरणागत ,पूर्व जनपद अध्यक्ष राकेश बनोटे, शैलेंद्र सेठी ,मदनलाल धार्मिक, श्रीमती रुखमणी बिसेन ,पवन धुर्वे ,श्रीमती मधु जायसवाल ,श्रीमती रितु अलोक खरे,श्रीमती ललीता ठाकरे,धर्मेश जोशी ,प्रवीण डोंगरे ,योगेन्द्र लिमजें ,श्रीमती दीपा रुसिया, श्रीमती डॉली ऐड़े ,आशुतोष कोहाड़ ,मंडल अध्यक्ष मिलिंद नगपुरे ,वेदप्रकाश पटेल सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

दीनदयाल उपाध्याय के विचार अंत्योदय और अंतिम व्यक्ति के विकास के लक्ष्य पर सरकार काम कर रही है-प्रदीप जायसवाल

पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने कहा कि सरकार में योजनाओं के माध्यम से भाजपा की विचारधारा को घर घर तक पहुंचा है। फिर चाहे किसान सम्मान निधि ,लाडली बहना,लाडली लक्ष्मी सहित अनेको योजनाएं हैं जो गरीब परिवारों के लिए बनी है जो उन्हें सशक्त बना रही है। कई महिलाएं जो खेती मजदूरी का काम करती है वह पढ़ी.लिखी है या नहीं है उस हर महिला को पता है कि सरकार किसे बोलते हैं मोदी किसे बोलते हैं। क्योंकि योजनाओं के माध्यम से डायरेक्ट रुपये उनके खाते में जा रहे हैं सरकार उन्हें आर्थिक रूप से संपन्न बनाने का काम कर रही है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचार अंत्योदय और अंतिम व्यक्ति के विकास के लक्ष्य पर सरकार काम कर रही है। नगर पालिका के माध्यम से दीनदयाल चौक पर हमने पंडित दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा का अनावरण किया है इसका उद्देश्य है कि लोग इन्हें जानें इनके व्यक्तित्व को जाने। चेहरा हर किसी का सामान्य होता है परंतु उनका व्यक्तित्व उनकी विचारधारा से पता चलता है। उनकी विचारधारा अंतिम व्यक्ति को लाभ पहुंचाने की है।

देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारत को विश्व गुरु बनाने जा रहे है-उदयप्रताप सिंह

प्रभारी मंत्री उदय प्रताप सिंह ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा अनावरण करके ऐसा लगा कि जीवन का यह संकल्प रहा होगा। हम सभी को दल की एकजुटता बनाकर विचारो को आगे बढ़ाने की जरूरत है तभी पंडित दीनदयाल उपाध्याय, पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ,लालकृष्ण आडवाणी की जो कल्पना थी। जिसे साकार करने हम काम कर रहे हैं कल्पना को पूरा करने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारत को विश्व गुरु बनाने जा रहे हैं। हर कार्यकर्ता पार्टी के विचारो को आगे रखती है क्योंकि सरकार पार्टी के विचारों पर काम करती है। पंडित जी की अंत्योदय की कल्पना को सरकार आज पूरा कर रही है, विभिन्न योजनाओं से अंतिम छोर के व्यक्ति को मुख्य धारा से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। मैंने देखा वारासिवनी विधानसभा में पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल के द्वारा अपने कार्यकाल में अच्छे काम किए गए हैं। इतने काम लाये हैं कि वह आज भी चल रहे हैं इसके लिए इन्हें बधाई और यह प्रतिमा का अनावरण उनके संकल्प को बताता है। पूर्व मंत्री श्री जायसवाल ने बहुत विकास किया है और आगे हमारी जहां भी जरूरत पड़ेगी इनके नेतृत्व में हम कोई कसर नहीं छोड़ेंगे।

प्रदीप जायसवाल के नेतृत्व में लगातार शहर का विकास कार्य कर रहे है-सरिता दांदरे

नपाध्यक्ष श्रीमती सरिता मनोज दांदरे ने कहा कि हमारे नेता प्रदीप जायसवाल के नेतृत्व में हम लगातार शहर का विकास करते जा रहे हैं। हर क्षेत्र में हम काम कर रहे हैं लंबे समय से पंडित दीनदयाल उपाध्याय चौक केवल नाम पर था जहां हमारे नेता प्रदीप जायसवाल के संकल्प के माध्यम से पंडित दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा का अनावरण किया गया है। भाजपा के हर कार्यकर्ताओं को पंडित जी के विचारों को आत्मसात करना चाहिए हमारे इस कार्यक्रम में सभी अतिथि उपस्थित हुए। सभी का हम आभार व्यक्त करते हैं कि उन्होंने अमूल्य समय हमें दिया।

देश और प्रदेश के बेहतर भविष्य के लिए शिल्पकार हमारे शिक्षक है-स्कुल शिक्षा मंत्री

खापा में नवीन स्कूल भवन और आंगनवाड़ी केंद्रों का हुआ लोकार्पण

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत खापा में विसाग बायो

फ्यूल प्रा.लि. द्वारा शासकीय माध्यमिक शाला और प्राथमिक शाला गोंडीटोला सहित तीन आंगनवाड़ी केंद्रों का प्रदेश के केबिनेट शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह के हस्ते लोकार्पण किया गया। जिसके पश्चात उन्होंने खापा ऐथेनाल प्लांट में वृहद पौधरोपण भी किया। वही मंत्री उदय प्रताप सिंह ने कहा की ग्रामीण क्षेत्रो के बच्चों को पढ़ाई के लिए दूर ना जाने पड़े इसके लिए प्रदेश की वर्तमान सरकार प्रयासरत है। इसी को ध्यान में रखते हुए प्रदेश सरकार ने अकेले शिक्षा विभाग को करोड़ो रूपये का बजट उपलब्ध करवाया है। देश और प्रदेश के बेहतर भविष्य के लिए शिल्पकार हमारे शिक्षक है बच्चों की शिक्षा के लिए बनाया गया यह भवन बहुत ही सुंदर है। नवीन स्कूल भवन का निर्माण होने से विद्यार्थियों को एक स्थिर और उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा मिल रही है । यह बनाया गया नवीन स्कूली भवन विद्यार्थियों के आगे की पढ़ाई के लिए अहम भूमिका निभाएगा। इस दौरान जिला अध्यक्ष रामकिशोर कावरे,विधायक विवेक विक्की पटेल,विधायक गौरव पारधी,पूर्व विधायक प्रदीप जयसवाल, जिला पंचायत सदस्य लोहमर्ष बिसेन, कलेक्टर मृणाल मीना,एसपी आदित्य मिश्रा सहित अन्य जनप्रतिनिधि और अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे।

विशालकाय वृक्ष धराशाही 11 केव्ही लाइन हुई क्षतिग्रस्त

मकान पर गिरने से बचा बड़ा हादसा टला

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। नगर के लालबर्रा रोड़ स्थित वार्ड नंबर ६ रामदेव परिसर में २६ जुलाई की दोपहर में विशालकाय वृक्ष को काटकर धराशाही कर दिया गया। इस घटना में ११ केव्ही लाइन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई तो वहीं मकान पर वृक्ष गिरने से बचा और बड़ा हादसा टल गया। यह घटना देख वार्डवासी स्तब्ध रह गए जिनके द्वारा मामले में प्रशासन से कार्यवाही करने की मांग की गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार रामदेव परिसर से लगा एक खाली प्लाट है जहां पर सावर का विशालकाय वृक्ष लगा हुआ था। जिसे नगर के वार्ड नंबर २ निवासी दिलीप पटले के द्वारा खरीदा जाना बताया गया जिसे मजदूरों के माध्यम से शनिवार की दोपहर करीब २ बजे कटवाया गया। जिससे वह विशालकाय वृक्ष भरभरा कर रामदेव परिसर स्थित जय आहूजा के मकान के ऊपर गिर गया। जिससे परिसर की बाउंड्रीवॉल भी क्षतिग्रस्त हो गई तो वहीं मकान के पास से गई ११ केव्ही विद्युत लाइन का तार भी टूट गया। इस दौरान यह अच्छा रहा की पूरा मार्ग सुनसान था जिससे चालू लाइन का तार गिरने से कोई दुर्घटना ग्रस्त नहीं हुआ। घटना की तत्काल सूचना वार्ड वासियों के द्वारा १०० डायल एवं विद्युत विभाग को की गई है। यदि इस दौरान विद्युत लाइन का तार की चपेट में कोई आ जाता तो बड़ी दुर्घटना घटित हो सकती थी। मामले में वार्ड वासियों के द्वारा संबंधित व्यक्तियों पर कार्यवाही करने की मांग की गई है।

अवैध रूप से वृक्षों की कटाई की जा रही थी जिसमें एक विशाल वृक्ष हमारे घर के ऊपर गिरा-जयकुमार आहुजा

जय कुमार आहुजा ने बताया कि मैं वार्ड नंबर ६ रामदेव परिसर का रहने वाला हूं मेरे घर के सामने एक बड़ा खाली प्लाट है। जहां पर कुछ लोगों के द्वारा अवैध रूप से वृक्षों की कटाई की जा रही थी जिसमें एक विशाल वृक्ष हमारे घर के ऊपर गिरा। जो पहले घर के पास से गई ११ केव्ही विद्युत लाईन पर गिरा जिसका एक वायर टूट गया और फि र हमारे घर के ऊपर गिरा। जिससे मकान की दीवार में क्रेक आ गई तो वहीं ऐसी का बाहर रखा पंखा क्षतिग्रस्त हो गया है उक्त स्थान पर बच्चे खेलते रहते हैं। जो खेल रहे थे तभी वह इधर.उधर हुए और यह हादसा हो गया। इसके बाद हमने १०० डायल को सूचना दी जिनके द्वारा मौके पर आवश्यक कार्यवाही की गई है। यह वृक्ष की कटाई नगर के किसी व्यक्ति के द्वारा किया जा रहा है ऐसी सूचना है स्पष्ट जानकारी हमें अभी है नहीं मामले में विधिवत शिकायत की जाएगी।

अज्ञात व्यक्ति के द्वारा सावर का पेड़ काट दिया जिससे ११ केव्ही विद्युत लाइन का तार टूट गया-देवनलाल गौतम

सहायक लाइन देवनलाल गौतम ने बताया कि रामदेव परिसर के पास में अज्ञात व्यक्ति के द्वारा सावर का पेड़ काट दिया गया है। जिससे ११ केव्ही विद्युत लाइन का तार टूट गया था विद्युत कार्य बाधित होने से लोग परेशान थे। इसकी सूचना मिलते ही हम मौके पर पहुंचे तो लाइन चालू थी जिसे बंद करवाया गया और सुधार कार्य चालू कर दिया गया है। वार्ड नंबर २ दिलीप पटले के द्वारा यह कटाई कार्य करवाया जाना काम कर रहे लोगों ने बताया है कि उन्होंने पेड़ खरीदे हैं। १०० डायल ने पंचनामा बनाया है हमने भी कार्य चालू कर दिया है।

स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन अन्तर्गत कारगिल विजय सप्ताह का हुआ आयोजन

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। शासकीय एसएसपी महाविद्यालय के इंदिरा कक्ष में प्रभारी प्राचार्य डॉ. एस एस गेड़ाम के निर्देशन एवं स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के

प्रभारी नरेन्द्र कुमार डोंगरे एवं संयोजक डॉ. इमरान खान के नेतृत्व में स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के द्वारा कारगिल विजय सप्ताह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पंकज वाहने, डॉ. सजाद मीर, डॉ. दीपक कार्तिकेय, डॉ. मनोज गजभिये, डॉ. विनोद गजभिये, पराग पालेवार उपस्थित रहे। जिसके अंतर्गत निबंध लेखन, पोस्टर प्रतियोगिता, पेन्टींग प्रतियोगितायें आयोजित की गयी। जिसमें निम्न विद्यार्थियों ने भाग लिया। जिसमें आकांक्षा दमाहे, निकिता मेश्राम, जागृति बिसेन, शीताल मड़ावी, आफसा खान, मुस्कान कुमरे, रक्षा सुरे, दिक्षा बिसेन, सैवरी खान, महक अंजुम, अदिति मण्डारी, महक वाडीवा, साक्षी पटले, शिखा मेश्राम, यामिनि सहारे, पायल पटले, विदिशा डहाके,आशु रहांगडाले शामिल रहे। प्रतिभागियों द्वारा आयोजित प्रतियोगिता में भारतीय सेना के शौर्य तथा पराक्रम पर आधारित निबंध लिखे तथा सैनिक जिवन का महत्व पर पेंटींग एवं पोस्टर बनाये गये।

मैंगनीज ले जा रहा ट्रक अनियंत्रित होकर खेत में पलटा

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। रामपायली पुलिस थाना अंतर्गत ग्राम पंचायत भजियादंड से डोंगरिया मार्ग की टर्निंग पर २६ जुलाई की प्रात: करीब ४ बजे अनियंत्रित होकर मैंगनीज से भरा ट्रक पलट गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार तिरोड़ी की मैंगनीज खदान से ट्रक भर

कर महाराष्ट्र चंद्रपुर के लिए रवाना किया गया था। जो भजियादंड ग्राम से डोंगरिया मार्ग होते हुए आ रहा था तभी अचानक प्रात: करीब ४ बजे टीकाराम बमनोटे के रोड़ किनारे स्थित खेत में मैंगनीज से भरा ट्रक अचानक पलट गया। यह घटना की जानकारी लगते ही लोगों की मौके पर भीड़ लग गई जहां प्रारंभ में पहुंचे लोगों के द्वारा ट्रक में सवार ड्राइवर व अन्य को बाहर निकल गया। इस घटना में किसान को नुकसान होने की बात कहीं जा रही है।

स्कूल शिक्षा मंत्री का सांदीपनि विद्यालय के शिक्षको ने किया अभिनंदन

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। सांदीपनि विद्यलाय के प्राचार्य हुमराज पटले ने बताया कि प्रदेश के परिवहन एवं स्कूल शिक्षा विभाग मंत्री उदयप्रताप सिंह का बालाघाट जिले में शनिवार को प्रवास के दौरान बालाघाट से वारासिवनी आते समय सांदीपनि विद्यालय वारासिवनी के प्राचार्य एवं स्टाफ के द्वारा सांदीपनि विद्यालय के सामने पुष्प गुच्छ देकर

अभिवांदन किया गया। इस अल्प मुलाकात के दौरान संस्था के प्राचार्य के द्वारा नवनिर्मित भवन, स्टाफ सदस्य, विद्यार्थियों के नामांकन से मंत्री उदयप्रताप सिंह को अवगत कराया। तथा शिक्षा मंत्री ने प्राचार्य तथा स्टाफ सदस्य को आस्वश्त कराया की आपके विद्यालय का भ्रमण अवश्य किया जायेगा। संस्था प्राचार्य द्वारा एक संस्था की पोर्टफोलियों फाईल शिक्षा मंत्री को प्रदान की गई। जिसमें विद्यालय से संबंधित जानकारी एवं गतिविधियाँ थी। इस दौरान लखन रिनायत, श्रीमती वंदना शर्मा, डेलेन्द्र मेश्राम , कमल टेंभरे ,अमित डोंगरे सहित अन्य शिक्षक शिक्षिकायें मौजूद रहे।

कलार समाज का मेधावी छात्र छात्राओं का सम्मान समारोह आज

खैरलांजी/वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। कलार समाज के मेधावी छात्र छात्राओं का सम्मान समारोह एवं कैरियर गाइडेंस कार्यक्रम का आयोजन रविवार की दोपहर १२ बजे भव्य मैरिज लॉन तिरोड़ा रोड़ खैरलांजी में किया गया है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व केबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल, नरेंद्र धुवारे,महादेव राव भंडारकर,मुकेश जोशी,फेकनलाल डोहरे की मौजूदगी में किया जायेगा। जिसमें दोपहर १२ बजे भगवान सहस्त्रबाहु का पूजन अर्चन आरती,दोपहर १२.३० बजे से अतिथि का स्वागत सत्कार,दोपहर दोपहर १ बजे से विषय विशेषज्ञों द्वारा मार्गदर्शन तत्पश्चात मेधावी छात्र छात्राओं का सत्कार,दोपहर २.३० बजे वरिष्ठ समाजसेवियों का सम्मान,दोपहर ३.३० भोजन के पश्चात कार्यक्रम का समापन होंगा। कार्यक्रम में अधिकाधिक संख्या में उपस्थिति की अपील कलार समाज खैरलांजी द्वारा की गई है।

डॉ एपीजे अब्दुल कलाम के भारत के मिसाइल रत्न हैं

डॉ कलाम साहब को मिसाइल मैन के नाम से भी जाना जाता था। वे भारत के भारतीय गणतंत्र के ग्यारहवें निर्वाचित राष्ट्रपति थे। डॉ अब्दुल कलाम को पीपल्स प्रेजिंडेट भी कहा जाता था उनका मानना था कि श्इंतजार करने वालों को सिर्फ उतना ही मिलता है, जितना कोशिश करने वाले छोड़ देते हैं। ऐसे प्रेरणादायी शब्द से छात्रों को संबोधित करते रहते थे। एक साधारण परिवार में 15 अक्टूबर 1931 को धनुषकोडी गाँव (रामेश्वरम, तमिलनाडु) में एक मध्यमवर्ग मुस्लिम परिवार में इनका जन्म हुआ। अपनी मेहनत और बुद्धिमता से ना सिर्फ विज्ञान के क्षेत्र में प्रसिद्धि हासिल की और भारत के राष्ट्रपति पद तक का सफर तय किया बल्कि ये भी साबित किया कि अगर कोई इंसान ठान ले तो कुछ भी असंभव नहीं है। 1963 में कलाम भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संस्थान, इसरो से जुड़े और यहां भी भारत की ताकत को बढ़ाने में अपना योगदान दिया। सैटेलाइट लॉन्च वेहिकल यानी स्ट के प्रॉजेक्ट मिशन से जुड़े। अब्दुल कलाम को मिसाइल मैन के नाम से जाना जाता है उन्होंने अपनी मेहनत और क्षमता के दम पर भारत को वो शक्ति दी जिससे भारत अपनी धाक दुनिया के सामने जमा सका। 1982 में कलाम रक्षा अनुसंधान विकास संगठन, क्ष्क्क् से जुड़े और उनके नेतृत्व में ही भारत ने नाग, पृथ्वी, आकाश, त्रिशूल और अग्नि जैसे मिसाइल विकसित किए। इन्होंने भारत रत्न, भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मान सहित कई प्रतिष्ठित पुरस्कार प्राप्त किये। उनके भाषणों में कम से कम एक कुरल का उल्लेख अवश्य रहता था। राजनीतिक स्तर पर कलाम की चाहत थी कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत की भूमिका विस्तार हो और भारत ज्यादा से ज्याद महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाये। भारत को महाशक्ति बनने की दिशा में कदम बढाते देखना उनकी दिली चाहत थी। उन्होंने कई प्रेरणास्पद पुस्तकों की भी रचना की थी और वे तकनीक को भारत के जनसाधारण तक पहुँचाने की हमेशा वकालत करते रहे थी। बच्चों और युवाओं के बीच डाक्टर कलाम अत्यधिक लोकप्रिय थे। वह भारतीय अन्तरिक्ष विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान के कुलपति भी थे ष्ट्रपति पद से सेवामुक्त होने के बाद डॉ कलाम शिक्षण, लेखन, मार्गदर्शन और शोध जैसे कार्यों में व्यस्त रहे और भारतीय प्रबंधन संस्थान, शिल्लोंग, भारतीय प्रबंधन संस्थान, अहमदाबाद, भारतीय प्रबंधन संस्थान, इंदौर, जैसे संस्थानों से विजिटिंग प्रोफेसर के तौर पर जुड़े रहे। इसके अलावा वह भारतीय विज्ञान संस्थान बैंगलोर के फेलो, इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ स्पेस साइंस एंड टेक्नोलॉजी, थिरुवनन्थपुरम, के चांसलर, अन्ना यूनिवर्सिटी, चेन्नई, में एयरोस्पेस इंजीनियरिंग के प्रोफेसर भी रहे।उन्होंने आई। आई। आई। टी। हैदराबाद, बनारस हिन्दू यूनिवर्सिटी और अन्ना यूनिवर्सिटी में सूचना प्रौद्योगिकी भी पढाया था।कलाम हमेशा से देश के युवाओं और उनके भविष्य को बेहतर बनाने के बारे में बातें करते थे। इसी सम्बन्ध में उन्होंने देश के युवाओं के लिए व्हाट कैन आई गिव' पहल की शुरुआत भी की जिसका उद्देश्य भ्रष्टाचार का सफाया है। देश के युवाओं में उनकी लोकप्रियता को देखते हुए उन्हें 2 बार (2003 – 2004) 'एम।टी।वी। यूथ आइकॉन ऑफ द इयर अवार्ड' के लिए मनोनित भी किया गया था।वर्ष 2011 में प्रदर्शित हुई हिंदी फिल्म 'आई एम कलाम' उनके जीवन से प्रभावित है। डॉ एपीजे अब्दुल कलाम ने विंग्स ऑफ फायर, इग्नाइटेड माइंड्स, इंडिया 2020 जैसी कई मशहूर और प्रेरणा देने वाली किताबें लिखी हैं। जो खासकर छात्रों को प्रेरित करती रही।इन्होंने 1974 में भारत द्वारा पहले मूल परमाणु परीक्षण के बाद से दूसरी बार 1998 में भारत के पोखरान–द्वितीय परमाणु परीक्षण में एक निर्णायक, संगठनात्मक, तकनीकी और राजनैतिक भूमिका निभाई।! सपने वो नहीं होते जो रात को सोने समय नींद में आये, सपनें वो होते हैं जो रातों में सोने नहीं देतेश। ऐसे दमदार विचार रखने वाले भारत के पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम अब इस दुनिया में नहीं रहे। किये।27 जुलाई 2015 की शाम डॉ अब्दुल कलाम भारतीय प्रबंधन संस्थान शिलोंग में श्रहने योग्य ग्रहश् पर एक व्याख्यान दे रहे थे जब उन्हें जोरदार कार्डियक अरेस्ट (दिल का दौरा) हुआ और ये बेहोश हो कर गिर पड़े।

भारत-ब्रिटेन व्यापार समझौताः एक क्रांतिकारी कदम

भारत और ब्रिटेन के बीच ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) की अंतिम स्वीकृति ने न केवल वैश्विक व्यापार जगत में हलचल मचा दी है, बल्कि भारत के आर्थिक भविष्य को भी एक नई दिशा दी है। दोनों देशों के बीच आखिरकार फ्री ट्रेड एग्रीमेंट होने का फायदा दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाओं को मिलेगा। पिछले कुछ वर्षों में जिस तरह से संरक्षणवाद बड़ा है, उसमें ऐसे व्यापार समझौतों की भूमिका और भी अहम हो जाती है। इस समझौते से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने न केवल अमेरिका बल्कि अन्य देशों को भी भारत की मजबूत होती स्थिति का आइना दिखाया है, जो उनकी दूरगामी एवं कूटनीतिज्ञ राजनीति का द्योतक है। इस समझौते को मौजूदा दौर में दुनियाभर में जारी बहुस्तरीय तनाव, दबाव एवं दादागिरी की राजनीति के बीच एक बेहतर एवं सूझबूझभरी कूटनीतिक कामयाबी के तौर पर देखा जा सकता है। यह छिपा नहीं है कि अमेरिका के राष्ट्रपति ने शुल्क के मोर्चे पर एक बड़ा द्वंद्व एवं संकट खड़ा कर दिया था। लेकिन भारत ने इस द्वंद्व के बीच झूकने की बजाय नये रास्ते खोजे हैं। निश्चित ही यह व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौता (सीईटीए) महज एक कागजी करार नहीं, बल्कि 'विकसित भारत 2047' के स्वप्न को मूर्त रूप देने की ठोस रणनीति है। जहां एक ओर यह समझौता 99 प्रतिशत टैरिफ को समाप्त कर वस्त्र, चमड़ा, समुद्री उत्पाद, कृषि व रत्न–आभूषण जैसे श्रम–प्रधान क्षेत्रों को नई उड़ान देगा, वहीं दूसरी ओर छोटे उद्यमों, मछुआरों और किसानों को वैश्विक मंच पर पहचान दिलाएगा। भारत के ग्रामीण अंचलों से हल्दी, दाल, अचार जैसे उत्पाद अब ब्रिटिश बाजारों में अपनी महक फैलाएंगे। मोदी सरकार ने पिछले एक दशक में जिस प्रकार से गुणवत्ता, प्रतिस्पर्धा और पारदर्शिता पर जोर दिया, उसी का परिणाम है यह करार। इससे यह भी सिद्ध हुआ कि अब भारत केवल बाजार नहीं, बल्कि एक निर्णायक शक्ति बन चुका है, जो अपने हितों की रक्षा करते हुए विश्व से संवाद करता है। यह समझौता सिर्फ व्यापार तक सीमित नहीं है, यह सेवा क्षेत्र, शिक्षा, वित्तीय सेवाएं, निवेश, सामाजिक सुरक्षा, और दोहरे कराधान जैसे क्षेत्रों में भी भारतीयों के लिए नए दरवाजे खोलता है। खासकर ब्रिटेन में काम कर रहे भारतीय पेशेवरों के लिए यह राहत का संदेश है, जिन्हें सामाजिक सुरक्षा अंशदान से छूट मिल सकेगी। यह समझौता इसलिये भी महत्वपूर्ण है कि अब तक अमेरिका की ओर से पैदा किये गये किसी दबाव के आगे भारत ने झुकना स्वीकार नहीं किया और उसने भारत–ब्रिटेन जैसे नये विकल्पों को खड़ा करने और पुराने को मजबूत करने की दिशा में कदम बड़ाये हैं। ब्रिटेन के साथ यह एफटीए एक उदाहरण है कि कैसे भारत न्यायसंगत और समावेशी व्यापार समझौते कर सकता है, जिसमें न तो अपने किसानों, न ही डेयरी क्षेत्र या छोटे उत्पादकों को नुकसान होता है। भारत ने संवेदनशील क्षेत्रों को समझौते से बाहर रखकर आत्मनिर्भरता और खाद्य सुरक्षा की अपनी नीति को बरकरार रखा है। वर्तमान में भारत का वैश्विक व्यापार लगभग 21 अरब डॉलर है, जो इस समझौते के बाद 2030 तक 120 अरब डॉलर तक पहुँचने की संभावना रखता है। यह न केवल विदेशी निवेश को आकर्षित करेगा, बल्कि भारत की मैन्युफैक्करिंग हिस्सेदारी को 17 प्रतिशत से 25 प्रतिशत तक बढ़ाने में सहायक होगा। इस करार के साथ, मोदी सरकार ने साबित कर दिया है कि जब नियोजित दृष्टिकोण, वैश्विक प्रतिष्ठा और साहसिक निर्णय साथ चलते हैं, तो भारत जैसे विकासशील देश भी वैश्विक मंच पर निर्णायक बन सकते हैं। भारत और ब्रिटेन के बीच सीईटीए के अस्तित्व में आने से एक नये आर्थिक सूर्य का उदय हुआ है, जिससे रोजगार सहित अनेक उन्नत राष्ट्र–निर्माण के अवसर सृजित होंगे। सीईटीए की संकल्पना आस्ट्रेलिया, संयुक्त अरब अमीरात और कुछ अन्य देशों के साथ हुए मुक्त व्यापार समझौतों के अनुरूप ही है। यह मोदी सरकार की भारत को 2047 तक विकसित बनाने की संकल्पना से जुड़ी रणनीति का एक हिस्सा है। मोदी सरकार ने भारत को तीसरी बड़ी अर्थ–व्यवस्था बनाने के अपने संकल्प में नये पंखों को जोड़ते हुए भारतीय अर्थव्यवस्था में वैश्विक विश्वास को फिर से स्थापित करने तथा इसे भारतीय और विदेशी निवेशकों के लिए आकर्षक बनाने के लिए एक दृढ़ रणनीति अपनाई है। विकसित देशों के साथ एफटीए इस रणनीति के केंद्र में है। ऐसे समझौते व्यापार नीतियों से जुड़ी अनिश्चितताओं को दूर करके निवेशकों का विश्वास बढ़ाते हैं। पिछली यूपीए सरकार ने भारत के व्यापारिक दरवाजे प्रतिद्वंद्वी देशों के लिए खोलकर भारतीय व्यवसायों को खतरे में डालने वाला रवैया अपनाया था, लेकिन अतीत की उन बड़ी भूलों को सुधारा जा रहा है, जो नये भारत–विकसित भारत का आधार है। मोदी के मेड इन इंडिया संकल्प की दृष्टि से यह डील बेहद अहम है। इससे करीब 99 प्रतिशत निर्यात यानी यहां से ब्रिटेन जाने वाली चीजों पर टैरिफ से राहत मिलेगी। इसी तरह ब्रिटेन से आनी वाली चीजें भारत में सस्ती मिल सकेंगी। जिससे आम लोगों को अधिक गुणवत्ता वाला सामान सस्ते में सुलभ होगा और जीवनस्तर में व्यापक सुधार होगा। डील से एक बड़ा फायदा होगा टेक्सटाइल्स, लेदर और इलेक्ट्रॉनिक्स को। इनसे मैन्युफैक्करिंग को ब?ावा मिलेगा। अभी ग्लोबल मैन्युफैक्करिंग में भारत की हिस्सेदारी केवल 2.8 प्रतिशत है, जबकि चीन की 28.8 प्रतिशत। इसी तरह, देश की जीडीपी में मैन्युफैक्करिंग का योगदान 17 प्रतिशत है और सरकार इसे 25 प्रतिशत तक बढ़ाना चाहती है। इस तरह की डील से राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय, दोनों स्तर पर प्रदर्शन में सुधार होगा। कृषि सेक्टर को भी उन्नत बनाने एवं अधिक उत्पाद की दृष्टि से व्यापक फायदा होगा। इसके लिए इस समय भारत की बातचीत अमेरिका से भी चल रही है। लेकिन वहां कृषि और डेयरी प्रॉडक्ट्स को लेकर रस्साकशी है। अमेरिका इन दोनों क्षेत्रों में खुली छूट चाहता है, जबकि अपने लोगों के हितों को देखते हुए भारत ऐसा नहीं कर सकता। ब्रिटेन के साथ मुक्त व्यापार होने से भारत के कृषि उद्योग को बढावा मिलेगा। क्रांतिकारी सुधारों, नवाचार, तकनीक, कारोबारी सुगमता और प्रधानमंत्री के वैश्विक व्यक्तित्व ने भारत को एक आर्थिक सूरज के रूप में उभारने में मदद की है, जहां विपुल संभावनाएं हैं। आज दुनिया भारत की ओर आशाभरी नजरों से देख रही है और भारत की अद्भुत विकासगाथा का हिस्सा बनना चाहती है। प्रमुख देशों द्वारा एक के बाद एक एफटीए इसी मान्यता की पुष्टि करते हैं। ब्रिटेन के साथ यह व्यापार समझौता बाजार पहुंच और प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त दिलाएगा। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत के एफटीए वस्तुओं और सेवाओं से कहीं आगे तक सांस्कृतिक आदान–प्रदान एवं नागरिक हितों तक जाते हैं। आस्ट्रेलियाई एफटीए के साथ भारत ने दोहरे कराधान का मुद्दा सुलझाया, जो आईटी कंपनियों की परेशानी बड़ा रहा था। ब्रिटेन के साथ समझौते का एक अहम बिंदु दोहरे अंशदान से जुड़ा है। यह ब्रिटेन में नियोक्ताओं, अस्थायी भारतीय कर्मियों को तीन वर्षों के लिए सामाजिक सुरक्षा अंशदान से छूट देता है। इससे भारतीय सेवा प्रदाताओं की प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी। ब्रिटेन में रहने वाले भारतीयों को अब अनेक सुविधाएं मिलेगी। साल 2014 के बाद से भारत ने मॉरिशस, यूएई, ऑस्ट्रेलिया और ईएफटीए के साथ फ्री व्यापारिक समझौते किये हैं। ईएफटीए का अर्थ है यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ। यह एक क्षेत्रीय व्यापार संगठन और मुक्त व्यापार क्षेत्र है जिसमें चार यूरोपीय देश शामिल हैं- आइसलैंड, लिकटेंस्टीन, नॉर्वे और स्विट्जरलैंड। यूरोप से बातचीत जारी है, जिसे जल्द से जल्द अंजाम तक पहुंचाया जाना चाहिए। अर्थ–व्यवस्था के मोर्चे पर आने वाली चुनौतियों से निपटने में ऐसे समझौते सहायक होंगे।

इस बीच, अगर भारत की अमेरिका के साथ अच्छी व्यापार डील होती है तो उससे भी विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने की ओर कदम बढ़ंगे। लेकिन ब्रिटेन से समझौता केवल व्यापार नहीं, भविष्य का निर्माण है। यह कृषि को समृद्धि, उद्योग को विस्तार, युवाओं को अवसर, और भारत को एक विकसित राष्ट्र बनने की ओर सशक्त करता है। निश्चित ही जहां बाजार बनते हैं अवसरों के, वहीं नीति बनती है भविष्य की नींव। भारत और ब्रिटेन के इस करार से विश्व सुनेगा अब भारत की गूंज!

-ललित गर्ग

भारत एवं यूके के बीच मुक्त व्यापार समझौते से बढ़ेगा विदेशी व्यापार

द्विपक्षीय मुक्त व्यापार समझौता भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं यूके के प्रधानमंत्री श्री कीर स्टारमर की उपस्थिति में सम्पन्न हो गया। यूके के यूरोपीयन यूनियन से अलग होने के बाद यूके का भारत के साथ यह द्विपक्षीय मुक्त व्यापार समझौता यूके के इतिहास में सबसे बड़ा द्विपक्षीय मुक्त व्यापार समझौता कहा जा रहा है। इस द्विपक्षीय मुक्त व्यापार समझौते के सम्पन्न होने के बाद भारत एवं यूके के बीच विदेशी व्यापार में अतुलनीय वृद्धि की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। यूके ने हाल ही में अमेरिका के साथ भी एक व्यापार समझौता सम्पन्न किया है परंतु यूके के प्रधानमंत्री भारत के साथ संपन्न किए गए द्विपक्षीय मुक्त व्यापार समझौते को उससे भी बड़ी डील बता रहे हैं। अमेरिका एक ओर जहां विभिन्न देशों के साथ टैरिफ युद्ध की घोषणा कर रहा है एवं अन्य देशों से अमेरिका को होने वाले निर्यात पर भारी भरकम टैरिफ लगा रहा हैं वहीं भारत एवं यूके के बीच द्विपक्षीय मुक्त व्यापार समझौते के अंतर्गत टैरिफ की दरों को कम किया जाकर शून्य के स्तर पर लाने के प्रयास किए जा रहे हैं। अत: यह द्विपक्षीय मुक्त व्यापार समझौता विश्व के अन्य देशों के लिए एक बहुत बड़ी सीख है।

द्विपक्षीय मुक्त व्यापार समझौते के अंतर्गत सामान्यत: दो देशों के बीच होने वाले विदेशी व्यापार पर टैरिफ की दरों को कम किया जाता है अथवा शून्य के स्तर तक लाया जाता है ताकि इन दोनों देशों के बीच विदेशी व्यापार को बढ़ावा दिया जा सके। इसी सिद्धांत के अंतर्गत भारत को जिन क्षेत्रों में लाभ हो सकता है, इनमें फुटवीयर उद्योग, लेदर उद्योग, टेक्स्टायल उद्योग, इंजीनीयरिंग उद्योग एवं जेम्स एवं ज्वेलरी उद्योग शामिल हैं। इसी प्रकार यूके को जिन क्षेत्रों में लाभ हो सकता है, इनमे विस्की, कार, चोकलेट, बिस्किट, कासमेटिक, आदि उत्पाद निर्मित करने वाले उद्योग शामिल हैं। साथ ही, यूके को उम्मीद है कि भारत एवं यूके के बीच सम्पन्न हुए इस द्विपक्षीय मुक्त व्यापार समझौते से 800 करोड़ अमेरिकी डॉलर का निवेश भारतीय कम्पनियों द्वारा यूके में किया जा सकता है। यह यूके के लिए बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे यूके में रोजगार के नए अवसर निर्मित होंगे।

वर्तमान में भारत एवं यूके के बीच 56,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर का विदेशी व्यापार प्रतिवर्ष होता है। उक्त द्विपक्षीय मुक्त व्यापार समझौते के सम्पन्न होने के बाद भारत एवं यूके के बीच 34,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर प्रतिवर्ष का विदेशी व्यापार बढ़ सकता है। वर्ष 2030 तक भारत एवं यूके के बीच विदेशी व्यापार को 120,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर प्रतिवर्ष के स्तर तक ले जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके बाद वर्ष 2040 तक दोनों देशों के बीच विदेशी व्यापार को 160,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर तक ले जाया जा सकेगा। भारत से यूके को निर्यात होने वाले

लगभग 99 प्रतिशत पदार्थों पर यूके द्वारा टैरिफ की दर को शून्य किया जा रहा है। इसी प्रकार, भारत द्वारा भी यूके से आयात किए जाने वाले 64 प्रतिशत पदार्थों पर टैरिफ की दर को शून्य किया जा रहा है। वर्तमान में भारत में यूके से आयात होने वाले पदार्थों पर औसत टैरिफ दर 15 प्रतिशत है, इसे घटाकर 3 प्रतिशत किया जा रहा है। दोनों देशों द्वारा एक दूसरे से विभिन्न पदार्थों के होने वाले विदेशी व्यापार पर टैरिफ की दरें कम करने से दोनों देशों में एक दूसरे से आयात किया जाने वाले उत्पाद सस्ते हों जाएंगे। उत्पाद सस्ते होने से उनकी बाजार में मांग बढ़ेगी, इन उत्पादों की मांग बढ़ने से उनका उत्पादन बढ़ेगा जो अंतत: रोजगार के नए अवसर निर्मित करेगा। अत: इस द्विपक्षीय मुक्त व्यापार समझौते से दोनों देशों को ही लाभ होने जा रहा है।

भारत के जेम्स एवं ज्वेलरी उद्योग से प्रतिवर्ष यूके को होने वाले निर्यात, आगामी दो वर्षों में दुगने होकर 250 करोड़ अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। टेक्स्टायल उद्योग के मामले में भारत के उत्पादों को वियतनाम एवं बांग्लादेश के साथ गला काट प्रतियोगिता का सामना करना पढ़ता है। परंतु, अब भारत के उत्पादों पर टैरिफ की दरें कम अथवा शून्य होने से भारत के उत्पाद यूके में प्रतिस्पर्धी बन जाएंगे। यूके में कुल आयात होने वाले गारमेंट्स में भारत की हिस्सेदारी केवल 6 प्रतिशत है जो अब आगामी वर्षों में दुगनी होकर 12 प्रतिशत होने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। भारत के इंजीनीयरिंग उद्योग को इस मुक्त व्यापार समझौते से अत्यधिक लाभ हो सकता है और भारत के इस क्षेत्र से यूके को निर्यात, वर्ष 2030 तक दुगने होकर 750 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर तक पहुंच जाने की सम्भावना है। समुद्रीय खाद्य उत्पाद के क्षेत्र में भी भारत से यूके को निर्यात जो अभी केवल 10 करोड़ अमेरिकी डॉलर के हैं, दुगने होकर 20 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर को पार कर सकते हैं। अभी यूके में समुद्रीय खाद्य पदार्थों के कुल आयात में भारत की हिस्सेदारी केवल 3 प्रतिशत की है। लेदर उद्योग से होने वाले भारत से आयात पर भी टैरिफ की दर को यूके में शून्य किया जा रहा है। यहां ध्यान देने वाली बात यह है कि उक्त वर्णित समस्त क्षेत्र/उद्योग भारत में श्रम आधारित उद्योग हैं। अत: इन क्षेत्रों से निर्यात बढ़ने पर भारत में इन क्षेत्रों में रोजगार के लाखों नए अवसर निर्मित होंगे। इन क्षेत्रों से होने वाले उत्पादों पर द्विपक्षीय मुक्त व्यापार समझौते के अंतर्गत यूके द्वारा टैरिफ की दर को शून्य करने पश्चात यूके में यह पदार्थ सस्ते होंगे इससे यूके में इन पदार्थों की मांग तेजी से बढ़ेगी और भारतीय कम्पनियों के यूके को इन पदार्थों के निर्यात बढ़ेंगे। इससे भारतीय कंपनियों को अपनी उत्पादन क्षमता में वृद्धि करनी होगी, जिससे भारत में रोजगार के नए अवसर निर्मित होंगे।

भारत में यूके से आयात किए जाने वाले पदार्थ, जिन पर भारत द्वारा आयात कर में कमी की जाने वाली हैं, उनमें शामिल हैं – स्कॉच विस्की जिस पर टैरिफ की दरों को 150 प्रतिशत से घटाकर 75 प्रतिशत किया जा रहा है। यूके में निर्मित कारों के आयात पर अभी भारत द्वारा 110 प्रतिशत का टैरिफ लगाया जा रहा है, इसे घटाकर आगे आने वाले 5 वर्षों में 10 प्रतिशत कर दिया जाएगा। इसी प्रकार ब्रिटेन में निर्मित चोकलेट, बिस्किट एवं कासमेटिक उत्पादों पर भी आयात करों में कमी होने से यह उत्पाद भारत में सस्ती दरों पर उपलब्ध होंगे। भारत में कृषकों के हितों का ध्यान रखते हुए डेयरी, तेल एवं फलों आदि जैसे कृषि पदार्थों को इस मुक्त व्यापार समझौते से बाहर रखा गया है।

भारत से यूके को अभी 1450 करोड़ अमेरिकी डॉलर का निर्यात प्रतिवर्ष होता है, यह यूके के कुल आयात का केवल 1.8 प्रतिशत है। इस प्रकार, अभी भारत से यूके को निर्यात बहुत कम मात्रा में होता है। वर्तमान में भारत द्वारा सबसे अधिक मात्रा में निर्यात, 200 करोड़ अमेरिकी डॉलर का, पेट्रोलीयम उत्पादों का किया जा रहा है। फार्मा सेक्टर से अभी यूके को केवल 85 करोड़ अमेरिकी डॉलर का निर्यात किया जा रहा है, जो यूके के कुल आयात का केवल 2.8 प्रतिशत है। इस प्रकार भारत को उक्त विभिन्न क्षेत्रों में यूके के रूप में एक बहुत बड़ा बाजार मिल रहा है। केमिकल, आयरन एवं स्टील, फूटवेयर, रबर, आदि भी ऐसे क्षेत्र/उद्योग हैं जिनसे भारत से यूके को बहुत कम मात्रा में निर्यात किया जाता है। भारत के लिए यह समस्त उद्योग अहम हैं क्योंकि इन क्षेत्रों/उद्योगों में रोजगार के अवसर निर्मित करने की अपार सम्भावनाएं मौजूद हैं। यूके के कुल आयात में भारत का मार्केट शेयर बहुत कम है। भारतीय उद्योगों को अपने उत्पादों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देना होगा और भारत में निर्मित उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर और अधिक प्रतिस्पर्धी बनाना होगा ताकि इनके निर्यात को बढ़ाया जा सके।

अमेरिका के ट्रम्प प्रशासन द्वारा लगातार विभिन्न देशों के साथ टैरिफ युद्ध की घोषणा के बीच विश्व की दो बड़ी अर्थव्यवस्थाओं, भारत एवं यूके ने आपस में द्विपक्षीय मुक्त व्यापार समझौते को सम्पन्न कर पूरे विश्व को राह दिखाई है कि किस प्रकार एक दूसरे के हितों को ध्यान में रखकर विदेश व्यापार किया जा सकता है।

-प्रहलाद सबनानी

उपराष्ट्रपति का इस्तीफ़ा- लोकतंत्र की चुप्पी में एक तेज़ दस्तक

भारत के लोकतांत्रिक इतिहास में उपराष्ट्रपति का इस्तीफा एक दुर्लभ घटना है। सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च (2021) की एक रिपोर्ट के अनुसार, देश के संवैधानिक पदाधिकारियों में केवल 2.6प्रति. ने अपना कार्यकाल समाप्त होने से पहले इस्तीफा दिया है और इनमें से भी उपराष्ट्रपति स्तर के मामलों की संख्या बेहद कम रही है। यह एक ऐसा पद है जिसे आमतौर पर औपचारिक माना जाता है, किंतु इसकी संवैधानिक भूमिका और राजनीतिक व्याप्ति अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस पद पर आसीन व्यक्ति न केवल राज्यसभा के सभापति होते हैं, बल्कि संसदीय प्रक्रियाओं के निष्पक्ष संचालन के लिए उत्तरदायी भी होते हैं। अत:, जब उपराष्ट्रपति इस्तीफा देते हैं, तो यह न केवल एक प्रशासनिक औपचारिकता होती है, बल्कि एक गंभीर राजनीतिक और संवैधानिक संकेत भी होता है। भारत जैसे विशाल लोकतंत्र में, जहां पर प्रत्येक राजनीतिक गतिविधि का सामाजिक और मनोवैज्ञानिक प्रभाव होता है, वहां इस स्तर पर इस्तीफा देना केवल व्यक्तिगत निर्णय नहीं होता। यह सत्ता की संरचना, नीति निर्धारण, गठबंधन की मजबूती और जनमानस के बीच विश्वास के स्तर पर प्रत्यक्ष प्रभाव डालता है। इस प्रकार का कदम, चाहे वह नैतिक असहमति के कारण हो, रणनीतिक राजनीतिक ह्द्ग्ब्श्नश्ह्ब्द्व्ह्ल्द्बश्ठ्ठ्ब्ठ्ठ्द हो या किसी व्यापक असंतोष की अभिव्यक्ति—उसका विश्लेषण केवल घटनात्मक स्तर पर नहीं, बल्कि उसकी संरचनात्मक और दीर्घकालिक परिणतियों के आधार पर किया जाना आवश्यक होता है। यह इस्तीफा न केवल एक व्यक्ति का पद छोड़ना है, बल्कि यह उस लोकतांत्रिक इमारत के भीतर एक कंपन है, जिसका प्रभाव दूर–दूर तक फैलता है। आज जब भारतीय लोकतंत्र एक संवेदनशील मोड़ पर खड़ा है, तो यह इस्तीफा हमें संविधान, संस्थाओं और जनविश्वास के बीच के संबंध को नए सिरे से देखने को बाध्य करता है। उपराष्ट्रपति का संवैधानिक स्थान और इस्तीफे का प्रतीकवाद = भारतीय संविधान में उपराष्ट्रपति का स्थान एक विशिष्ट संतुलन का प्रतिनिधित्व करता है। यह पद, यद्यपि मुख्यत: औपचारिक माना जाता है, परंतु इसकी भूमिका राज्यसभा के सभापति के रूप में अत्यंत प्रभावी है। वह संसद के ऊपरी सदन की मर्यादा, कार्यप्रणाली और विधायी प्रक्रियाओं की निष्पक्षता के प्रतीक होते हैं। जब इस पद पर आसीन कोई व्यक्ति अचानक इस्तीफा देता है, तो यह कदम अपने आप में एक गहन प्रतीकात्मक अर्थ को जन्म देता है। यह न केवल संवैधानिक परंपराओं की स्थिरता पर प्रश्नचिह्न उठाता है, बल्कि यह सत्ता और विपक्ष के बीच की संवेदनशीलता, राजनीतिक असहमति और संस्थागत संतुलन को भी उजागर करता है। इतिहास में कुछ ही बार ऐसा हुआ है जब उपराष्ट्रपति ने इस्तीफा दिया हो या उनकी भूमिका को लेकर विवाद उत्पन्न हुआ हो। उदाहरण के लिए, भैरों सिंह शेखावत के कार्यकाल के दौरान सत्ता पक्ष के साथ उनके संबंधों में तनाव रहा था, हालांकि उन्होंने कार्यकाल पूरा किया। उनका आचरण इस बात को दर्शाता है कि यह पद केवल शोभायात्रा का नहीं, बल्कि एक संवैधानिक विवेक और गरिमा का वाहक है। ऐसे में अगर कोई उपराष्ट्रपति यह महसूस करता है कि उनकी भूमिका बाधित हो रही है, या लोकतांत्रिक संस्थाओं में उनकी भागीदारी को निष्प्रभावी बनाया जा रहा है, तो उनका इस्तीफा इस असंतुलन का सार्वजनिक प्रकटीकरण बन जाता है। जब उपराष्ट्रपति जैसा पद खाली होता है, तो वह राजनीतिक नैरेटिव्स को पुनर्गठित करने का अवसर भी बनता है। सत्तारूढ़ दल को नए प्रत्याशी के चयन में विचार करना पड़ता है कि वह जातीय समीकरण, क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व और वैचारिक संतुलन जैसे सभी राजनीतिक समीकरणों को साधे। वहीं विपक्ष इस अवसर को सरकार की विफलता के रूप में भुना सकता है। इस प्रकार, उपराष्ट्रपति का इस्तीफा एक संवैधानिक घटना से अधिक, एक राजनीतिक संकेत और रणनीतिक क्षण बन जाता है।तत्काल प्रभाव = संसद, राजनीति और जनता के बीच संतुलन का विचलन = एक सक्रिय संसद में उपराष्ट्रपति का इस्तीफा कई प्रक्रियात्मक अवरोध उत्पन्न करता है। चूंकि वे राज्यसभा के सभापति होते हैं, इसलिए उनके न रहने से कई विधेयकों पर चर्चा और निर्णय प्रक्रिया प्रभावित हो सकती है। विशेष रूप से तब, जब संसद का सत्र चल रहा हो, तब यह इस्तीफा कई महत्वपूर्ण बिलों की प्रगति को रोक सकता है, विपक्ष को रणनीतिक बढ़त दिला सकता है और सरकार की संसदीय रणनीति को कमजोर कर सकता है। इसके अतिरिक्त, उपराष्ट्रपति का इस्तीफा विधानपालिका और कार्यपालिका के बीच संतुलन को क्षणिक रूप से डांवाडोल कर देता है। राजनीतिक दलों के लिए यह एक नया मोर्चा खोलने का अवसर बन जाता है। हर दल इस पद को अपने प्रभाव और वैचारिक शक्ति को बढ़ाने का एक मंच मानता है। चुनाव आयोग को तत्काल चुनावी प्रक्रिया शुरू करनी पड़ती है और ऐसे में सत्ता पक्ष को बहुमत, विपक्ष को एकजुटता और जनता को पारदर्शिता की उम्मीद रहती है। यही नहीं, यह इस्तीफा जनता के भीतर भी संदेह और संवाद को जन्म देता है। नागरिक सोचने लगते हैं कि आखिर ऐसी क्या स्थिति रही होगी कि एक इतना उच्च पद धारण करने वाला व्यक्ति इस्तीफा देने को विवश हुआ। क्या यह सरकार के किसी निर्णय के विरोध में है? क्या यह लोकतांत्रिक मूल्यों की उपेक्षा की प्रतिक्रिया है? या क्या यह किसी राजनीतिक महत्वाकांक्षा की तैयारी है? ऐसे प्रश्न केवल चर्चा तक सीमित नहीं रहते, बल्कि वे जनमत को आकार देने में निर्णायक भूमिका निभाते हैं। जनता की दृष्टि और लोकतंत्र पर इसका प्रभाव = उपराष्ट्रपति जैसे संवैधानिक पद का इस्तीफा सामान्य नागरिकों में लोकतंत्र को लेकर एक नए प्रकार की चेतना और चिंता दोनों को जन्म देता है। एक ओर जहां यह उन्हें संविधान और उसकी प्रक्रियाओं के प्रति जागरूक बनाता है, वहीं दूसरी ओर यह उनके मन में यह सवाल भी खड़ा करता है कि क्या हमारी संस्थाएं स्वतंत्र रूप से कार्य कर पा रही हैं या वे राजनीतिक दबाव में हैं? 2019 के लोकनीति–सीएसडीएस सर्वेक्षण के अनुसार, जब भी कोई संवैधानिक अधिकारी इस्तीफा देता है, तब 58पति. नागरिकों की लोकतांत्रिक संस्थाओं पर विश्वास में कमी आती है। इस तरह का इस्तीफा आम जनता में दोहरी प्रतिक्रिया उत्पन्न करता है—एक ओर उत्सुकता कि इसकी वजह क्या है और दूसरी ओर निराशा कि क्या हमारी संस्थाएं सुरक्षित हैं। खासकर यदि इस्तीफा स्पष्ट रूप से असहमति का प्रतीक है, तो यह सरकार के प्रति जनता की सोच को प्रभावित करता है। वहीं, अगर इस्तीफा मौन और बिना किसी बयान के होता है, तो यह अफवाहों और संदेहों को जन्म देता है, जिससे राजनीतिक और सामाजिक अस्थिरता को बल मिल सकता है। युवा वर्ग, छात्र समूह और नागरिक समाज इस प्रकार की घटनाओं को आंदोलनों और वैचारिक विमर्श का आधार बना लेते हैं। सोशल मीडिया, न्यूज़ चैनल और डिजिटल प्लेटफार्म पर यह मुद्दा रातों–रात चर्चा का विषय बन जाता है। अत: ऐसे समय में सरकार, मीडिया और संबंधित संस्थानों की जिम्मेदारी बनती है कि वे पारदर्शिता और उत्तरदायित्व को अपनाते हुए जनता को वस्तुस्थिति से अवगत कराएं, ताकि जनमत भ्रम में न पड़ जाए और लोकतंत्र की बुनियाद सुरक्षित बनी रहे।

-पूनम चतुर्वेदी शुक्ला

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। पूछपरख बनी रहने से शनिवार को अनाज मंडी में चना बाजार मजबूती पर रहे। मसूर में टिकाव रहा। खाद्य तेलों में व्यापार अच्छा रहा। तिलहनों में सोयाबीन बाजार मजबूती पर रहे। किराना जिंसों में शक्कर सुर्ख रही। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार चने में पूछपरख अच्छी रहने से बाजार सुधार के रहे। मसूर में टिकाव देखा गया। खाद्य तेलों में व्यापार अच्छा रहा। तिलहनों में सोयाबीन मजबूती बनाये रहा। उधर, किराना जिंसों में शक्कर बाजार सुर्खी पर रहे। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4130-4180, खोपरा गोला 360-390, खोपरा बूरा 4400-6600 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 250-265, मीडियम 280-285, ऊंझा हल्का 270-275, बेस्ट 290-320, हल्दी निजामाबाद 170-210, सांगली 265-270, साबूदाना हल्का 4500-4600, मीडियम 4650-4850, बेस्ट 5100-5500, ग्लास 6100, वरलक्ष्मी 5350, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 110-250, एस्ट्रा बेस्ट 300-400, सौंफ बारिक 280-400, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 770-800, गरबल 740-750, मटरदाना 825-850, खसखस अनक्लीन 900-1200, क्लीन 1300-1500, दालचीनी 250-265, जायफल 725-750, बेस्ट 780-790, वाद्यान फूल 440-495, शाहजीरा 385, तेजपान 90-95, पत्थर फूल 340-425, बेस्ट 475-500, जावत्री 1675-1750, बेस्ट 1850-1890, केसर 175-185, सौंठ 375-400, धोली मूसली 2175-2250, लौंग 765-775, बेस्ट 800-810, हींग (वनदेवी 751) 2600, पाउच 2650, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 100-135, सिंदूर 6600, देशी कपूर 720-770, पूजा बादाम 115-200, पूजा सुपारी 450-475, अरीठा 130-145, हरि इलायची शंकर 2850-2950, विरूद्ध नगर 2950-3025, मीडियम 2975-3050, बोल्ड 3075-3150, एक्ट्रा बोल्ड 3250-3450, पानबार 2450, बड़ी इलायची 1550-1800, बेस्ट 1850-1950, तरबूज मगज 480-500, काजू (240) 950-960, काजू (210) 950-1000, काजू (320) 830-860, काजू एस. डब्ल्यू 800-810, जे.एच. 840-860, टुकड़ी 780-850, बादाम मगज 860-880, अमेरिकन 750-780, सिंगापुरी 795-815, अखरोट 510-800, जर्दालु 250-350, बेस्ट 450-600, किशमिश कंधारी 420-470, बेस्ट 550-650, इंडियन 140-150, बेस्ट 170-190, चारौली 1550-1650, बेस्ट 1700, मुनक्का 450-550, बेस्ट 650-900, अंजीर 750-1450, मखाना 1100-1625, खारक 115-135, मीडियम 140-180, बेस्ट 225-250, एक्ट्रा बेस्ट 300-310, पिस्ता 1400-1600, कंधारी 1750-1900, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 3300-3350, (160) 4100-4150, (200) 4800-4850, (250) 5000-5100

तेल- सींगदाना 1420-1440, मुम्बई 1450, राजकोट तेलिया 2250, सोया साल्वेंट 1140-1150, सोया रिफाइंड 1200-1210, कपास्या 1315, धूलिया 1320, कड़ी 1320,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1375-1400, मुम्बई पाम 1200, मुम्बई सोया 1225,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2300, देवास-उज्जैन 2300, खंडवा-बुरहानपुर 2275, अकोला 3175 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 7000-7100, रायडा 6800-7100, सोयाबीन 4350-4400, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 6400-6450, एवरेज 5600-5800, विशाल 5450-5550, काबूली डॉलर 8500-9000, काबुली रशि?यन 5600-5800, बिटकी 5300-5400, मसूर बेस्ट 6100-6200, एवरेज 5850-5900, मूंग देशी 7400-7500, पाला 7500-7600, चमकी 7500-7600, नायलोन 7600-7700, तुअर निमाड़ी बेस्ट 6600-6700, एवरेज 6500-6600, हल्की 6400-6500, तुअर महाराष्ट्र 6600-6700, महाराष्ट्र लाल 6600-6900, उड़द बेस्ट 7400-7500, एवरेज 7200-7300, शंकर 7000-7100, हल्की 6900-7000,

दाल- चना दाल एवरेज 7700-8300, बोल्ड 8600-8800, तुअर दाल सवा नं. 7300-7400, तुअर दाल फूल 9000-9100, तुअर दाल बोल्ड 9900-10100, मसूर दाल एवरेज 7750-7850, बेस्ट 7950-8100, मूंग दाल 9500-9600, बोल्ड 9800-10000, मूंग मोगर 9300-9400, बोल्ड 9700-9800, उड़द दाल 8500-8600, बोल्ड 8700-8900, मोगर 9800-10000, बोल्ड 10100-10200,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2625-2650, लोकवन 2800-2850, (147) 2600-2650, बेस्ट 2650-2800, मालवराज 2650-2675, पूर्णा 2750-2800, चन्द्रोसी 3000-3800, ज्वार देशी 2400-2550, मक्का पीली 2275-2300,

चावल- चावल हंसा सफेद 3000-3200, सेला 3600-3800, परमल 3500-3800, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7000-7200, काली मुंछ 8500-8900, बासमती दुबार 9500-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 4500-6000, तिबार 10500-11500, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4800-5300,

मावा- इन्दौर 320, उज्जैन 260, रतलाम 270 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। शनिवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार सामान्य ही रहा। दोनों ही मूल्यवान धातुओं में बाजार नरमी के रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चॉंदी (9999) 113500, चॉंदी (99) 113400, टंच 112800, सिक्का 1200, सोना 10 ग्राम 98000,

भारत की स्टील स्लैग रोड तकनीक ने अंतरराष्ट्रीय पहचान बनाई

नई दिल्ली। वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) और सेंट्रल रोड रिसर्च इंस्टीट्यूट (सीआरआरआई) द्वारा विकसित स्टील स्लैग रोड तकनीक अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता पा रही है। अमेरिका के शिकागो और ओमान जैसे देशों में भी इस तकनीक का सफलतापूर्वक उपयोग किया जा रहा है। सीआरआरआई के एक वैज्ञानिक ने बताया कि यह तकनीक भारत के सड़क निर्माण क्षेत्र में एक गेम चेंजर साबित होगी। सड़क निर्माण में मुख्य सामग्री प्राकृतिक एग्रीगेट (जैसे बजरी और रोड़ी) होती है, जिसकी वार्षिक खपत लगभग 1.2 बिलियन टन है।

आज का राशिफल

मेष- आज के दिन आपकी साख और सम्मान में वृद्धि होगी। आपको किसी काम में उसके नीति व नियमों पर पूरा ध्यान देना होगा। आप जल्दबाजी के कारण कोई गलत निर्णय ले सकते हैं। आपको अपने भाई-बहनों से भी किसी बात को लेकर खटपट होने की संभावना है। आपकी सेहत में कुछ उतार-चढ़ाव लगा रहेगा, जिससे आपका काम करने में मन थोड़ा कम लगेगा।

वृषभ- आज का दिन आपके लिए खुशनुमा रहने वाला है। आप किसी मांगलिक उत्सव में सम्मिलित हो सकते हैं। आपकी किसी बात से माताजी नाराज हो सकती हैं। आपको किसी कानून मामले को लेकर सावधान रहना होगा। शेयर मार्केट से जुड़े लोगों के लिए दिन अच्छा रहने वाला है। आपकी संतान आपकी उम्मीदों पर खरी उतरेगी और आपके मन में किसी काम को लेकर उथल-पुथल बनी रहेगी। आपको अपने कामों को धैर्य और साहस से निपटाने की आवश्यकता है। आपकी किसी पुरानी गलती से पर्दा उठ सकता है।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। आपको परिवार में किसी सदस्य की ओर से कोई सरप्राइज गिफ्ट मिल सकता है। आपको बड़ों का आदर और सम्मान करना होगा। पिताजी आपको काम को लेकर कोई सलाह दे सकते हैं। आप किसी नए काम को करने के बारे में सोच विचार कर सकते हैं। प्रॉपर्टी डीलिंग का काम कर रहे लोगों की कोई बड़ी डील फाइनल हो सकती है। आप अपने किसी विरोधी की बातों में आकर कोई इंवेस्टमेंट ना करें।

कर्क- आज का दिन आपके लिए कोई बड़ी उपलब्धि लेकर आने वाला है। रक्त संबंधी रिश्तों में मजबूती आएगी। आप अपने घर-परिवार में चल रही समस्याओं को भी काफी हद तक दूर करने की कोशिश करेंगे। आप कुछ नए लोगों से मेलजोल बढ़ाएंगे। आपको एक के बाद एक शुभ सूचना सुनने को मिलेगी, लेकिन आपका कोई धन संबंधित समस्या को लेकर आपको टेंशन बनी रहेगी। आपके कामों में कुछ गड़बड़ी होने से आप थोड़ा परेशान रहेंगे।

सिंह- आज का दिन आपके लिए आत्मविश्वास से भरपूर रहने वाला है। आप कार्यक्षेत्र में अच्छा प्रदर्शन करेंगे। आपकी कोई मन की इच्छा पूरी होने से खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा। निजी मामलों में आपकी सक्रियता बढ़ेगी। आप कुछ नए लोगों से मेलजोल बनने में कामयाब रहेंगे। आपका कोई पुराना मित्र आपसे लंबे समय बाद मिलने आ सकता है। आप किसी सरकारी योजना में धन लगाने की सोच सकते हैं। ऑनलाइन व्यवसाय कर रहे लोगों को कोई बड़ा ऑर्डर मिल सकता है।

कन्या- आज का दिन आपके लिए उत्तम संपत्ति का संकेत हैं। आपके घर किसी अतिथि का आगमन हो सकता है। आपकी कोई अटकी हुई डील थी, तो उसके भी फाइनल होने की संभावना है। राजनीतिक की तरफ कदम बढ़ा रहे लोगों को थोड़ा सावधान रहना होगा। आप अपने खर्चों को थोड़ा लिमिट में करें, नहीं तो बाद में आपको आने वाले समय में धन की कमी का सामना करना पड़ सकता है।

तुला- आज का दिन आपके लिए करियर के मामले में अच्छा रहने वाला है। सभी क्षेत्रों में आप अच्छा प्रदर्शन करेंगे। किसी काम को लेकर आप लापरवाही बिल्कुल ना करें। आप अच्छे खान-पान का आनंद लेंगे। प्रतिस्पर्धा का भाव आपके मन में बना रहेगा। आपको कोई नई नौकरी की प्राप्ति होने से आपका मन काफी खुश रहेगा। जीवनसाथी की आपसे किसी बात को लेकर कहासुनी हो सकती है।

वृश्चिक- आज का दिन सामाजिक क्षेत्रों में कार्यरत लोगों के लिए अच्छा रहने वाला है। आपकी साख और सम्मान में वृद्धि होगी। आपको कोई निर्णय जल्दबाजी में लेने से बचना होगा। कामकाज के मामले में दिन अच्छा रहने वाला है। आप किसी से धन उधार लेने से बचें, नहीं तो बाद में समस्या खड़ी हो सकती है। परिवार में कोई सदस्य काम को लेकर आपसे कोई सलाह ले, तो आप उसे थोड़ा सोच समझकर ही कोई सलाह दें।

धनु- आज का दिन आपके लिए भाग्य के दृष्टिकोण से अच्छा रहने वाला है। आप किसी मनोरंजन के कार्यक्रम में सम्मिलित हो सकते हैं। वरिष्ठ सदस्यों का सहयोग का सानिध्य आपको भरपूर मात्रा में मिलेगा। आपकी धार्मिक कामों में काफी रुचि रहेगी। आप अपनी संतान को यदि कोई जिम्मेदारी देंगे, तो वह उस पर खरे उतरेंगे। आपकी कुछ नया करने की कोशिश रंग लाएगी।

मकर- आज का दिन आपके लिए आर्थिक दृष्टिकोण से अच्छा रहने वाला है। आप अपने लंबे समय से रुके हुए कामों को पूरा करने की कोशिश करें। यदि आपका कोई धन को लेकर काम रुका हुआ था, तो वह भी पूरा हो सकता है। आपको किसी पैतृक संपत्ति की प्राप्ति हो सकती है। वरिष्ठ सदस्यों का सानिध्य आपको भरपूर मात्रा में मिलेगा।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए पार्टनरशिप में काम करने के लिए बेहतर रहेगा। कानूनी मामलों में आपको एक नई राह मिलेगी। आपके घर में किसी मांगलिक कार्यक्रम का आयोजन हो सकता है। स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही आपके लिए समस्या बन सकती हैं। आपको किसी दूसरे के मामले में बेवजह बोलने से बचना होगा। पढ़ाई लिखाई में कमर कसकर मेहनत करेंगे, तो आपके लिए बेहतर रहेगा।

मीन- आज का दिन नौकरी में प्रमोशन के लिए बढिया रहेगा। आप अपने कामों से एक अच्छी जगह बनाएंगे, जिससे आपको तरक्की मिलेगी। आपके प्रभाव और प्रताप में वृद्धि होगी, लेकिन इससे आपके कुछ शत्रु भी उत्पन्न हो सकते हैं। आप अपने मन में किसी के प्रति नकारात्मक विचारों को न रखें। व्यवसाय में आप किसी पर आंख मूंदकर भरोसा ना करें और आपकी किसी गलती को लेकर पिताजी आपसे नाराज हो सकते हैं।

शब्दजाल - 7972

शब्द जाल में डैनी की 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. नाम ऊपर से नीचे व तिरछे हो सकते हैं.

छ	त्ती	स	घं	टे	द	रि	बु	लं	दी	क
दो	वि	ल	ग	व	जी	ग	द	इ	ता	ली
उ	उ	ला	ल	को	ठी	ची	ता	रा	ऊं	क
स्ता	ज	स	दो	पु	ज	न	ही	न	चे	क
द	खु	चो	द	लू	लं	का	रो	ग	लो	क
जी	द	ल	रों	य	ख	धुं	ना	हि	ग	को
ती	लो	लै	ड़ी	की	प	ध	श	चु	र	ल
क	र्ज	ला	ई	धा	बा	क	गो	ल	नौ	ण
ने	बा	म	न्न	ब्रा	ह	रा	री	श	प	ती
तें	दु	ज	प	व	जी	र्त	त	बें	हा	त
क	दु	नू	रा	नी	ल	गा	य	द	प	थ

छत्तीस घंटे, बुलंदी, दो उस्ताद, लालकोठी, चोरों की बारात, चुनौती, लैला मजनू, धुंध, ऊंचे लोग, हीरो

शब्दजाल - 7971 का हल

श	रा	ज	कि	व	ई	ह	ट	झ	क	चि
अ	च	र	ठि	रिं	लै	ता	दि	शा	को	क
ग	र	ह	ना	दा	चि	सिं	बे	ला	ल	ना
झ	स	गा	ई	ल	क	आ	ह	ऊं	र	ह
ई	रा	र	ष	हा	मि	श	च	स	चा	ट
ह	ह	प	व	दा	ह	ना	त	उ	न	ई
मि	ट	बु	अ	म	रा	ई	ह	त	ह	क
हं	जी	वा	उ	क	छ	सौ	न	रा	जू	ट
गा	थो	तें	ब	ह	ज	दा	ने	ई	र	द
ई	ल	प	का	रं	ट	ऐ	बें	न	रु	थो
त	ड़	पा	ई	ट	ख	बौ	ख	ला	ह	ट

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 6916

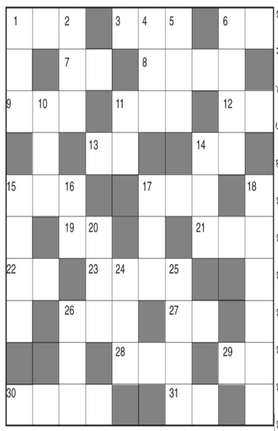

ऊपर से नीचे:-

१.'मन क्यों बहका रे' गीत वाली शशि शेखर सुमन, रेखा, नीना की फिल्म-३
२. मिथुन, जुगल, सोनाली की 'तेरी चाहत में दिल' गीत वाली फिल्म-१,२
४. 'सीली हवा छू गई सीला' गीत वाली नसीर, शबाना आजमी की फिल्म-३
५. अमिताभ, अमजद खान, नीतू की 'छूकर मेरे मन' गीत वाली फिल्म-३
६. 'बोल बेबी बोल रॉक' गीत वाली अनिल कपूर, मीनाक्षी की फिल्म-२,२
१०. धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की 'राजा ना जा ना जा' गीत वाली फिल्म-३
११. 'मैं इश्क उसका' गीत वाली अर्जुन रामपाल, जायेद, अमीषा की फिल्म-२
१४. धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की 'मैं लैला का मजनूं' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'कोरा कागज था मन' गीत वाली राजेश खन्ना, शर्मिला की फिल्म-४
१६. संजय कपूर, माधुरी की 'फूल मांगू ना बहार माँगूं' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'दिले बेताब को सीने से' गीत वाली राजेंद्रकुमार, वहीदा की फिल्म-३
१८. अमिताभ, अक्षय, जॉन, रिमी की 'फलक देखूं' गीत वाली फिल्म-३,३
२०. फिल्म 'देवी' में नायिका कौन थी-३
२४. 'अंखियां मिलाके जिया' गीत वाली फिल्म-३
२५. नसीर, अष्मित, उर्मिला की फिल्म-४
२६. 'शहर शहर डगर डगर' गीत वाली जैकी, संजय, सोनम की फिल्म-२,१

बायें से दायें:-

१. जॉय मुखर्जी, नंदा की 'मुझे इश्क है तुम्हीं से' गीत वाली फिल्म-३
३. 'मेरे टूटे हुए दिल से कोई तो' गीत वाली राजकपूर, नूतन की फिल्म-३
६. आमिर, फैजल, ट्विंकल की 'तुझे रब ने बनाया है' गीत वाली फिल्म-२
७. अमिताभ, जीनत अमान की फिल्म-२
८. 'तसवीर बनाता हूँ' गीतवाली फिल्म-४
९. 'जब लिया हाथ' गीत वाली राजेंद्र कुमार, गीता बाली की फिल्म-३
११. राजकुमार, प्रिया की 'ये पर्वतों के दायरे ये शाम' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'दिल में जिगर में' गीत वाली संजय, जैकी, शिल्पा, रवीना की फिल्म-२
१३. विकास भल्ला, सुमीत, की 'कोई दिल ना किसी' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'काहे कोयल शोर मचाये' गीत वाली राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-२
१५. विश्वजीत, माला सिन्हा की फिल्म-३
१७. राजकुमार, मीना की 'चलते चलते यूंही कोई मिल' गीत वाली फिल्म-३
१९. जैकी श्रॉफ, रति की फिल्म-२
२१. ऋषिकपूर, अरबाज, जूही की 'ये प्यार यार क्या' गीत वाली फिल्म-३
२२. 'ना सतरा से ऊपर ना' गीत वाली नवीन निश्चल, रेखा की फिल्म-२
२३. 'दुपट्टे का पल्लू' गीतवाली फिल्म-४
२६. फिल्म 'दोस्ताना' में अमिताभ की नायिका?-३
२७. अभिषेक, अंतरा माली की 'इश्क दा तड़का' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'मेरे दिल में रहो या जिगर' गीत वाली अष्मित, मीरा की फिल्म-३
२९. गुरूदत्त, वहीदा रहमान की 'जाने क्या तूने कही' गीत वाली फिल्म-२
३०. 'देर है अंधेर नही' गीत वाली शत्रुघ्न, राजकपूर, योगिता की फिल्म-२,२
३१. फिल्म 'सलाखें' में नायक?-२

फिल्म वर्ग पहेली- 6915

य	हू	दी		अ	नु	रो	ध		क्रो
ह		वा	स्त	व		हि		आँ	धी
दे	व	र		ता	क	त		च	
श	र्त		पा	र	स		स	ल	मा
	मा		पी		क	स	म		ला
जा	न	म		अ		गा	य	ब	
ने		शा	र	दा		ई		ना	च
म	ह	ल		ल	की		जो	र	
न			अं	त		जं		स	त्या
	बा	रि	श		जु	ग	नू		ग

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

27 जुलाई 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कर्क में	सिंह	07.03 बजे से
चंद्र	सिंह में	कन्या	09.14 बजे से
मंगल	सिंह में	तुला	11.25 बजे से
बुध	कर्क में	वृश्चिक	13.40 ब.से
गुरु	मिथुन में	धनु	15.56 बजे से
शुक्र	मिथुन में	मकर	18.01 बजे से
शनि	मीन में	कुंभ	19.48 बजे से
राहु	कुंभ में	मीन	21.20 बजे से
केतु	सिंह में	मेष	22.51 बजे से
राहुकाल 4.30 से 6.00 बजे तक		वृष	00.31 बजे से
		मिथुन	02.29 बजे से
		कर्क	04.43 बजे से

रविवार 2025 वर्ष का 208 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास श्रावण **पक्ष** शुक्ला
तिथि तृतीया 22.43 बजे को समाप्त।
नक्षत्र मघा 16.23 बजे को समाप्त।
योग वरीयान 03.13 बजे रात्र को समाप्त।
करण तैतिल 10.37 बजे तदनन्तर गर 22.43 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 02.2 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 19° 12'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872418
जूलियन दिन 2460883.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना सफर **तारीख** 01
विशेष हरियाली तीज।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
उद्वेग	05.56 से 07.23 बजे तक	शुभ	05.36 से 07.09 बजे तक
चर	07.23 से 08.51 बजे तक	अमृत	07.09 से 08.41 बजे तक
लाभ	08.51 से 10.18 बजे तक	चर	08.41 से 10.14 बजे तक
अमृत	10.18 से 11.46 बजे तक	रोग	10.14 से 11.46 बजे तक
काल	11.46 से 01.14 बजे तक	काल	11.46 से 01.19 बजे तक
शुभ	01.14 से 02.41 बजे तक	लाभ	01.19 से 02.51 बजे तक
रोग	02.41 से 04.09 बजे तक	उद्वेग	02.51 से 04.24 बजे तक
उद्वेग	04.09 से 05.36 बजे तक	शुभ	04.24 से 05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगत: ध्यान की गहराई

बात उस समय की है जब स्वामी विवेकानंद शिकागो के व्याख्यान के बाद अमेरिका में प्रसिद्ध हो चले थे। वहां वह घूम-घूमकर वेदांत दर्शन पर प्रवचन दिया करते थे। इस सिलसिले में उन्हें अमेरिका के उन अंदरूनी इलाकों में भी जाना होता था, जहां धर्मांध और संकीर्ण विचारधारा वाले लोग रहते थे। एक बार स्वामीजी को ऐसे ही एक कस्बे में व्याख्यान के लिए बुलाया गया था। एक खुले मैदान में लकड़ी के बक्सों को जमाकर मंच तैयार किया गया था। स्वामीजी ने उस पर खड़े होकर वेदांत, योग और ध्यान पर व्याख्यान देना शुरू किया। बाहर से गुजरने वाले लोग भी उनकी बातें सुनने लगे जिनमें कुछ चरवाहे भी थे। थोड़ी देर में ही उनमें से कुछ ने बंदूकें निकालीं और स्वामीजी की ओर निशाना दागने लगे। कोई गोली उनके कान के पास से गुजरती तो कोई पांव के पास से। नीचे रखे कुछ बक्से तो छलनी हो गए थे। लेकिन इस सबके बावजूद स्वामीजी का व्याख्यान पहले की तरह धाराप्रवाह चलता रहा। न वह थमे न उनकी आवाज कांपी। अब चरवाहे भी वहां ठहर गए। व्याख्यान के बाद वे स्वामीजी से बोले, 'आपके जैसा व्यक्ति हमने पहले नहीं देखा। हमारी गोलीबारी के बीच आपका भाषण ऐसे चलता रहा जैसे कुछ हुआ ही न हो। अगर हमारा निशाना चूकता तो आपकी जान आफत में पड़ सकती थी।' स्वामीजी ने उन्हें बताया कि जब वह व्याख्यान दे रहे थे, तब उन्हें बाहरी वातावरण का ज्ञान ही न था। उनका सारा चित्त वेदांत और ध्यान की उन गहराइयों में डूबा हुआ था। वे चरवाहे उनके प्रति नतमस्तक हो गए।

सूडोकु नवताल- 7225

★★★★★ कठिनतम

		8			4			
1								9
3				2			5	
			1				8	
		5				4		
	7				9			
	6			3				2
9								1
			8			7		

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7224 का हल

6	3	8	5	2	1	4	7	9
7	9	1	4	6	3	5	8	2
2	4	5	7	9	8	6	3	1
9	1	3	2	5	4	8	6	7
4	6	2	8	1	7	9	5	3
5	8	7	6	3	9	1	2	4
3	2	4	1	8	5	7	9	6
8	7	6	9	4	2	3	1	5
1	5	9	3	7	6	2	4	8

शब्द पहेली - 8440

बाएँ से दाएँ

1. उचित, गलत का विलोम-2
4. अधिकार-2
6. परछाई-2
7. सम्मान, प्रसिद्धि-2
9. उल्टी, कै, वमन-3
12. रंग (अंग्रेजी-3)
14. चंचल, फुर्तीला-3
16. भयभीत होना-4
17. फुर्तीलापन-4
18. बसंत काल-3
20. भ्रम, वहम-3
22. आश्रय, शरण-3
24. राजनीतिक पार्टी-2
26. शारीरिक ऊंचाई-2
27. गन्ना-2
28. शाखा, टहनी-2

ऊपर से नीचे

1. नमस्ते, आदाब-3
2. देह, बदन, तन-2
3. शराब, मदिरा-2
5. डोली उठानेवाले-3
6. पत्नी की छोटी बहन -2
8. वहम, संदेह-2
10. जरुरतमंद-5
11. नाग, सर्प-2
13. आनंदित होना -5
14. भारत से निकलने वाली नदी जो पाकिस्तान में खत्म होती है-3
15. ढीला, सुस्त-3
19. नुकसान, घाटा-2
20. सद्कार्य-3
21. नशा, सरुर, खुमार-2
22. ओहदा -2
23. भवन, कोठी-3
25. क्षण, पल-2
26. कलिका, फूल खिलने से पहले की स्थिति-2

शब्द पहेली -8439 का हल

	क	हा	नी		प	ती	ला	
मा	ला		र		र		बा	दा
म			व	र	दा	न		ला
ला	य	क		न		म	न	न
		र	मी		गाँ	की		
सू	र	त		आ		न	झ	र
री		ब	ह	का	ना			की
ला	ख		टा		ह		र	ब
	र	बा	ना		क	ल	म	

Jagrutidaur.com, Bangalore

शेयर बाजार में 2025 की सबसे लंबी साप्ताहिक गिरावट रही

मुंबई। बीते सप्ताह भारत के प्रमुख इक्विटी सूचकांकों ने 2025 की सबसे लंबी साप्ताहिक गिरावट दर्ज की है। यह अक्टूबर 2024 के बाद पहली बार हुआ है कि सेंसेक्स और निफ्टी लगातार चार सप्ताह गिरावट के साथ बंद हुए हैं। बाजार में भारी वोलैटिलिटी देखने को मिली, जिसका मुख्य कारण भारत-यूके मुक्त व्यापार समझौते पर अनिश्चितता, कंपनियों के मिले-जुले नतीजे, विदेशी निवेश की निरंतर निकासी और अमेरिका-भारत व्यापार सौदे को लेकर असमंजस था। सेंसेक्स सप्ताह के अंत में 294.64 अंक की गिरावट के साथ बंद हुआ, जबकि निफ्टी 131.4 अंक नीचे आया। सप्ताह की शुरुआत में सोमवार को दोनों सूचकांक गिरावट के साथ खुले, लेकिन आईसीआईसीआई और एचडीएफसी बैंक जैसे प्रमुख शेयरों में हुई खरीदारी के कारण शुरुआती नुकसान की भरपाई हुई। बीएसई सेंसेक्स सोमवार को 148.68 अंक गिरकर 81,609.05 पर खुला और 442.61 अंक की तेजी के साथ 82,200.34 पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी 67.55 अंक गिरकर 24,900.85 पर खुला और 122.30 अंक बढ़कर 25,090.70 पर बंद हुआ। मंगलवार को सेंसेक्स 337.83 अंक

बढ़कर खुले, लेकिन अंत में 13.53 अंक नीचे बंद हुए। निफ्टी भी सुबह 91.3 अंक की तेजी से खुला, पर दिन के अंत में 29.80 अंक गिर गया। बुधवार को अमेरिकी और जापानी व्यापार समझौते की खबर से बाजार में तेजी आई, सेंसेक्स 539.83 अंक और निफ्टी 159 अंक चढ़े। गुरुवार को फिर से गिरावट शुरू हुई। सेंसेक्स 542.47 अंक और निफ्टी 157.80 अंक टूटे। शुक्रवार को बजाज फाइनेंस में कमजोरी और विदेशी पूंजी निकासी के चलते बाजार और नीचे गया। सेंसेक्स 721.08 अंक गिरकर 81,463.09 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 225.10 अंक टूटकर 24,837 पर पहुंच गया। विदेशी निवेशक बाहर निकले और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं ने बाजार पर दबाव डाला। निवेशकों के लिए आगामी सप्ताह चुनौतीपूर्ण रहने की संभावना है।

सोने की कीमतों में गिरावट, त्योहार से पहले खरीदारी का सुनहरा मौका

नई दिल्ली। अगर आप सोने के गहने खरीदने की योजना बना रहे हैं, तो यह समय आपके लिए बेहद लाभदायक हो सकता है। सोने की कीमतों में पिछले कुछ दिनों से लगातार गिरावट देखने को मिल रही है, जिससे खरीदारों के लिए ज्वेलरी सस्ती हो गई है। 24 कैरेट और 22 कैरेट दोनों प्रकार के सोने के रेट में कमी दर्ज की गई है, जिससे त्योहारी सीजन से पहले ग्राहकों के पास खरीदारी का बेहतरीन अवसर है। कीमतों में गिरावट की प्रमुख वजहें अमेरिका के टैरिफ से जुड़ी चिंताओं में कमी, डॉलर इंडेक्स का दो सप्ताह के निचले स्तर तक गिरना और स्पॉट मार्केट में मांग का कमजोर होना हैं। इन आर्थिक कारणों ने सोना और चांदी दोनों की कीमतों पर दबाव डाला है। यही वजह है कि सोना लगातार तीसरे दिन सस्ता हुआ है। दिल्ली में 26 जुलाई 24 कैरेट सोने की कीमत 1,00,620 प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट की कीमत 92,240 प्रति 10 ग्राम है। बीते तीन दिनों में 24 कैरेट सोने में 1860 और 22 कैरेट में 1710 प्रति 10 ग्राम की गिरावट आई है। अन्य प्रमुख शहरों की बात करें तो मुंबई, कोलकाता और चेन्नई में 22 कैरेट सोना 92,090 और 24 कैरेट सोना 1,00,470 प्रति 10 ग्राम बिक रहा है।

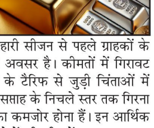

रेलवे ने ऑनलाइन टिकट धोखाधड़ी रोकने 2.5 करोड़ यूजर आईडी बंद की

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे ने ऑनलाइन टिकट बुकिंग में हो रही गड़बड़ियों और धोखाधड़ी को रोकने के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। रेलवे ने आईआरसीटीसी की 2.5 करोड़ से अधिक संदिग्ध यूजर आईडी को बंद कर दिया है। यह जानकारी सरकार ने संसद में दी, जहां सांसद ए. डी. सिंह ने इस मामले को उठाया था। उन्होंने सवाल किया था कि करोड़ों यूजर आईडी क्यों बंद की गईं, टिकट बुकिंग खुलते ही टिकट कैसे गायब हो जाते हैं और इस समस्या से निपटने के लिए रेलवे क्या कदम उठा रहा है। सरकार ने बताया कि इन यूजर्स के बुकिंग पैटर्न में अनियमितताएं पाई गईं, जिसके चलते इनकी आईडी को बंद करना जरूरी था। रेलवे ने यह भी बताया कि ट्रेनों की टिकट मांग साल भर एक जैसी नहीं होती। कुछ ट्रेनों की मांग अधिक होती है, खासकर वे जो लोकप्रिय हैं या जिनमें यात्रा का समय कम होता है। ऐसे ट्रेनों के टिकट जल्दी बिक जाते हैं, जबकि अन्य ट्रेनों में टिकट आसानी से मिल जाते हैं। यात्रियों की सुविधा और पारदर्शिता बढ़ाने के लिए रेलवे ने कई नए नियम लागू किए हैं। 1 जुलाई 2025 से तत्काल टिकट बुकिंग के लिए आइआरसीटीसी की वेबसाइट या ऐप पर आधार कार्ड से वेरिफिकेशन अनिवार्य होगा। साथ ही, एजेंट तत्काल टिकट बुकिंग खुलने के पहले 30 मिनट तक टिकट बुक नहीं कर पाएंगे। यह कदम टिकट बुकिंग प्रक्रिया को और अधिक पारदर्शी और निष्पक्ष बनाने के लिए उठाया गया है।

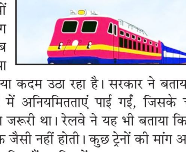

लांजी क्षेत्र में भारी बारिश से बाढ़ जैसे हालात, प्रशासन अलर्ट

लांजी (पद्मेश न्यूज)। विगत दो दिनों से लगातार हो रही भारी बारिश के कारण लांजी क्षेत्र में नदी-नाले उफान पर हैं। क्षेत्र में जलभराव की स्थिति बन गई है, जिससे बाढ़ जैसे हालात उत्पन्न हो गए हैं। प्रशासन अलर्ट मोड पर है और प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर स्थिति का जायजा ले रहा है। कई मार्ग अवरुद्ध हो गए हैं, जिससे जनजीवन प्रभावित हुआ है।

छोटी बाघ नदी में उफान, बहेला गांव जलमग्न

लांजी क्षेत्र के अंतिम छोर पर बसी ग्राम पंचायत बहेला, जो छोटी बाघ नदी के किनारे स्थित है, में 25 और 26 जुलाई की मध्यरात्रि में हुई भारी बारिश के कारण बाढ़ जैसे हालात बन गए। बाजार चौक, गांधी चौक और पुलिस थाना बहेला का ग्रामीणों से संपर्क टूट गया। नाहिद अंजुम, साबिर हुसैन, लालजी वाघाड़े, सुमेरी वाघाड़े, महेश माहुले, सुमित्रा माहुले सहित कई घरों में लगभग एक फीट तक पानी घुस गया। प्रशासन और स्थानीय अमले ने प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया। कोटवार द्वारा गांव में मुनादी कर जलस्तर बढ़ने की चेतावनी दी गई और सावधानी बरतने को कहा गया। मौसम विभाग ने रात्रि में और बारिश की संभावना जताई है।

लांजी-सालेटेकरी मार्ग अवरुद्ध, कटंगनाला पर पुल की मांग

भारी बारिश के कारण कटंगनाला उफान पर है, जिससे लांजी-सालेटेकरी मार्ग का संपर्क टूट गया। यह मार्ग लांजी को लगभग 50 गांवों से जोड़ता है और हजारों लोग, व्यापारी, शासकीय कर्मचारी और स्कूली बच्चे इस पर निर्भर हैं। मार्ग अवरुद्ध होने से आवागमन ठप हो गया, जिससे जनता को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोग लंबे समय से कटंगनाला पर उच्चस्तरीय पुल की मांग कर रहे हैं, जो लांजी को कान्हा नेशनल पार्क, मंडला, मलाजखंड, बैहर, रायपुर और सालेटेकरी जैसे क्षेत्रों से जोड़ता है। प्रशासन और जनप्रतिनिधियों की अनदेखी से लोग नाराज हैं।

सिंगोला-बहेला और टेमनी-डूडवा मार्ग बंद

सिंगोला से बहेला मार्ग पर स्थित पुल के ऊपर से लगभग 5 फीट पानी बह रहा है, जिससे आवागमन बंद है। टेमनी-डूडवा मार्ग पर भी पुल के ऊपर तेज बहाव के कारण यातायात रोका गया। पुजारी टोला कोटर डैम से पानी छोड़े जाने के कारण बाढ़ की स्थिति बनी है। प्रशासन ने स्थानीय ग्राम रक्षक, सरपंच, सचिव और रोजगार सहायकों को अलर्ट रहने के निर्देश दिए हैं।

बाढ़ की आशंका वाले गांव

लांजी क्षेत्र में छोटी बाघ नदी, बड़ी बाघ, सोन नदी के किनारे बसे बहेला, परसोड़ी, बापड़ी, सिंगोला, देवलगांव, लाडसा, उमरी, सावरी, चिखलामाली, डूडवा, टेमनी, कान्द्रीकला, कोचेवाही, लफरा, पौसेरा, चिलोरा जैसे गांवों में बाढ़ का खतरा बना हुआ है। लगातार बारिश और डैमों से पानी छोड़े जाने के कारण इन गांवों में सतर्कता बरतने की जरूरत है।

प्रशासन का निरीक्षण और राहत कार्य

बालाघाट कलेक्टर के निर्देश पर प्रशासन, पुलिस और बाढ़ आपदा प्रबंधन टीमें अलर्ट मोड पर हैं। एसडीएम कमल चंद सिंहसार, एसडीआरएफ, होमगार्ड और पुलिस ने बहेला सहित कई गांवों का दौरा किया। प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। कोटेश्वर धाम, कटंगनाला और लांजी-आमगांव मार्ग का निरीक्षण कर स्थानीय अमले को सतर्क रहने के निर्देश दिए गए। एसडीएम ने लोगों से नदी-नालों के किनारे न जाने, मवेशियों को वहां न ले जाने और किसी भी आपात स्थिति में प्रशासन को सूचित करने की अपील की। लांजी क्षेत्र में भारी बारिश के कारण उत्पन्न बाढ़ की स्थिति को नियंत्रित करने के लिए प्रशासन सक्रिय है, लेकिन कटंगनाला जैसे महत्वपूर्ण मार्गों पर उच्चस्तरीय पुलों की कमी जनता के लिए परेशानी का सबब बनी हुई है। स्थानीय लोग जल्द से जल्द समाधान की मांग कर रहे हैं।

वनांचल क्षेत्र के लोगों को वनाधिकार पट्टा सहित शासकीय योजना का लाभ दिये जाने प्रशासनिक अधिकारियों ने ली बैठक

लांजी (पद्मेश न्यूज)। जनपद पंचायत लांजी के सभागार में 26 जुलाई को दोपहर 12 बजे से लांजी राजस्व विभाग, पुलिस विभाग एवं वन विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारियों की संयुक्त बैठक का आयोजन किया। जिसका प्रमुख उद्देश्य लांजी क्षेत्र के ऐसे हितग्राही जिन्हे वनाधिकार पट्टा सहित शासकीय योजना का लाभ दिया जाना है जो कि146 एकल सुविधा केन्द्रो के माध्यम से यह प्रक्रिया पूर्ण होगी। पुलिस अधीक्षक आतित्य मिश्रा के निर्देशन एवं मार्गदर्शन में एसडीओपी लांजी ओमप्रकाश भापुसे, एसडीओपी परसवाड़ा एसडीएम कमलचंद सिंहसार, उपवनमण्डलाधिकारी राकेश अड़कने, सीईओ रामगोपाल यादव, थाना प्रभारी लांजी, बहेला, किरनापुर, सहित लांजी किरनापुर क्षेत्र के समस्त थाना प्रभारी, राजस्व अमला एवं वन अमला उपस्थित रहा। बैठक में हितग्राहियो को वन अधिकार पट्टा एवं स्थाई, जाति प्रमाण पत्र बनाये जाने को लेकर आवश्यक चर्चायें कि गई। साथ ही यह सुनिश्चित किया गया कि जल्द से जल्द हितग्राहियों को उक्त योजना के तहत लाभ मिल सके।

इनका कहना है

इस संबध में लांजी अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कमलचंद सिंहसार के द्वारा बताया गया कि 26 जुलाई को वन विभाग, पुलिस विभाग, तथा राजस्व एवं ग्राम पंचायत सचिवों की वनाधिकारी पट्टा को लेकर बैठक आयोजित की गई। पुलिस विभाग के द्वारा वनाधिकारी पट्टे को लेकर काफी हितग्राहियो को संकलित कर रही है साथ ही जो आवश्सक दस्तावेज बनाये जाने है वन क्षेत्रो के लोगो के लिये उस हेतु भी पुलिस विभाग मेहनत कर रहा है। जिस हेतु राजस्व एवं वन विभाग के सहयोग को लेकर इस संयुक्त बैठक का आयोजन किया गया था। बैठक में दिशा निर्देश दिये गये कि कैसे विभाग को कार्य करना है, किन दस्तावेजो की आवश्यकता होगी, कैसे जनता को लाभ दिया जाये इन सभी कार्यो के लिये दिशा निर्देश दिये गये है। आपने यह भी बताया कि वन क्षेत्र में 2005 से पहले निवासरत लोग काबिज है उन्हे वनाधिकारी पट्टे का लाभ दिया जायेगा।

नगर के बालाघाट मार्ग पर जलभराव की समस्या

नगर परिषद की लापरवाही से जनता परेशान

लांजी (पद्मेश न्यूज)। लांजी नगर में बालाघाट मार्ग पर बरसाती पानी की निकासी की समुचित व्यवस्था न होने के कारण स्थानीय निवासियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बारिश के मौसम में जलभराव की समस्या इस कदर बढ़ गई है कि लोगों के घरों में पानी घुस रहा है, जिससे उनकी संपत्ति को नुकसान हो रहा है और दैनिक जीवन प्रभावित हो रहा है।

लंबे समय से अनसुनी मांगें

स्थानीय निवासियों का कहना है कि इस समस्या के समाधान के लिए नगर परिषद के उपयंत्री अमित नगपुरे को कई बार लिखित और मौखिक रूप से निवेदन किया गया। इसके अलावा, समाचार पत्रों के माध्यम से भी इस मुद्दे को बार-बार उठाया गया। निवासियों ने मांग की थी कि गर्मी के मौसम में ही पानी निकासी के लिए पाइपलाइन डालकर स्थायी समाधान किया जाए। हालांकि, उपयंत्री ने इन मांगों को अनसुना कर दिया और कोई ठोस कदम नहीं उठाया।

नगर परिषद उपाध्यक्ष का धरना प्रदर्शन

इस समस्या को लेकर नगर परिषद लांजी के उपाध्यक्ष संदीप रामटेक्कर ने धरना प्रदर्शन भी किया था। उन्होंने स्थानीय विधायक राजकुमार कर्राहे के समक्ष इस मुद्दे को उठाया, जिसके बाद उपयंत्री अमित नगपुरे ने सभी कार्य समय पर पूरे करने का आश्वासन दिया था। लेकिन इस आश्वासन का कोई परिणाम नहीं निकला और पानी निकासी की समस्या जस की तस बनी रही।

जलभराव से घरों में नुकसान

बीती रात हुई तेज बारिश ने बालाघाट मार्ग पर स्थिति को और गंभीर कर दिया। मार्ग पर समुचित जल निकासी व्यवस्था न होने के कारण कई मकानों में पानी घुस गया। स्थानीय निवासी सुरेश सोलंकी के घर में पानी भरने से उनका फर्नीचर भीग गया, जिससे उन्हें आर्थिक नुकसान के साथ-साथ भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। इसी तरह, डॉ. शकील अहमद की चाल के कुछ कमरों में भी पानी भर गया, जिससे उनका दैनिक जीवन प्रभावित हुआ।

नगर परिषद का ढीला रवैया

सुबह जब लोगों ने नगर परिषद में शिकायत की, तो कुछ मजदूरों को भेजकर पाइपों की सफाई का दिखावा किया गया। हालांकि, दिन में बारिश थमने के कारण मकानों में भरा पानी धीरे-धीरे निकल सका। निवासियों का कहना है कि यदि समय रहते जल निकासी की समुचित व्यवस्था की गई होती, तो इस तरह की परेशानी से बचा जा सकता था।

स्थानीय निवासियों में आक्रोश

बालाघाट मार्ग के निवासियों में नगर परिषद की लापरवाही को लेकर गहरा आक्रोश है। उनका कहना है कि बारिश के मौसम में हर साल जलभराव की समस्या से जूझना पड़ता है, लेकिन नगर परिषद इस दिशा में कोई स्थायी समाधान नहीं कर रही। स्थानीय निवासी हनीफ भाई ने कहा, वर्षा से पहले पानी निकासी के उचित प्रबंध किए जाने चाहिए थे, ताकि हमें यह दिन न देखना पड़े। वहीं, एक अन्य निवासी भवानी किरनापुरे ने बताया कि जलभराव के कारण हमारे घरों के आसपास महीने भर से पानी भरा हुआ है। घर की दीवारें बैठ रही है और उनमें दरारें आ रही है। लम्बे समय से पानी भरे होने मच्छर पनप रहे हैं एवं बीमारियों का खतरा भी बढ़ रहा है।

नगर परिषद की नाकामी

लांजी नगर परिषद की नाकामी का यह कोई पहला मामला नहीं है। इससे पहले भी कचरा निपटान और खुले में कचरा जलाने की समस्या को लेकर नगर परिषद की कार्यशैली पर सवाल उठ चुके हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि नगर परिषद के दावे और योजनाएं कागजों तक ही सीमित रह जाती हैं, जबकि जमीनी स्तर पर कोई बदलाव नहीं दिखता।

आगे क्या?

निवासियों ने मांग की है कि नगर परिषद तत्काल प्रभाव से बालाघाट मार्ग पर जल निकासी की स्थायी व्यवस्था करे। साथ ही, उपयंत्री अमित नगपुरे की जवाबदेही तय की जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की लापरवाही न हो। स्थानीय विधायक राजकुमार कर्राहे से भी लोगों ने इस मामले में हस्तक्षेप करने की अपील की है। यदि समय रहते इस समस्या का समाधान नहीं किया गया, तो लांजी नगर के निवासियों का आक्रोश और बढ़ सकता है, और वे बड़े स्तर पर विरोध प्रदर्शन की योजना बना सकते हैं। फिलहाल, बालाघाट मार्ग के निवासी बारिश के मौसम में हर दिन जलभराव और असुविधा का सामना करने को मजबूर हैं। लांजी नगर परिषद की लापरवाही और समय पर कार्य न करने की प्रवृत्ति ने बालाघाट मार्ग के निवासियों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। जलभराव की समस्या न केवल लोगों के दैनिक जीवन को प्रभावित कर रही है, बल्कि बीमारियों का खतरा भी बढ़ा रही है। नगर परिषद को चाहिए कि वह तत्काल इस दिशा में ठोस कदम उठाए और जल निकासी की स्थायी व्यवस्था सुनिश्चित करे, ताकि भविष्य में इस तरह की परेशानियों से बचा जा सके।

कोटेश्वर महादेव मंदिर के गर्भगृह मे भरा पानी

प्राकृतिक रूप से भगवान कोटेश्वर का हुआ जलाभिषेक, रास्ता जलमग्न होने पर भी मंदिर पहुंच रहे भक्त

लांजी (पद्मेश न्यूज)। क्षेत्र में हो रही लगातार बारिश के चलते, लांजी के प्रसिद्ध भगवान कोटेश्वर के गर्भगृह में पानी प्रवेश कर गया। शुक्रवार की रात्रि से हो रही बारिश के कारण, मंदिर जाने वाले मार्ग पर प?ने वाले काशीनाला पुल के ऊपर से पानी बह रहा है, लेकिन, सावन के इस मास में भगवान शिव का जलाभिषेक करने का उत्साह, भक्तो में कम नहीं पड़ा और भक्तों ने मंदिर पहुंचकर, भगवान का जल अर्पित किया। हालांकि मंदिर पुजारी उदितपुरी गोस्वामी ने भक्तों से गर्भगृह और आसपास जलभराव को देखते हुए भक्तों से कम संख्या में आने की अपील करते हुए प्राकृतिक जल के गर्भगृह में प्रवेश कर जाने को भगवान कोटेश्वर का मां गंगा से जलाभिषेक का सुखद और दुर्लभ दर्शन बताया। कोटेश्वर धाम के गर्भगृह और आसपास भरे पानी के बावजूद, भक्तो के दर्शन के लिए मंदिर पहुंचने की स्थिति को देखते हुए सुरक्षा कारणों से मंदिर के गेट को बंद कर दिया गया है। दरअसल, पूरे जिले में विगत दिनों से लगातार हो रही बारिश के चलते केवल अकेले लांजी में बीते 24 घंटे में साढ़े चार इंच बारिश हुई है। जिससे क्षेत्र में जहां लांजी से घोटी मार्ग पर कटंगनाला की पुल पर पानी होने से रास्ता अवरुद्ध है। वहीं क्षेत्र के बहेला में छोटी बाघ नदी का पानी ग्राम की ओर बढ़ रहा है। हालांकि जहां जिस ओर बाघ का पानी बह रहा है, वहां कोई आवासीय मकान नहीं है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रो में जलभराव जैसी अभी कोई स्थिति निर्मित नहीं है, लेकिन बहेला से गोर्रे मार्ग के पुल पर पानी होने से मार्ग में सुरक्षा की दृष्टि से आवागमन बंद कर दिया है। लगातार बारिश के चलते लांजी नगर परिषद में बारिश के पानी की समुचित निकासी नहीं होने से लोगों के घरो के पास पानी जमा हो रहा है। जिससे लोगों को परेशानी हो रही है।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

एमपी अजब है, गजब है

जीवन ज्योति बीमा योजना में फर्जी डेथ सार्टिफिकेट के आधार पर की गई करोड़ो की धोखाधड़ी

भोपाल। आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (ईओडब्ल्यू) ने ग्वालियर-चम्बल संभाग में शासन द्वारा संचालित की जा रही प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना में फर्जीवाड़ा कर करोड़ो की ठगी करने वाले बेहद शातिर गिरोह के सदस्यो के खिलाफ धोखाधड़ी सहित अन्य धाराओ में मामला कायम किया है। गिरोह ने ग्वालियर चम्बल संभाग में जीवन ज्योति बीमा योजना में जिंदा लोगो को मरा बताकर और मृतको को जीवित बताने के बाद दोबारा मरा हुआ बताकर बीमा रकम लेकर करोड़ो की ठगी की है। विभाग द्वारा जारी प्रेस-विज्ञप्ति में दी गई जानकारी के अनुसार ईओडब्ल्यू को शिकायत मिली थी, कि ग्वालियर चम्बल संभाग में कुछ जालसाज गिरोह बनाकर जीवन ज्योति बीमा योजना में फर्जी मृत्यु प्रमाण पत्रों के आधार पर करोड़ो का गबन कर रहे है। ईओडब्ल्यू इकाई ग्वालियर ने जब शिकायत की जॉच शुरु की तो चौकाने वाले खुलासे हुए। जांच में सामने आया की भारत सरकार की जीवन ज्योति बीमा योजना महत्वाकांक्षी सामाजिक सुरक्षा योजना है। इस योजना में गरीब व निम्न वर्ग के व्यक्तियों को प्राकृतिक आकस्मिक मृत्यु होने पर केवलत 430 रूपये प्रतिवर्ष प्रीमियम पर 18 वर्ष से 56 वर्ष के आयु के व्यक्तियों को 2 लाख रूपये का बीमा सुरक्षा प्रदान की जाती है। और बैंकों एवं ऑनलाइन माध्यम से पात्र व्यक्ति आवेदन कर सकते है, बीमाधारक की मृत्यु होने पर 2 लाख रूपये का भुगतान नॉमिनी के खाते में होता है। ईओडब्ल्यू ग्वालियर चम्बल संभाग में काम करने वाली न्यू इंडिया इंश्योरेंस, स्टार यूनियन डाई इची लाइफ इंश्योरेंस,भारतीय एक्सा लाइफ इंश्योरेंस, आईसीआईसीआई प्रुडेंशियल लाईफ इंश्योरेंस, मैक्सेस लाईफ इंश्योरेंस, यूनाटेड इंडिया इंश्योरेंस, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस और एलआईसी इंडिया कंपनियो से जनवरी 2020 से दिसम्बर 2004 तक पॉच सालो के दौरान इससे संबधित ऐसे प्रकरणों की जानकारी मांगी जिनका 2 लाख का बीमा क्लेम का भुगतान नामिनी के खाते में किया गया है। शुरुआती तौर पर विभाग को मैक्स लाइफ इंश्योरेंस द्वारा 325 और एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस दोनो कंपनियो द्वारा 878 प्रकरणों सहित कुल 1004 ऐसे क्लेम प्रकरणों के दस्तावेज सौपें गये, जिनमें लगभग 20 करोड रूपये का भुगतान मृतको के नॉमिनी को दिया गया है। वहीं अन्य इंश्योरेंस कंपनियों से जानकारी (रिकार्ड) प्राप्त करने की प्रक्रिया चल सही हैं।

ग्वालियर में 5 मामलो की हुई जॉच, सभी पाये गये फर्जी

डेथ सार्टिफिकेट ग्वालियर से बनवाया, तीन नामजद के खिलाफ एफआईआर

मैक्स लाइफ इंश्योरेंस कंपनी से मिले 325 बीना क्लेम प्रकरणों में से अभी तक 5 बीमा क्लेम प्रकरणों की जांच पूरी की गयी है। जिसमें सामने आया की इन सभी क्लेम प्रकरणों में जीवित व्यक्तियों नदीम, इरशाद नसीना, सिमरन और कृष्णा शंखवार के जीवित रहते हुए, उनके फर्जी मृत्यु प्रमाण-पत्र नगर निगम ग्वालियर से बनवाकर मैक्स लाइफ इंश्योरेंस से प्रत्येक प्रकरण में 2-2 लाख रूपये का बीमा क्लेम धोखाधड़ी कर हासिल किया गया। जॉच के आधार पर आरोपी जिग्नेश प्रजापति, दीपमाला मिश्रा, विवेक दुबे, (कर्मचारी मैक्स लाइफ) सहित उनके दो अन्य साथियो के खिलाफ धारा 420, 467, 468, 471, 120बी के तहत एफआईआर दर्ज की गई है।

ग्वालियर में जीवित लोगो का कागजो में मार दिया जाता

इस संगठित गिरोह में जिग्नेश प्रजापति, दीपमाला मिश्रा विवेक दुबे एवं उनके अन्य साथी शामिल है। आरोपी जीवित व्यक्तियों को उनकी जानकारी के बिना उनके दस्तावेज आधार कार्ड, वोटर कार्ड सहित अन्य दस्तवेज लोन दिलाने का लालच देकर और दीपमाला मिश्रा द्वारा एंटी करप्शन फाउंडेशन ऑफ वर्ड नामक संस्था में जुड़कर उसका संस्था का सदस्य बनाये जाने का कहते हुए ले लेते थे। अपना शिकार बनाने के लिये गिरोह गरीब एवं कम-पड़े लिखे व्यक्तियों को तलाश करते थे। बाद में उनका फर्जी मृत्यु प्रमाण-पत्र नगर निगम ग्वालियर से बनवाते थे। वहीं आरोपी लोन के लालच में फंसाये गये लोगो से उनकी बैंक एकाउंट पासबुक, एटीएम, पासबुक, नामिनी के हस्ताक्षर कराकर पहले ही अपने पास रख लेते थे। बाद में क्लेम भुगतान होने पर बैंक या एटीएम के जरिये सारी रकम खुद ही हासिल कर लेते।

मुरैना में मृतको को जिंदा बताकर फिर मृतक बताया जाता

फिर क्लेम के लिये फर्जी डेथ सार्टिफिकेट तैयार कराये

जिला मुरैना-भिण्ड में इंश्योरेंस कंपनी से मिले पॉचो बीमा क्लेम प्रकरणों की जांच करने पर वह भी गलत पाये गये। इन मामलो की पड़ताल में सामने आया की अरुण कुशवाह, राजाबेटी, सीमाबाई, कल्याण माहौर, सुनीताबाई की मृत्यु पूर्व में ही हो चुकी थी। गिरोह ने उनको जीवित बताकर उनका प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना में पंजीकरण करवाया। बाद में उनका पुन: फजी मृत्यु प्रमाण-पत्र बनाकर एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस कंपनी से प्रत्येक प्रकरण में 2-2 लाख का बीमा क्लेम हासिल कर लिया। इस मामले में आरोपी मानसिंह कुशवाह बब्लेश किरार (बीमा एजेंट), प्रदीप कुशवाह रिंकू सिंह कुशवाह, सगुनी कुशवाह, सूरजराम कुशवाह (पंचायत सचिव) के खिलाफ भी धारा 420, 467, 468 471. 120बी एवं का मामला कायम किया गया है।

भिण्ड में बीमा एंजेट कर रहे थे जिंदा को मरा और मृतक को जीवित बताने का खेल

पंचायत सचित की मदद से बन रहे थे फर्जी डेथ सार्टिफिकेट

भिण्ड में जब टीम ने क्लेम मामलो की जॉच की तब पता चला की बलवीर सिंह राठौर, लक्ष्मण श्रीवास (जीवित) और शशी विमल, संजूबाई, अरविंद नामक व्यक्तियों में से 4 की मृत्यु पूर्व में हो चुकी थी। लेकिन उनको जीवित बताकर उनका प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना में पंजीकरण कर उनका पुन फर्जी मृत्यु प्रमाण-पत्र तैयार करवाया गया। वहीं गिरोह ने लक्ष्मण श्रीवास का जीवित रहते हुए फर्जी मृत्यु प्रमाण-पत्र बनवाकर एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस से 2-2 लाख रुपये का कुल 10 रूपये का बीमा क्लेम नॉमिनी अथवा जीवित व्यक्ति की जानकारी के बिना हासिल किया गया।

पड़ताल में सामने आया की आरोपियों में कुछ बीमा ऐजेन्ट भी शामिल है, जो पंचायत सचिव से मिलकर ऐसे व्यक्तियों की तलाश करते जिनकी मृत्यु हो चुकी थी। उनके परिजनों को बीमा राशि या सरकार से आर्थिक सहायता दिलाने के नाम पर दस्तावेज हासिल करते और पहले मृतक को जीवित दिखाकर उसका बैंक एकाउन्ट खोल लेते। बाद में गिरोह उसे मरा बताकर फर्जी मृत्यु प्रमाण-पत्र तैयार कराकर बीना क्लेम हासिल कर लेते। इस मामले में आरोपी बालेन्द्र सिंह कुशवाह, सतीश परिहार, निखिल विमल, भोलू मोजू सिंह एवं पंचायत सचिव सूरताम कुशवाहा सहित अन्य के विरुद्ध खिलाफ ईओडब्ल्यू में धारा 420, 467, 468, 471, 120बी सहित अन्य धाराओ में एफआईआर दर्ज की है।

प्रदेश में अगले दो महीने तक नहीं होगी किसी की पदोन्नति

- उच्च न्यायालय में 25 सितंबर को होगी याचिका पर सुनवाई

भोपाल । प्रदेश में अगले दो महीने तक नए पदोन्नति नियम के तहत किसी भी शासकीय सेवक की पदोन्नति नहीं होगी। क्योंकि पदोन्नति नियम 2025 के खिलाफ लगाई गई याचिका पर उच्च न्यायालय में सुनवाई 25 सितंबर को होगी। उच्च न्यायालय द्वारा 7 जुलाई को पदोन्नति नियम 2025 पर रोक लगाते हुए सुनवाई के लिए 15 जुलाई की तिथि निर्धारित की थी, लेकिन सुनवाई टल गई। अब सुनवाई की नई तिथि तय हुई है। दरअसल, प्रदेश सरकार ने 9 साल से बंद पदोन्नति प्रक्रिया को शुरू करने के लिए सपाक्स और अजाक्स कर्मचारी संगठनों से चर्चा के बाद 'पदोन्नति नियम 2025' लागू किया। पिछले महीने कैबिनेट से मंजूरी मिलने के बाद पदोन्नति की प्रक्रिया भी शुरू हो गई थी, लेकिन सरकारी कर्मचारी स्वाति तिवारी और दीप्ति परिहार ने 29 जून को उच्च न्यायालय में याचिका दायर कर नए पदोन्नति नियम को चुनौती दी गई थी। जिस पर उच्च न्यायालय ने 7 जुलाई को सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से बताया गया कि पदोन्नति नियम 2025 और पदोन्नति नियम 2002 में कोई भिन्नता नहीं है। उच्च न्यायालय ने नए पदोन्नति नियम पर रोक लगाते हुए राज्य सरकार से 15 जुलाई तक दोनों नियमों में भिन्नता की जानकारी मांगी गई। लेकिन 15 जुलाई को सुनवाई टल गई। 25 जुलाई को उच्च न्यायालय ने सुनवाई की अगली तिथि 25 सितंबर निर्धारित की है। हालांकि सरकार चाहे तो न्यायालय से तत्काल सुनवाई की मांग कर सकती है।

मप्र में 10 लाख से अधिक कुपोषित

भोपाल । मप्र में कुपोषण बड़ी समस्या बन गया है। सरकार की कोशिशों के बावजूद कुपोषण रूक नहीं रहा है। आलम यह है कि प्रदेश में 66 लाख बच्चों में से 10 लाख से अधिक कुपोषित हैं, जिनमें 1.36 लाख गंभीर रूप से पीड़ित हैं। कुपोषण की भयावह स्थिति पर चिंता जताते हुए हाईकोर्ट की चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा व जस्टिस विनय सराफ की युगलपीठ ने राज्य के सभी जिलों के कलेक्टरों को कुपोषण की वास्तविक स्थिति पर चार सप्ताह में स्टेटस रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही राज्य शासन व मुख्य सचिव को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है।

दरअसल, प्रदेश में कुपोषण की भयावह स्थिति को लेकर एक जनहित याचिका जबलपुर निवासी दिपांकर सिंह द्वारा दायर की गई, जिनकी ओर से अधिवक्ता अमित सिंह सेंगर, अतुल जैन, अनूप सिंह सेंगर व

हाईकोर्ट ने कलेक्टरों से मांगी स्टेटस रिपोर्ट

कोविदा त्रिपाठी ने पक्ष रखा। याचिका में कहा गया कि शासन-प्रशासन केवल कागजी आंकड़ों के आधार पर वास्तविक तस्वीर को छिपा रहा है, जबकि सच्चाई बेहद गंभीर है। प्रदेश में 66 लाख बच्चों में से 10 लाख से अधिक कुपोषित हैं, जिनमें 1.36 लाख गंभीर रूप से पीड़ित हैं। वहीं महिलाओं में एनीमिया की दर 57 प्रतिशत है। जबलपुर में 1.80 करोड़ रुपये का किराया आंगनबाड़ी केंद्रों को दिया गया, जबकि बच्चों की उपस्थिति बहुत कम है। रीवा में पोषण आहार को पैरों से रौंदकर बनाए जाने का वीडियो और विदिशा में लंबाई बढ़ाकर झूठी रिपोर्ट भेजने जैसे मामले भी अदालत में पेश किए गए। कोर्ट ने इन हालातों को गंभीर मानते हुए जमीनी सच्चाई को दर्शाने वाली रिपोर्ट को अनिवार्य बताया है। पोषण ट्रेकर 2.0 और स्वास्थ्य सर्वे के अनुसार प्रदेश कुपोषण में देश में दूसरे स्थान पर है। याचिकाकर्ता ने बताया कि पोषण आहार में प्रोटीन व विटामिन की भारी कमी है, जिससे बच्चे ठिगने और दुर्बल हो रहे हैं। 2025 में अंडरवेट बच्चों की संख्या में तीन प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। गर्भवती महिलाओं, किशोरियों व शिशुओं को दिए जाने वाले पोषण आहार में वितरण व परिवहन स्तर पर भारी अनियमितता की शिकायतें मिली हैं। कैग रिपोर्ट में भी पोषण आहार में 858 करोड़ रुपए के भ्रष्टाचार की बात सामने आई है।

एमपी या मप्र लिखने से राज्य का नाम नहीं बदलता

मध्यप्रदेश हाई कोर्ट की मुख्य न्यायाधीश संजीव सचदेवा और न्यायमूर्ति विनय सराफ की युगलपीठ ने स्पष्ट किया कि मध्यप्रदेश को मप्र या एमपी लिखने से उसका नाम नहीं बदलता, बल्कि इससे पहचान आसान होती है। कोर्ट ने इस संबंध में दायर जनहित याचिका को निरस्त कर दिया। भोपाल निवासी वीके नस्वा ने याचिका दायर कर कहा था कि राज्य का संवैधानिक नाम मध्यप्रदेश है, फिर भी 90 प्रतिशत लोग बोलचाल और 80 प्रतिशत लोग लिखित में एमपी या मप्र कहते हैं। कोर्ट ने कहा कि संक्षिप्त रूप लेखन को तेज और सुविधाजनक बनाते हैं। जैसे अमेरिका को यूएसए और यूनाइटेड किंगडम को यूके कहा जाता है, वैसे ही एमपी कहना भी गलत नहीं। कोर्ट ने टिप्पणी की कि याचिकाकर्ता यह स्पष्ट नहीं कर सके कि इसमें क्या जनहित निहित है, इसलिए याचिका खारिज की जाती है।

एमपी विधानसभा मानसून सत्र की तैयारी पूरी

सचिवालय को मिले 3377 प्रश्न, हेमंत खंडेलवाल की सीट में हुआ बदलाव, अब पहली पंक्ति में बैठेंगे बैतूल विधायक

भोपाल। मप्र विधानसभा में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व विधायक हेमंत खंडेलवाल की सीट में बदलाव किया गया है। हेमंत अब विधानसभा में पहली पंक्ति में बैठेंगे। मध्य प्रदेश विधानसभा के मानसून सत्र की तैयारी पूरी हो गई है। इस सत्र में विधानसभा सचिवालय को 3377 प्रश्न मिले है।

एमपी विधानसभा का मानसून सत्र सोमवार से शुरू होगा। इसे लेकर तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। विधानसभा सचिवालय को 3377 प्रश्न मिले है। 191 ध्यानाकर्षण की सूचनाएं और एक स्थगन प्रस्ताव मिला है। वहीं नए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद हेमंत खंडेलवाल की सीट में बदलाव किया गया है। बैतूल विधायक हेमंत अब विधानसभा की पहली पंक्ति में बैठेंगे।

अनुपूरक बजट पेश करेगी सरकार

इस मानसून सत्र में डॉ. मोहन यादव की सरकार अपना पहला अनुपूरक बज टपेश करेगी। जो लगभग 10000 करोड़ का होगा। वहीं मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने विधानसभा सत्र की तैयारी को लेकर अधिकारियों को निर्देश भी दिए हैं। उन्होंने कहा कि प्रश्नों की सही तरीके से तैयारी कर मंत्रियों को अवगत कराएं।

12 दिवसीय सत्र में 10 बैठकें

आपको बता दें कि मध्यप्रदेश विधानसभा का मानसून सत्र 28 जुलाई से शुरू होगी, जो 8 अगस्त तक चलेगी। 12 दिवसीय सत्र में कुल 10 बैठकें होंगी। 2 अगस्त शनिवार और 3 अगस्त रविवार को अवकाश रहेगा। इस सत्र में कई विधेयक और अनुपूरक बजट पेश किया जाएगा।

आईपीएस सोनाली मिश्रा बनेंगी विशेष पुलिस महानिदेशक

भोपाल। केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर जाने से पहले अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक सुश्री सोनाली मिश्रा 1 अगस्त को विशेष पुलिस महानिदेशक बनेंगी। इसी महीने 1989 बैच के आईपीएस जेल महानिदेशक गोविंद प्रताप सिंह सेवानिवृत्त हो रहे हैं। ऐसे में विशेष पुलिस महानिदेशक के पद पर 1993 बैच की सोनाली मिश्रा पदस्थ होंगी। सोनाली मिश्रा संभवतः अगले महीने केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर जा सकती हैं। वे महानिदेशक रेल सुरक्षा बल (आरपीएफ) का दायित्व संभालेंगे। उनके कार्यमुक्त होने के बाद 1993 बैच के ही अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक रेल रवि गुप्ता विशेष पुलिस महानिदेशक बनेंगे। अगले महीने 1991 के आईपीएस योगेश मुद्गल भी सेवानिवृत्त होंगे। मुद्गल विशेष पुलिस महानिदेशक तकनीकी सेवा पुलिस मुख्यालय में पदस्थ हैं। ऐसे में महानिदेशक का एक और पद खाली होने पर 1993 बैच के ही आईपीएस अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक चयन एवं भर्ती संजीव शमी विशेष पुलिस महानिदेशक बनेंगे।

हरिशंकर मोहंता आईएफएस एसोसिएशन के अध्यक्ष

भोपाल। अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक हरिशंकर मोहंता आईएफएस एसोसिएशन के अध्यक्ष बनाए गए हैं। इसके पहले वीएस अन्नागिरी एसोसिएशन के अध्यक्ष थे। एसोसिएशन की उपाध्यक्ष सतपुड़ा टाइगर रिजर्व की संचालक राखी नंदा, वन विहार डायरेक्टर विजय कुमार को सचिव और विदिशा डीएफओ हेमंत यादव को सह सचिव बनाया है। उधर, आईएफएस एसोसिएशन के अध्यक्ष के साथ एक अगस्त से वन बल प्रमुख की जिम्मेदारी भी नए अफसर संभालने वाले हैं। आईएफएस एसोसिएशन विभागीय समन्वय, सेवा हितों की रक्षा, पारस्परिक संवाद और वन अधिकारियों के संगठनात्मक हितों के लिए कार्य करता है। इसी के चलते आईएफएस आफिसर्स के सेवा संबंधी मामलों में संरक्षण देने और समन्वय बनाने का काम एसोसिएशन द्वारा किया जाता है।

भाजपा पार्षद को मिली जान से मारने की धमकी

- शिकायत में कहा घर से निकलने में लगता है डर

भोपाल(ईएमएस)। राजधानी भोपाल के वार्ड-48 से भाजपा पार्षद अरविंद कुमार वर्मा ने चूनाभट्‌टी थाने में शिकायती आवेदन दिया है। उनका कहना है की अवैध गुमटियों का मुद्दा उठाने पर उन्हें धमकी दी गई है। जिससे उनका परिवार काफी डरा हुआ है, और उन्हें घर से निकलने में डर लगता है। अपनी शिकायत में अरविंद कुमार ने बताया की अहिल्याबाई चौराहे पर होर्डिंग को लेकर राहुल मीणा नामक व्यक्ति ने उन्हें मोबाइल पर कॉल करके दुर्व्यवहार करते हुए जान से मारने की धमकी दी है। पार्षद का यह भी कहना है कि सितंबर-2024 में भी राहुल और उसके परिवार ने मुझ पर हमला किया था। उसका परिवार 1100 क्वार्टर के सरकारी मकान में कब्जा कर रहा है। धमकी के बाद मेरे परिवार और मेरी जान को खतरा है। घर से निकलने में भी डर लगता है। पार्षद वर्मा ने 24 जुलाई को हुई नगर निगम परिषद की बैठक में शाहपुरा लेक पर कैम्पियन स्कूल के सामने से अतिक्रमण हटाने की मांग की थी। इस मुद्दे पर नगर निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी ने भी आसंदी से कमिश्नर हरेंद्र नारायण को कार्रवाई के आदेश दिए थे। पार्षद वर्मा ने बताया कि यह मांग उठाने के बाद ही धमकी दी गई है। धमकी देने वाले राहुल का कई थानो में अपराधिक रिकार्ड है, और कुछ माह पूर्व ही वह जेल से सजा काटकर आया है। उसने अवैध रूप से गुमटियां रखी हुई हैं। दो साल पहले भी उस पर कार्रवाई की गई थी।

30 जुलाई को कलेक्टरों से फीडबैक लेंगे सीएम

भोपाल। विधानसभा सत्र के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 30 जुलाई को कलेक्टरों और पुलिस अधीक्षकों के साथ समाधान ऑनलाइन कार्यक्रम में शिकायतों के निराकरण की रिपोर्ट लेंगे। इस वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग मीटिंग में शिकायतों का निराकरण करने में देरी करने वाले अफसरों पर कार्रवाई की गाज गिरना तय है। इसे देखते हुए कलेक्टरों ने अपने जिलों में समाधान ऑन लाइन के लिए तय एजेंडे में पेंडेंसी खत्म करने के निर्देश मातहतों को दिए हैं।

समाधान ऑनलाइन

समाधान ऑनलाइन में होगी कम्प्लेंट्स निराकरण में देरी करने वालों पर कार्रवाई

कार्यक्रम में हर माह नागरिकों की समस्याओं की सुनवाई वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से मुख्यमंत्री करते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव 30 जुलाई को जनसमस्याओं की सुनवाई करेंगे। साथ ही सीएम हेल्पलाइन के लंबित प्रकरणों, लोक सेवा गारंटी अधिनियम के अंतर्गत दी जा रही सेवाओं एवं समाधान एक दिवस के विषयों तथा 100 दिवस से अधिक लंबित शिकायतों की समीक्षा भी मुख्यमंत्री करेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव समाधान ऑनलाइन कार्यक्रम में इस बार गृह विभाग अंतर्गत अपराधों की विवेचना में विलंब व लापरवाही करने, समय से प्रकरण में न्यायालय में प्रस्तुत नहीं करने जैसे मामलों की समीक्षा करेंगे। इसके अलावा मध्यप्रदेश असंगठित शहरी व ग्रामीण कर्मकार कल्याण मण्डल संबल योजना के प्रकरणों का भी रिव्यू किया जाएगा। राजस्व विभाग के भूमि के सीमांकन संबंधी मामलों पर चर्चा होगी। विद्युत बिल में गड़बड़ी संबंधी शिकायतों पर हुई कार्रवाई की रिपोर्ट लेंगे। प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना से संबंधित प्रकरणों के निराकरण की स्थिति जानेंगे। मेडिकल कॉलेजों में प्रसूति सहायता योजना में न्यूनतम राशि न मिलने संबंधी समस्याओं की समीक्षा करेंगे। मुख्यमंत्री सरपंच, सचिव व रोजगार सहायकों द्वारा योजनाओं का लाभ दिये जाने के लिए अनुचित राशि की मांग संबंधी शिकायतों पर भी रिपोर्ट लेंगे। सीएम वीडियो कांफ्रेंसिंग मीटिंग में शिष्यवृत्ति व छात्रवृत्ति संबंधी प्रकरणों की समीक्षा भी करेंगे।

सहारा समूह की 310 एकड़ जमीन के मामले में बुरे फंसे बीजेपी विधायक संजय पाठक

मामले में आर्थिक अपराध प्रकोष ने एफआइआर दर्ज की

भोपाल। सहारा समूह की 310 एकड़ बेशकीमती जमीनों की खरीद-फरोख्त में 72.82 करोड़ रुपए के गबन का खुलासा हुआ है। हैरानी की बात ये है कि 310 एकड़ जमीन का बाजार मूल्य करीब 1000 करोड़ था। इस जमीन को पहले 90 करोड़ रुपए में बेचा। इसमें भी 72.82 करोड़ का गबन हुआ। इस मामले में आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (ईओडब्ल्यू) ने एफआइआर दर्ज की है।

जनवरी से अबतक 6 माह में जमीनों के खरीदार और विक्रेता पक्ष से सवाल-जवाब करने के बाद ईओडब्ल्यू ने सहारा के तीन प्रमुख अधिकारियों सहारा प्रमुख सुब्रता रॉय के भाई जेबी रॉय, बेटे सीमांतो रॉय और ओपी श्रीवास्तव सहित अन्य पर केस दर्ज किया है। बता दें, ये जमीनें बिजयराघवगढ़ के भाजपा विधायक संजय पाठक के परिवार की शेयर होल्डिंग कंपनियों के दवारा खरीदी गई है।

कौन है तीनों आरोपी- सीमांतो रॉय, कॉर्पोरेट कंट्रोल मैनेजमेंट सहारा प्रमुख सुब्रत रॉय के बेटे हैं। जबलपुर और कटनी के जमीन सौदे के निर्णय में सीधे तौर पर शामिल थे। जेबी रॉय डिप्टी मैनेजिंग वर्कर सहारा प्रमुख के भाई हैं। भोपाल की जमीन सौदे में सक्रिय भूमिका थी। लंबे समय से विदेश में हैं। ओपी श्रीवास्तव डिप्टी मैनेजिंग वर्कर सहारा के लैंड डिविजन के प्रमुख हैं। इसलिए, जमीनों की खरीद-फरोख्त के मसले में आरोपी बनाया गया। दरअसल सहारा समूह की भोपाल, सागर, जबलपुर, कटनी और ग्वालियर स्थित जमीनों में गबन हुआ है। ईओडब्ल्यू की जांच में खुलासा हुआ है कि भोपाल और सागर में सहारा ने सुप्रीम कोर्ट के आदेशों का उल्लंघन किया। नियमानुसार, जमीन बेचने के बाद पूरी राशि सहारा और सेबी के संयुक्त खाते में जमा करना था। लेकिन 48 करोड़ में जमीन बेचने के बाद भी एक पैसा जमा नहीं किया गया। जबलपुर और कटनी में भूमि विकास व्यय और विविध शासकीय व्यय के नाम पर 9.6 करोड़ से अधिक राशि काट ली गई। ग्वालियर में भी 1.22 करोड़ की राशि काटकर गबन किया गया। सहारा की 310 एकड़ जमीन कौड़ी के दाम में विजयराघवगढ़ से भाजपा विधायक पाठक के परिकर की फर्मों से किया। भोपाल में 110 एकड़ जमीन पाठक की पारिवारिक कर्म सिनाप रियल एस्टेट प्रालि को बेची।

शिवपुरी नगरपालिका के निलंबित उपयंत्री एवं सहायक यंत्री पर एफआईआर

भोपाल। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के निर्देश पर नगरपालिका शिवपुरी के उपयंत्री एवं सहायक यंत्री के विरुद्ध कार्रवाई की गई है। नगरीय प्रशासन आयुक्त संकेत भोंडवे ने बताया कि उपयंत्री एवं सहायक यंत्री के विरुद्ध एफआईआर दर्ज करवाई गई है। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक जांच में शिकायत को सही पाया गया। कोतवाली पुलिस ने शुक्रवार को पटवारी रवि प्रकाश लोधी की शिकायत पर नगरपालिका के उपयंत्री जितेंद्र परिहार, सहायक यंत्री सतीश निगम और ठेकेदार अर्पित शर्मा के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया गया। शिवपुरी कलेक्टर रविंद्र कुमार चौधरी ने प्राप्त शिकायतों पर तत्काल कार्रवाई करते हुए एडीएम शिवपुरी और नगरपालिका सीएमओ की टीमों से भौतिक सत्यापन कराया गया। टीम द्वारा वार्ड क्रमांक 01, 07, 17, 31, 36 व 39 में जाकर जांच की तो यह पाया गया कि 16 लाख 13 हजार 906 रुपए का गिट्टी-डस्ट मटेरियल कम पाया गया। इससे यह स्पष्ट हो गया कि ठेकेदार द्वारा यह मटेरियल नहीं डलवाया गया। उपयंत्री जितेंद्र परिहार और सहायक यंत्री सतीश निगम की मिलीभगत से बिना काम का भुगतान ले लिया गया। इस पर शासन ने गंभीरता से निर्णय लेते हुए कार्रवाई की।

भारत-पाकिस्तान का महामुकाबला 14 और 21 सितंबर को

एशिया कप क्रिकेट 9 से 28 सितंबर के बीच होगा; सभी मुकाबले UAE में होंगे

नई दिल्ली। क्रिकेट का एशिया कप 2025 श्व में खेला जाएगा। टूर्नामेंट 9 सितंबर से शुरू होकर 28 सितंबर तक चलेगा। न्यूज एजेंसी क्क्षद्ध के अनुसार, भारत और पाकिस्तान एक ही ग्रुप में हैं। दोनों के बीच 14 सितंबर को पहला मैच होगा। अगर दोनों टीमें सुपर-4 स्टेज में पहुंची तो यहां भी दोनों के बीच 21 सितंबर को मैच खेला जाएगा। एशिया कप 2025 की मेजबानी भारत को मिली है, लेकिन भारत-पाकिस्तान के खराब संबंध के कारण यह न्यूट्रल वेन्यू पर खेला जाएगा। एशियन क्रिकेट काउंसिल (ष्ष्ट) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने इसकी जानकारी दी है। टूर्नामेंट टी-20 फॉर्मेट में होगा।

नकवी जो पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (क्ष्क्र) के अध्यक्ष भी हैं। उन्होंने पोस्ट किया- मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि ष्ष्ट एशिया कप 2025 अब आधिकारिक रूप से श्व में 9 से 28 सितंबर तक खेला जाएगा। यह एक शानदार टूर्नामेंट होगा और हम सभी को शानदार क्रिकेट देखने को मिलेगा।

भारत का पहला मैच श्व से भारत, पाकिस्तान, ओमान और श्व को एक ही ग्रुप में रखा गया है। श्रीलंका, बांग्लादेश, अफगानिस्तान और हॉन्ग कॉन्ग ग्रुप-बी में हैं। ग्रुप में सभी टीमें एक-दूसरे के खिलाफ 1-1 मैच खेलेंगी। भारत 10 सितंबर को श्व, 14 को पाकिस्तान और 19 को ओमान से भिड़ेगा।

भारत और पाकिस्तान ने अगर सुपर-4 स्टेज में जगह बनाई तो दोनों टीमें फिर एक बार 21 सितंबर को आमने-सामने होंगी। टूर्नामेंट का फाइनल 28 सितंबर को खेला जाएगा। भारत और पाकिस्तान ने सुपर-4 स्टेज में टॉप किया तो दोनों के बीच टूर्नामेंट में तीसरा मुकाबला भी हो सकता है।

पिछला एशिया कप पाकिस्तान ने होस्ट किया था एशिया कप 2023 की मेजबानी पाकिस्तान ने की थी। हालांकि, भारत ने सुरक्षा कारणों से पाकिस्तान का दौरा करने से मना कर दिया था, तब यह हाइब्रिड मॉडल में खेला गया था। भारत के सभी मैच श्रीलंका में हुए थे। भारत ने श्रीलंका को हराकर एशिया कप 2023 का खिताब जीता था।

पहलगाम में आतंकवादी हमले के बाद भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव अप्रैल में पहलगाम में आतंकवादी हमले के बाद भारत की ओर से 6-7 मई को ऑपरेशन सिंदूर चलाया गया था। पहलगाम हमले में 26 लोग मारे गए थे। दोनों देशों के बीच राजनीतिक संबंध खराब हैं। ऐसे में एशिया कप में पाकिस्तान खेलने के लिए भारत नहीं आएगा। इसलिए ष्ष्ट टूर्नामेंट को श्व में कराया जा रहा है।

भारत ने 8 बार जीता एशिया कप एशिया कप की शुरुआत 1984 में हुई थी। अब तक 16 बार यह टूर्नामेंट खेला जा चुका है। भारत ने इसे सबसे ज्यादा 8 बार जीता। वहीं श्रीलंका ने 6 और पाकिस्तान ने 2 बार इस टूर्नामेंट को अपने नाम किया है।

एशिया कप 2025 में ग्रुप स्टेज का शेड्यूल

मैच	कब
अफगानिस्तान vs हॉन्ग कॉन्ग	9 सितंबर
भारत vs UAE	10 सितंबर
बांग्लादेश vs हॉन्ग कॉन्ग	11 सितंबर
पाकिस्तान vs ओमान	12 सितंबर
बांग्लादेश vs श्रीलंका	13 सितंबर
भारत vs पाकिस्तान	14 सितंबर
UAE vs ओमान	15 सितंबर
श्रीलंका vs हॉन्ग कॉन्ग	15 सितंबर
बांग्लादेश vs अफगानिस्तान	16 सितंबर
पाकिस्तान vs UAE	17 सितंबर
श्रीलंका vs अफगानिस्तान	18 सितंबर
भारत vs ओमान	19 सितंबर

एबी डिविलियर्स ने चुनी ऑल टाइम वर्ल्ड इलेवन, सचिन और बुमराह को नहीं मिली जगह

नई दिल्ली। साउथ अफ्रीका के पूर्व विस्फोटक बल्लेबाज़ एबी डिविलियर्स इन दिनों वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स में धमाकेदार प्रदर्शन कर रहे हैं। हाल ही में इंग्लैंड के खिलाफ उन्होंने तूफानी शतक ठोककर क्रिकेट प्रेमियों को एक बार फिर अपने क्लास की झलक दिखाई। मैदान के इस शानदार खेल के बीच डिविलियर्स ने अपनी ऑल टाइम वर्ल्ड इलेवन का ऐलान कर दिया है, जो क्रिकेट प्रेमियों के बीच चर्चा का विषय बन गई है।

सबसे चौंकाने वाली बात ये है कि इस लिस्ट में उन्होंने भारत के सिर्फ दो खिलाड़ियों को शामिल किया है और उसमें न तो 'क्रिकेट के भगवान' सचिन तेंदुलकर हैं और न ही मौजूदा तेज़ गेंदबाज़ जसप्रीत बुमराह। डिविलियर्स की टीम में ओपनिंग की जिम्मेदारी ग्रीम स्मिथ और मैथ्यू हेडन को दी गई है। तीसरे नंबर पर ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज रिकी पोंटिंग को रखा गया है। मिडल ऑर्डर की बात करें तो डिविलियर्स ने विराट कोहली, स्टीव स्मिथ और केन विलियमसन जैसे आधुनिक युग के बड़े नामों को शामिल किया है।

विकेटकीपर के रूप में डिविलियर्स ने एमएस धोनी को चुना है, जो सातवें नंबर पर खेलते हुए मैच फिनिशर की भूमिका भी निभाएंगे। गेंदबाज़ी विभाग में दो तेज गेंदबाज़ और दो स्पिनर को मौका मिला है। मिचेल जॉनसन और पाकिस्तान के मोहम्मद आसिफ को तेज गेंदबाज़ी का जिम्मा सौंपा गया है, जबकि स्पिन में लीजेंड्स शेन वॉर्न और मुथैया मुरलीधरन को शामिल किया गया है। डिविलियर्स की यह टीम अनुभव और आधुनिक क्रिकेट का अनोखा मिश्रण दिखाती है। उन्होंने ग्लेन मैक्ग्रा को 12वें खिलाड़ी के रूप में चुना है। उनकी इस टीम से एक बात साफ हो जाती है कि डिविलियर्स तकनीक, प्रभाव और विविधता को प्राथमिकता देते हैं, भले ही नाम बड़े हों या नहीं।

एबी डी विलियर्स की ऑल टाइम वर्ल्ड इलेवन = ग्रीम स्मिथ (दक्षिणा अफ्रीका), मैथ्यू हेडन (ऑस्ट्रेलिया), रिकी पोंटिंग (ऑस्ट्रेलिया), विराट कोहली (भारत), स्टीव स्मिथ (ऑस्ट्रेलिया), केन विलियमसन (न्यूजीलैंड), एमएस धोनी (भारत), मिशेल जॉनसन (ऑस्ट्रेलिया), मोहम्मद आसिफ (पाकिस्तान), मुथैया मुरलीधरन (श्रीलंका), शेन वार्न (ऑस्ट्रेलिया)। 12वां खिलाड़ी= ग्लेन मैक्ग्रा (ऑस्ट्रेलिया)

अभिषेक नायर को मिला नया जिम्मा, अब यूपी वॉरियर्स के बने हेड कोच

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम को हाल ही में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर टेस्ट सीरीज में हार का सामना करना पड़ा था। इस हार के बाद टीम के कोचिंग स्टाफ में बदलाव की चर्चा तेज हो गई थी और इसी बीच आईपीएल 2025 के दौरान अभिषेक नायर को टीम इंडिया के असिस्टेंट कोच पद से हटा दिया गया। नायर कोचिंग स्टाफ का अहम हिस्सा थे, लेकिन टीम की नाकामी का असर उनके कार्यकाल पर पड़ा। टीम इंडिया से हटते ही नायर ने अपनी पुरानी फ्रेंचाइजी कोलकाता नाइट राइडर्स से दोबारा नाता जोड़ा और अब उन्हें विमेंस प्रीमियर लीग की फ्रेंचाइजी यूपी वॉरियर्स का हेड कोच नियुक्त किया गया है। यूपी वॉरियर्स की ओर से पुष्टि की गई है कि अभिषेक नायर आगामी सीजन में टीम की कमान कोच के तौर पर संभालेंगे। इससे पहले टीम के हेड कोच की भूमिका जोन लुईस निभा रहे थे, जिन्होंने लीग के पहले तीन सीजन तक टीम को गाइड किया। पहले सीजन में वॉरियर्स प्लेऑफ तक पहुंची थी, लेकिन अगले दो सीजन में टीम का प्रदर्शन निराशाजनक रहा और वे लीग स्टेज से ही बाहर हो गईं। हाल ही में जोन लुईस और फ्रेंचाइजी ने अलग होने का फैसला लिया, जिसके बाद नायर को यह बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई है।यूपी वॉरियर्स के सीओओ और क्रिकेट निदेशक क्षेमल वैनगंकर ने कहा कि अभिषेक नायर को कोच बनाना फ्रेंचाइजी के लिए स्वाभाविक और उत्साहजनक कदम है। उन्होंने कहा कि नायर जैसी शख्सियत, जो खिलाड़ियों को तराशने में माहिर हैं, उनके पास अनुभव की गहराई है, जो टीम को विजयी संस्कृति देने में अहम साबित होगी।

सिराज की गेंद पर स्टोक्स की लगी चोट, दर्शक दिखे मुस्कुराते हुए

मैनचेस्टर। भारत और इंग्लैंड के बीच चल रही एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी 2025 के तीसरे दिन एक अजीब लेकिन बेहद दर्दनाक पल देखने को मिला, जब भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज की एक तेजतर्रार डिलीवरी इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स के प्राइवेट पार्ट पर जा लगी। उस समय इंग्लैंड का स्कोर 380 रन पर चार विकेट था और स्टोक्स 13 रन पर बल्लेबाजी कर रहे थे। सिराज ने दूसरी नई गेंद से 91वें ओवर की तीसरी गेंद पर बैक-ऑफ-लेंथ डिलीवरी फेंकी जो भीतर की ओर तेजी से स्विंग हुई। स्टोक्स ने इसे खेलने की कोशिश की, लेकिन गेंद अंदरूनी किनारे से निकलकर सीधे उनके संवेदनशील हिस्से से जा टकराई। गेंद लगते ही स्टोक्स दर्द से तड़पते हुए मैदान पर ही घुटनों के बल बैठ गए और कराहते हुए अपना संतुलन खो बैठे। कुछ क्षणों तक वे उठ भी नहीं सके, लेकिन थोड़ी देर बाद वह हंसते भी दिखे, जिससे माहौल थोड़ी देर के लिए हल्का हो गया।

इस वाकये का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया, जिसमें स्टेडियम में मौजूद दर्शकों के साथ-साथ कमेंट्री बॉक्स की प्रतिक्रिया भी देखने लायक रही। स्टैंड्स में बैठीं दो महिलाएं अपने मुंह को हाथ से छिपाकर हंसती नजर आईं, जबकि कई दर्शक घबरा भी गए। इस दौरान कमेंट्री कर रहे पूर्व भारतीय विकेटकीपर दिनेश कार्तिक ने मजाकिया लहजे में कहा, अगर फिजियो आ जाएं तो उनकी भूमिका क्या होगी? देखते हैं बुलाया जाता है या नहीं, लेकिन इतना जरूर कहूंगा कि स्टोक्स बहुत दर्द में हैं। सीरीज के लिहाज से देखें तो स्टोक्स इस सीरीज में अब तक बल्ले से खास असर नहीं छोड़ पाए हैं। हालांकि, गेंदबाज के तौर पर उन्होंने कुछ योगदान दिया है, लेकिन बल्लेबाजी में वह संघर्ष करते नजर आए हैं और लगातार भारतीय गेंदबाजों के सामने असहज दिखे हैं। इस सीरीज में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले सिराज की यह गेंद भले ही विकेट न दिला सकी, लेकिन उन्होंने कप्तान स्टोक्स को कुछ मिनटों के लिए पस्त जरूर कर दिया। मैदान पर उपस्थित हर दर्शक इस अप्रत्याशित लेकिन यादगार पल का गवाह बना।

जडेजा के खिलाफ सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बने जो रूट

मैनचेस्टर। भारत और इंग्लैंड के बीच चौथे टेस्ट मैच के तीसरे दिन जो रूट ने अपनी क्लासिक बल्लेबाजी से इतिहास रच डाला। 248 गेंदों में 150 रन की इस जबरदस्त पारी के दौरान उन्होंने एक नहीं, बल्कि कई दिग्गजों के रिकॉर्ड तोड़ दिए। रूट ने न केवल राहुल द्रविड़, रिकी पोंटिंग और जैक कैलिस जैसे महान खिलाड़ियों को पीछे छोड़ा, बल्कि श्रीलंका के कुमार संगकारा के 38 टेस्ट शतकों की बराबरी भी कर ली। यह उनका भारत के खिलाफ 12वां टेस्ट शतक था, जो इस बात को दर्शाता है कि वह भारतीय आक्रमण के खिलाफ कितने प्रभावशाली रहे हैं।

हालांकि इस शतक के दौरान एक ऐसा रिकॉर्ड भी बना, जो भले ही ज्यादा चर्चा में न रहा हो, लेकिन टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में अपनी अहम जगह रखता है। रूट अब एक गेंदबाज के खिलाफ टेस्ट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने रवींद्र जडेजा के खिलाफ कुल 588 रन बना लिए हैं, जो किसी भी बल्लेबाज द्वारा एक गेंदबाज के खिलाफ बनाए गए

सबसे ज्यादा रन हैं। इससे पहले यह रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज स्टीव स्मिथ के नाम था, जिन्होंने इंग्लैंड के स्टुअर्ट ब्रॉड के खिलाफ 577 रन बनाए थे। स्मिथ को ब्रॉड ने 11 बार आउट किया, जबकि जडेजा ने रूट को अब तक 9 बार पवेलियन भेजा है।

रूट की यह खास पारी हालांकि जडेजा ने ही खत्म की, जब उन्होंने रूट को विकेटकीपर ध्रुव जुरेल के हाथों स्टंप करवाया। यह सिर्फ दूसरी बार था जब रूट टेस्ट क्रिकेट में स्टंप हुए हों। इससे पहले वह 2023 में एजबेस्टन टेस्ट में नाथन लायन की गेंद पर स्टंप हुए थे। इस तरह जडेजा टेस्ट में रूट को स्टंप करने वाले पहले भारतीय गेंदबाज बन गए। जो रूट ने अपने टेस्ट करियर की शुरुआत भी भारत के खिलाफ ही की थी, जब उन्होंने 13 दिसंबर 2012 को नागपुर में पदार्पण किया था। तब से अब तक उन्होंने 157 टेस्ट मुकाबलों में 38 शतक और 66 अर्धशतक की मदद से 13,409 रन बना डाले हैं। रूट का यह शानदार रिकॉर्ड इस बात का प्रमाण है कि वह टेस्ट क्रिकेट के सबसे सफल बल्लेबाजों में से एक हैं।

सूर्यकुमार और श्रेयंका का डांस वीडियो वायरल, दिखी फिटनेस और जुगलबंदी

नई दिल्ली। क्रिकेट के मैदान में जहां बल्लेबाजों का आकर्षण उनकी तकनीक और फुटवर्क से तय होता है, वहीं सोशल मीडिया पर उनका अंदाज और एनर्जी भी फैंस का दिल जीतने में पीछे नहीं रहता। हाल ही में भारतीय टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव और महिला टीम की ऑलराउंडर श्रेयंका पाटिल का एक डांस वीडियो इंटरनेट पर खूब वायरल हो रहा है। दोनों क्रिकेटर एक डांस चैलेंज में हिस्सा लेते नजर आए, जिसमें वे एक चलते हुए वाहन पर मस्ती के मूड में थिरकते दिखे। इस डांस को पहली बार तब पहचान मिली थी जब एक 11 साल के एशियाई बच्चे ने नाव रेस के दौरान इसे किया और उसकी एनर्जी ने दुनियाभर के दर्शकों का ध्यान खींचा। अब इस ट्रेंड को दोहराते हुए सूर्या और श्रेयंका का वीडियो सोशल मीडिया पर छा गया है।

ऑपरेशन के बाद रिकवरी कर रहे सूर्यकुमार इन दिनों बेंगलुरु स्थित नेशनल क्रिकेट स्टेडियम में अपनी फिटनेस पर काम कर रहे हैं। उन्होंने इंडियन प्रीमियर लीग 2025 और मुंबई टी20 लीग में खेलने के बाद हर्निया की सर्जरी करवाई थी। जल्दी ही वह पूरी तरह फिट होकर भारतीय टीम में वापसी करने वाले हैं। दूसरी ओर, महिला क्रिकेट की उभरती सितारा श्रेयंका पाटिल वीमेंस प्रीमियर लीग 2024 में चोटिल हो गई थीं और इसके बाद वे इंडिया ए टीम के ऑस्ट्रेलिया दौरे में चयनित होने के बावजूद एनसीए का फिटनेस टेस्ट पास नहीं कर पाईं। अब उनका लक्ष्य 2025 वीमेंस वर्ल्ड कप है, जिसके लिए वह खुद को पूरी तरह तैयार करने में जुटी हैं।

यह डांस वीडियो जहां एक ओर दोनों खिलाड़ियों के हल्के-फुल्के अंदाज को दर्शाता है, वहीं यह भी साबित करता है कि क्रिकेटर मैदान के बाहर भी फुर्ती और तालमेल के मामले में किसी से कम नहीं हैं। सूर्या और श्रेयंका की यह जुगलबंदी दर्शकों को काफी पसंद आ रही है और फैंस उन्हें 'बेस्ट डांसिंग क्रिकेट जोड़ी' तक कहने लगे हैं। फिटनेस और मस्ती का यह अनोखा मेल सोशल मीडिया पर लंबे समय तक याद किया जाएगा।

ऋषभ पंत की चोट पर डेविड लॉयड की टिप्पणी से मचा बवाल

नई दिल्ली। भारत और इंग्लैंड के बीच मैनचेस्टर में खेले गए चौथे टेस्ट मैच के दौरान भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को चोट लगने के बाद इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर डेविड लॉयड ने एक विवादित बयान देकर क्रिकेट जगत में नई बहस छेड़ दी है। लॉयड ने एक कार्यक्रम में दावा किया कि मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड स्टेडियम के लीजेंड्स लाउंज में मौजूद कई लोगों को यह शक था कि पंत की चोट उतनी गंभीर नहीं थी, जितनी बताई जा रही थी, और वह इसका फायदा उठा रहे थे। उन्होंने यहां तक कह दिया कि कुछ लोगों की राय में पंत को टाइम आउट कर देना चाहिए था।

गौरतलब है कि टेस्ट के पहले दिन, जब पंत 37 रन पर बल्लेबाजी कर रहे थे, तो उन्होंने क्रिस वोक्स की एक यॉर्कर को रिवर्स स्वीप करने की कोशिश की और इस दौरान गेंद उनके दाहिने पैर के अंगूठे पर लग गई। बाद में जांच में पता चला कि उनके अंगूठे में फ्रैक्चर है। इसके बावजूद पंत ने हिम्मत दिखाई और शार्दुल ठाकुर के आउट होने के बाद दूसरे दिन बल्लेबाजी करने लौटे। उन्होंने दर्द के बावजूद 54 रनों की अहम पारी खेली, जिसकी मैनचेस्टर के दर्शकों और क्रिकेट पंडितों ने जमकर तारीफ की।

हालांकि, डेविड लॉयड की इस टिप्पणी ने लोगों को दो गुटों में बांट दिया है। कुछ लोग पंत की बहादुरी की प्रशंसा कर रहे हैं, वहीं कुछ उनकी चोट को लेकर सवाल उठा रहे हैं। लॉयड ने इस बहाने टेस्ट क्रिकेट में एक बार फिर से गंभीर रूप से चोटिल खिलाड़ियों के लिए वैकल्पिक खिलाड़ी की अनुमति दिए जाने की वकालत की। उन्होंने कहा कि अगर चोट प्रमाणित रूप से गंभीर हो, जैसे पंत का फ्रैक्चर, जिसमें खिलाड़ी हफ्तों तक फिट नहीं हो सकता, तो टीमों को समान भूमिका निभाने वाले खिलाड़ी को उतारने की इजाजत मिलनी चाहिए। हालांकि, लॉयड ने यह भी कहा कि इस नियम को बहुत सोच-समझकर लागू करना होगा, ताकि इसका दुरुपयोग न हो पाए, जैसे बल्लेबाज की जगह स्पिनर को लाना। यह विवाद ऐसे समय में आया है जब ऋषभ पंत की वापसी को भारतीय क्रिकेट में एक सकारात्मक संकेत माना जा रहा है। अब देखना होगा कि लॉयड की इस टिप्पणी से उठी बहस भविष्य में कोई नियम बदलवाती है या नहीं।

जो रूट ने तोड़ा रिकी पोंटिंग का 13 साल पुराना रिकॉर्ड, पोंटिंग ने दी बधाई

नई दिल्ली। इंग्लैंड के स्टार बल्लेबाज जो रूट ने टेस्ट क्रिकेट में इतिहास रचते हुए अब तक के दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज का स्थान हासिल कर लिया है। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग को पीछे छोड़ते हुए यह मुकाम हासिल किया, जिनका रिकॉर्ड पिछले 13 वर्षों से अटूट बना हुआ था। जो रूट अब सिर्फ भारत के महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर से पीछे हैं, जिनके नाम टेस्ट क्रिकेट में 15,921 रन दर्ज हैं, जबकि रूट के अब 13,409 रन हो गए हैं।

मैनचेस्टर टेस्ट के तीसरे दिन यह उपलब्धि हासिल करते समय रूट 120 रन पर नाबाद थे। रिकी पोंटिंग खुद उस समय कमेंट्री कर रहे थे और उन्होंने रूट को इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए ऑन-एयर बधाई दी। पोंटिंग ने कहा, जो रूट को बधाई। अब वह टेस्ट क्रिकेट में रन बनाने के मामले में दूसरे नंबर पर हैं। यह इतिहास का एक शानदार क्षण है।

ओल्ड ट्रैफर्ड का यह जानकार दर्शक वर्ग इस पल का गवाह बना। अब बस एक और खिलाड़ी उनसे आगे है सचिन तेंदुलकर।

जो रूट की यह पारी उनकी मौजूदा फॉर्म का प्रमाण भी है। इस पांच टेस्ट मैचों की सीरीज में यह उनका दूसरा शतक है, और उन्होंने इस मुकाबले में 150 रन की अहम पारी खेली। इस प्रदर्शन के साथ ही सीरीज में उनके कुल रन 400 के पार पहुंच गए हैं। खास बात यह है कि इस मैच से पहले वह सर्वाधिक रन बनाने वालों की सूची में पांचवें स्थान पर थे, लेकिन अब उन्होंने राहुल द्रविड़, जैक कैलिस और पोंटिंग को पछाड़ते हुए दूसरा स्थान हासिल कर लिया है।

रूट की निरंतरता और तकनीकी उत्कृष्टता ने उन्हें टेस्ट क्रिकेट के महानतम बल्लेबाजों में शामिल कर दिया है। जिस तरह से उन्होंने बीते कुछ वर्षों में प्रदर्शन किया है, उसे देखकर क्रिकेट विशेषज्ञ मानते हैं कि अगर फिटनेस बनी रही तो वह सचिन तेंदुलकर के रिकॉर्ड को भी चुनौती दे सकते हैं।

भारत पर मंडरा रहा हार का खतरा

नई दिल्ली। एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के चौथे टेस्ट में टीम इंडिया की स्थिति बेहद नाजुक होती जा रही है। तीन मुकाबलों के बाद 2-1 से पीछे चल रही भारतीय टीम मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड में जारी चौथे टेस्ट में भी कमजोर नजर आ रही है। शुभमन गिल की कप्तानी में खेल रही टीम ने पहली पारी में 358 रन बनाए, लेकिन इंग्लैंड ने तीसरे दिन का खेल खत्म होने तक 7 विकेट के नुकसान पर 544 रन ठोक दिए हैं और 186 रनों की बढ़त हासिल कर ली है।

इस बढ़त को देखते हुए भारत पर पारी से हार का खतरा साफ नजर आ रहा है। अगर इंग्लैंड चौथे दिन के पहले सत्र में भी बल्लेबाजी करता है तो यह बढ़त आसानी से

250 रनों के करीब पहुंच सकती है, जो कि विदेशी सरजमीं पर तीसरी या चौथी पारी में पार करना बेहद मुश्किल होता है। भारत के सामने न केवल इस मैच को बचाने की चुनौती है, बल्कि पूरी सीरीज भी दांव पर लग गई है। अगर टीम यहां हारती है तो ट्रॉफी से भी हाथ धोना तय है।

भारत के लिए एक और चिंता ऋषभ पंत की फिटनेस है। चोट के कारण वह संभवत: इस मैच में दोबारा बल्लेबाजी नहीं कर पाएंगे। इसका मतलब है कि भारत एक बल्लेबाज कम के साथ उतरेगा, जो पहले से ही संघर्ष कर रही बल्लेबाजी लाइन-अप के लिए और बड़ी मुश्किल होगी। फिलहाल टीम के पास चार प्रमुख बल्लेबाज हैं, जबकि निचले क्रम में तीन ऑलराउंडर जिम्मेदारी संभालेंगे। इस संयोजन से रन बनाना आसान नहीं होगा, खासकर इंग्लैंड की धारदार गेंदबाजी के खिलाफ।

गेंदबाजी की बात करें तो भारत ने इस मैच में 500 से अधिक रन दिए हैं, जो पिछले 10 वर्षों में ओवरसीज टेस्ट में पहली बार हुआ है। जसप्रीत बुमराह जैसे प्रमुख गेंदबाज भी इस मैच में प्रभाव नहीं छोड़ सके हैं। कुल मिलाकर भारतीय टीम का प्रदर्शन इस मुकाबले में अब तक निराशाजनक रहा है और अगर जल्दी वापसी नहीं की गई, तो न सिर्फ यह मैच, बल्कि पूरी सीरीज टीम के हाथ से फिसल सकती है।

एशिया कप 2025 का आयोजन यूएई में होगा

- 9 से 28 सितंबर तक चलेगी प्रतियोगिता

ढाका। एशिया कप 2025 का आयोजन संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में 9 से 28 सितंबर तक किया जाएगा। इसकी आधिकारिक पुष्टि एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) के अध्यक्ष और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के प्रमुख मोहसिन नकवी ने ढाका में हुई बैठक के बाद की। इस बैठक में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के प्रतिनिधि भी वर्चुअली शामिल हुए। नकवी ने सोशल मीडिया पर लिखा कि यह प्रतिष्ठित टूर्नामेंट क्रिकेट प्रेमियों के लिए शानदार अनुभव होगा और जल्द ही विस्तृत कार्यक्रम की जानकारी दी जाएगी।

गौरतलब है कि इस टूर्नामेंट की मेजबानी मूल रूप से भारत को सौंपी गई थी, लेकिन भारत और पाकिस्तान के बीच जारी राजनीतिक तनाव के चलते इसका स्थानांतरण यूएई में कर दिया गया। टूर्नामेंट के मुकाबले दुबई, शारजाह और अबू धाबी जैसे शहरों में कराए जाने की संभावना है। एशिया कप 2025 इस बार टी20 फॉर्मेट में खेला जाएगा और इसमें भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका, बांग्लादेश, अफगानिस्तान, यूएई, हांगकांग और ओमान जैसी टीमें भाग लेंगी। भारत मौजूदा चैंपियन है, जिसने 2023 में श्रीलंका को हराकर 50 ओवर के फॉर्मेट में यह खिताब अपने नाम किया था।

इससे पहले 2023 का एशिया कप भी भारत-पाक संबंधों के कारण हाइब्रिड मॉडल में खेला गया था, जिसमें चार मैच पाकिस्तान और बाकी श्रीलंका में आयोजित किए गए थे। इसी तरह, चैंपियंस ट्रॉफी 2025 पर भी राजनीतिक माहौल का असर पड़ा और भारतीय टीम ने सुरक्षा कारणों से पाकिस्तान जाकर खेलने से इनकार कर दिया, जिससे उसे यूएई में ही अपने सभी मुकाबले खेलने पड़े। टूर्नामेंट के कार्यक्रम को लेकर उत्साह इस बात से भी है कि अगर भारत और पाकिस्तान को एक ही ग्रुप में रखा गया तो वे तीन बार भिड़ सकते हैं ग्रुप स्टेज, सुपर-4 और फिर फाइनल में। क्रिकेट प्रशंसकों के लिए यह एक रोमांचक अनुभव साबित हो सकता है।

दूसरे छोर से सहयोग मिलने पर और खतरनाक हो जाते हैं बुमराह- जोनाथन ट्रॉट

नई दिल्ली। इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर और मौजूदा कमेंटेटर जोनाथन ट्रॉट ने भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को लेकर अहम टिप्पणी की है। उनका मानना है कि बुमराह जब गेंदबाजी के दूसरे छोर से अच्छा समर्थन पाते हैं, तो बुमराह कहीं ज्यादा असरदार साबित होते हैं। मौजूदा पांच टेस्ट मैचों की सीरीज में भारतीय टीम 1-2 से पिछड़ रही है और चौथे टेस्ट के तीसरे दिन का खेल खत्म होने तक इंग्लैंड पर 186 रनों की बढ़त हासिल कर चुका है।

अमेरिकी व्यवसायिक खुफिया और डेटा एनालिसिस कंपनी मॉर्निंग कंसल्ट का सर्वे

दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता बने मोदी

दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति दूसरे स्थान पर, टैरिफ वॉर की वजह से ट्रम्प को आठवां स्थान मिला

नई दिल्ली। पीएम मोदी ने शनिवार को जारी डेमोक्रेटिव ग्लोबल लीडर अप्रूवल रेटिंग में टॉप स्थान प्राप्त किया है। उन्हें 75 प्रतिशत अप्रूवल रेटिंग मिली है। दूसरे स्थान पर दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे म्युंग हैं। जे म्यंग को 75 प्रतिशत अप्रूवल रेटिंग मिली है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को अंडर 5 में जगह नहीं मिली है। ये आंकड़े अमेरिका स्थित व्यवसायिक खुफिया फर्म मॉर्निंग कंसल्ट जारी करती है। ट्रम्प को 45 प्रतिशत से कम अप्रूवल रेटिंग के साथ आठवां स्थान मिला है। यह ताजा ग्लोबल लीडर अप्रूवल रेटिंग 4 से 10 जुलाई 2025 के बीच की है।

मॉर्निंग कंसल्ट अमेरिका स्थित एक व्यवसायिक खुफिया और डेटा विश्लेषण कंपनी है। इसका सर्वे दुनिया भर के नेताओं, विशेष रूप से

लोकतांत्रिक देशों के नेताओं की जन-स्वीकृति रेटिंग को मापता है। यह सर्वे विभिन्न देशों में हजारों लोगों के डेली इंटरव्यू बेसिस के आधार पर किया जाता है। तीसरे स्थान पर अर्जेंटीना के राष्ट्रपति जेवियर मिलेई, कनाडा के पीएम मार्क कार्नी चौथे, ऑस्ट्रेलिया के एंथोनी अल्बानीस पांचवे, मैक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउसिडया शेनबौम छठवें, स्विस परिसंघ की अध्यक्ष कैरिन केलर सूटर सातवें, ट्रंप आठवें, पोलेंड के डोनाल्ड टस्क नौवें और इटली की पीएम जियोर्जिया मेलोनी दसवें स्थान पर हैं।

चार में तीन लोगों ने मोदी को रेटिंग दी

इस सर्वे में पाया गया कि हर 4 में से 3 लोगों ने मोदी को एक लोकतांत्रिक नेता के रूप में सकारात्मक रूप में देखा। वहीं 18 प्रतिशत लोगों ने विपरीत राय दी, और लगभग 7 प्रतिशत लोगों ने कोई स्पष्ट राय नहीं दी। मोदी मई 2024 में तीसरी बार भारत के पीएम के रूप में फिर से निर्वाचित हुए थे। अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रम्प, जो पिछले साल प्रचंड जनादेश के साथ सत्ता में लौटे थे, आठवें स्थान पर रहे। केवल 44 प्रतिशत प्रतिभागियों ने उनके नेतृत्व को स्वीकृति दी। एनालिसिस का मानना है कि उनकी कुछ पॉलिसी, ट्रैरिफ और घरेलू फैसलों ने उनकी लोकप्रियता को नुकसान पहुंचाया हो सकता है।

2024 में भी मोदी नंबर 1 पर थे

पिछले साल अगस्त में भी मॉर्निंग कंसल्ट ने दुनिया 25 देशों के प्रमुखों की अप्रूवल रेटिंग जारी की थी। इस लिस्ट में 69 प्रतिशत रेटिंग के साथ पीएम मोदी पहले स्थान पर थे। हालांकि इस पर उनकी रेटिंग में करीब 6ल्ल का इजाफा हुआ है। उस वक्त लिस्ट में दूसरा स्थान मेक्सिको राष्ट्रपति आंद्रे मैनुअल लोपेज ओब्राडोर को मिला था। उनकी अप्रूवल रेटिंग 60 प्रतिशत थी। उस वक्त तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन टॉप-10 नेताओं में भी शामिल नहीं थे। 39 प्रतिशत अप्रूवल रेटिंग के साथ वे 12वें नंबर पर रहे थे।

सर्ववर्गीय कलार समाज ग्राम समिति युवा प्रकोष्ठ भरवेली के अध्यक्ष बने दीपेन्द्र सोहागपुरे

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। सर्ववर्गीय कलार समाज के जिलाध्यक्ष अभिषेक जायसवाल द्वारा संगठन में युवाओं को जोड़ने व संगठन को मजबूती प्रदान करने कलार समाज के युवाओं की बैठक लेकर उन्हें जिम्मेदारी सौंपी जा रही है इसी कड़ी में शनिवार को ग्राम भरवेली में ग्राम समिति युवा प्रकोष्ठ की बैठक आहूत की गई। जिसमें सर्व सम्मति से ग्राम भरवेली युवा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष पद पर दीपेन्द्र सोहागपुर को जिम्मेदारी सौंपी गई। इस दौरान दीपेन्द्र सोहागपुरे ने कहा कि सर्ववर्गीय कलार समाज के जिलाध्यक्ष अभिषेक जायसवाल द्वारा मुझ पर विश्वास कर जो जिम्मेदारी सौंपी गई है उसका बखूबी पूरी ईमानदारी से निवर्हन करूंगा। समाज के हित में हमेशा कार्य करने का प्रयास किया जाएंगा बैठक में प्रमुख रूप से आशीष गढ़पांडे, विकास जामुनपाने, तोमेश दहले, वैभव साकरे, विशाल जामने, विलाश आशापुरे, पीयूष मण्डलेकर, विजय सोनवाने, नितिन डहरवाल, हर्ष कुमार डहरवाल, नितिन मण्डलकरे, अखिलेश मण्डलेकर, संतोष तिलासे, उज्जवल जामने, कुशाल सोनगढ़े, हिंमाशु सोहागपुरे, वंश साकरे, अभिषेक मंडेलकर, नवनीत सोहागपुरे, विपिन मंडेलकर सहित अन्य उपस्थित रहे।

सागर में एक ही परिवार के चार सदस्यों ने आत्महत्या कर ली

सागर। मध्यप्रदेश के सागर जिले के खुरई के ग्राम टीहर में एक ही परिवार के चार सदस्यों ने घर में आत्महत्या कर ली। पुलिस मौके पर पहुंचकर सामूहिक आत्महत्या के कारणों की जांच कर रही है। अभी तक कोई वजह सामने नहीं आई है।

जानकारी के अनुसार, मनोहर लोधी (45), मां फूलरानी (70), बेटी शिवानी (18) और बेटा अनिकेत (16) के साथ खेत में बने मकान में रह रहे थे। उनकी पत्नी कुछ दिन पहले ही मायके गई थी। शुक्रवार रात उल्टियां करने की आवाज सुनकर ऊपरी मंजिल पर रहने वाला मनोहर का भाई नीचे आया। तब मनोहर ने पूरे परिवार के उल्टियां करते देख घरवालों को इसकी जानकारी दी। फौरन पुलिस को सूचना दी गई और ग्रामीणों की मदद से सभी को अस्पताल पहुंचाया। इस दौरान फूलरानी और अनिकेत की मौके पर ही मौत हो गई। शिवानी ने अस्पताल में दम तोड़ा, जबकि मनोहर की जिला अस्पताल ले जाते समय रास्ते में मौत हो गई।

सफाई अपनाओ, बीमारी भगाओ अभियान के तहत कन्या स्कूल में किया स्वच्छता और वृक्षारोपण कार्यक्रम

लांजी (पद्मेश न्यूज)। नगर परिषद लांजी द्वारा चलाए जा रहे सफाई अपनाओ, बीमारी भगाओ अभियान के तहत शासकीय कन्या माध्यमिक स्कूल, लांजी में 26 जुलाई को एक विशेष स्वच्छता और वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह अभियान 1 जुलाई से 31 जुलाई तक पूरे नगर और आसपास के क्षेत्रों में स्वच्छता और बेहतर स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए चलाया जा रहा है। नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती रेखा ताराचंद कालबेले और मुख्य नगरपालिका अधिकारी मयूर वाहने के निर्देश पर इस स्वच्छता अभियान के तहत

स्कूलों, सार्वजनिक स्थानों और धार्मिक परिसरों में सफाई और स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में कन्या माध्यमिक स्कूल, लांजी में स्वच्छता निरीक्षक राजेश मिश्रा के नेतृत्व में स्व-सहायता समूह की अध्यक्ष मंजू भालाधरे, स्वच्छता सहायक उत्तम रामटेकर और समूह की अन्य महिलाओं ने मिलकर स्कूल परिसर की साफ-सफाई की। इस दौरान स्कूल के आसपास फैली गंदगी को साफ किया गया, कचरे को उचित तरीके से निपटाया गया और परिसर को स्वच्छ बनाया गया। इसके साथ ही पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए वृक्षारोपण भी किया गया, जिसमें कई पौधे लगाए गए। इस कार्यक्रम में शामिल सभी लोगों ने स्वच्छता के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि स्वच्छ वातावरण से न केवल बीमारियां कम होती हैं, बल्कि बच्चों का शारीरिक और मानसिक विकास भी बेहतर होता है। नगर परिषद की इस पहल को स्थानीय लोगों और स्कूल प्रशासन ने सराहा। इस तरह के आयोजनों से न केवल स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ रही है, बल्कि समुदाय में एकजुटता और पर्यावरण के प्रति सकारात्मक सोच भी विकसित हो रही है।

चांगोटोला पुलिस ने छेड़ा नशा मुक्त अभियान

चांगोटोला (पद्मेश न्यूज)। मध्य प्रदेश शासन के निर्देशानुसार पुलिस प्रशासन द्वारा प्रदेश भर में 15 जुलाई से 30 जुलाई वृहद स्तर पर नशा मुक्ति अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य युवाओं एवं किशोरों को नशे के दुष्प्रभावों से दूर रखकर स्वस्थ और सुरक्षित भविष्य की ओर प्रेरित करना है। जिले के पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा के मार्गदर्शन में यह अभियान जिले के समस्त थाना क्षेत्रों में सुनियोजित तरीके से संचालित किया जा रहा है। इसी तारतम्य में चांगोटोला पुलिस द्वारा भी अपने थाना क्षेत्र में नशा मुक्त अभियान नशे से दूरी है जरूरी, का आयोजन किया जा रहा है।

चांगोटोला पुलिस ने की जागरूकता बढ़ाने की अनूठी पहल

नशा मुक्त समाज के निर्माण हेतु इस अभियान में हर वर्ग के लोगों को जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। जगह-जगह जनजागरूकता रैलियाँ, नुक्कड़ नाटक, गोष्ठियाँ एवं संवाद कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे

हैं ताकि अधिक से अधिक लोग नशे के खिलाफ खड़े हो सकें। इसी क्रम में पुलिस थाना चांगोटोला के प्रभारी शशांक राणा एवं उनकी पूरी टीम ने अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए चांगोटोला क्षेत्र में जागरूकता बढ़ाने के लिए अनूठी पहल की।

छात्र-छात्राओं की निकाली गई विशाल रैली

पुलिस थाना चांगोटोला के सहयोग से ज्योति कलश पब्लिक स्कूल, चांगोटोला के छात्र-छात्राओं ने नशा मुक्ति अभियान में भाग लेते हुए न केवल रैली निकाली बल्कि नुक्कड़ नाटक के माध्यम से भी लोगों को जागरूक किया। बच्चों ने हाथों में नशा विरोधी स्लोगन वाली तख्तियां लेकर पूरे उत्साह के साथ क्षेत्र में रैली निकाली और 'नशा छोड़ो जीवन जोड़ो', 'स्वस्थ युवा मजबूत देश' जैसे नारे लगाकर लोगों को नशा त्यागने की अपील की।

नुक्कड़ नाटक का मंचन महावीर चौक में किया गया, जिसमें बच्चों ने सजीव अभिनय द्वारा यह दिखाया कि किस प्रकार नशा व्यक्ति के जीवन को बर्बाद कर देता है और परिवार, समाज व राष्ट्र को भी इससे गंभीर नुकसान होता है। इस नाटक को दर्शकों ने खूब सराहा और बच्चों की प्रस्तुति ने सभी को सोचने पर मजबूर कर दिया। इस पूरे कार्यक्रम की विशेष तैयारी संस्था की को-ऑर्डिनेटर सुश्री संजना लिमजे व समस्त स्टॉफ के मार्गदर्शन में की गई। बच्चों ने उनकी देखरेख में कई दिनों तक अभ्यास किया और अपनी प्रस्तुति को सशक्त व प्रभावशाली बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। आयोजन को सफल बनाने में संतराम सोनवाने जी की विशेष भूमिका रही, जिन्होंने व्यवस्थाओं से लेकर मंचन तक हर स्तर पर सहयोग प्रदान किया।

जागरूक नागरिक बनने से संस्कार विकसित होते हैं- डायरेक्टर हरीश नाग

स्कूल के डायरेक्टर हरिश नाग एवं श्रीमती श्यामली नाग ने इस अवसर पर सभी छात्र-छात्राओं की प्रशंसा करते हुए कहा कि इस प्रकार के सामाजिक अभियानों में बच्चों की भागीदारी बहुत महत्वपूर्ण है। इससे उनमें समाज के प्रति जिम्मेदारी और जागरूक नागरिक बनने के संस्कार विकसित होते हैं। उन्होंने कहा कि स्कूल परिवार बच्चों को केवल किताबी ज्ञान ही नहीं, बल्कि सामाजिक मूल्यों से जोड़ने के लिए ऐसे प्रयास करता रहेगा।

परिवार और समाज को नशा मुक्त बनाने में सहयोग दें- थाना प्रभारी शशांक राणा

चांगोटोला पुलिस थाना प्रभारी शशांक राणा ने भी बच्चों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि नशा मुक्ति जैसे गंभीर विषय पर यदि बच्चे आगे आकर समाज को संदेश देते हैं तो उसका असर कहीं अधिक गहरा होता है। उन्होंने अभिभावकों व आमजन से अपील की कि वे भी अपने परिवार और समाज को नशा मुक्त बनाने में सहयोग दें ताकि आने वाली पीढ़ी सुरक्षित और स्वस्थ जीवन जी सके।

पुलिस कर्मचारी और जनप्रतिनिधि रहे उपस्थित

इस कार्यक्रम में स्कूल स्टाफ, पुलिस विभाग के अधिकारी, स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में अभिभावकगण उपस्थित रहे। सभी ने बच्चों के इस प्रयास की मुक्तकंठ से प्रशंसा की और भविष्य में भी इस तरह के कार्यक्रमों को प्रोत्साहित करने की बात कही।

सोनपुरी में पर्यावरण संरक्षण हेतु नवांकुर सखी द्वारा कलश यात्रा का किया गया आयोजन

उकवा(पद्मेश न्यूज)। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद बैहर द्वारा पर्यावरण संरक्षण संवर्धन हेतु नवांकुर-सखी हरियाली यात्रा के माध्यम से पर्यावरण बचने का संदेश दिया गया हरियाली-यात्रा एवं एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम आज बिठली सेक्टर के ग्राम सोनपुरी में किया गया शिव मंदिर से कलश प्रज्वलित कर, कलश यात्रा का शुभारंभ किया गया कार्यक्रम में चिन्हांकित नवांकुर सखियों के अलावा ग्रामीण बहने व ग्रामीणों की भी सहभागिता रही नवांकुर-सखीयों द्वारा कलश यात्रा में पर्यावरण संरक्षण संदेश के नारे लगाते हुए व नृत्य कला मंडली के माध्यम से ग्राम का भ्रमण किया गया यात्रा का समापन कार्यक्रम पंचायत सभाकक्ष में अतिथियो के उदबोधन के साथ हुआ जिसमे सर्वप्रथम माननीय मुख्यमंत्री जी का संदेश उपस्थित जनो को सुनाया गया इसके पश्चात कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों द्वारा नवाँकुर सखियों व उपस्थित जनसमुदाय को, पर्यावरण संरक्षण एवं वृक्षारोपण के महत्व के विषय में जानकारी दी गई जिसमे बताया गया कि पर्यावरण को बचाने हेतु नवांकुर सखी का क्या योगदान हो सकता है तथा जिस तरह मां अपने बच्चे का पोषण करती है उसी तरह एक पेड़ का पोषण कैसे किया जाए यह कार्य एक मां ही अच्छे से कर सकती है और यह संदेश आज की आवश्यकता है कार्यक्रम में महामंत्री तपेश घुले श्री मंडल अध्यक्ष विजय पटले रेंज ऑफिसर आशुतोष जी विकासखंड समन्वयक श्री महेश पटले प्रधान पाठक शोभाराम तेकाम श्री कांतिलाल चौहान शिवनाथ यादव का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ उदबोधन उपरान्त महिलाओं को शीशम जामुन आंवला करंज काजू आदि के पौधे वितरित किए व शुभकामनाएं दी गई, इस अवसर पर परामर्शदाता सुरेश यादव जनभागीदारी समीती के अध्यक्ष राजीव परते एंव मुख्यमंत्री सामुदासिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम के छात्र संदीप गजभिये विमल भावे, अभय यादव ज्योति वरकड़े साधना मडावी हेमलता राहंगडाले किरन पीहू ज्योति कुर्वेति दीपा मेश्राम पूर्णिमा राहंगडाले अविका यादव सरिता मात्रे सुजल परते, रोशनी गजभिये का भी विशेष सहयोग प्राप्त हुआ।

लाल-पीली-नीली बत्ती वाले वाहन बैन

भोपाल। विधानसभा का मानसून सत्र शुरू होने से 48 घंटे पहले ही विधानसभा परिसर को सुरक्षा घेरा बना दिया गया है। विधानसभा सचिवालय के फैसले के चलते शनिवार को यहां नियमित कामकाज बंद रहा। केवल सुरक्षा प्रबंधों से जुड़े अधिकारी और कर्मचारी ही विधानसभा परिसर में प्रवेश कर सके। सोमवार से शुरू हो रहे सत्र में कांग्रेस के तीव्र विरोध की आशंका को देखते हुए इस बार सुरक्षा पर विशेष जोर दिया गया है। इस बार सत्र शुरू होने से पहले ही सुरक्षा प्रबंधों के साथ-साथ धरना-प्रदर्शन को लेकर भी सियासी गर्माहट देखने को मिल रही है। विधानसभा अध्यक्ष के निर्देश पर प्रमुख सचिव ने विधायकों द्वारा परिसर में नारेबाजी और प्रदर्शन को प्रतिबंधित कर दिया है। अब एंट्री को लेकर भी नियम सख्त किए गए हैं। शनिवार को गेट नंबर 3 पर दिनभर पुलिस वाहनों की आवाजाही और अधिकारियों की रिहर्सल चलती रही, जबकि गेट नंबर 1, 2, 4 और 5 को बंद रखा गया। इस बार सत्र से पहले मीडिया कार्यालय शनिवार को बंद रहा, जो आमतौर पर खुला रहता है। इसके कारण पास बनवाने पहुंचे पत्रकारों को खाली हाथ लौटना पड़ा। उन्हें बताया गया कि पास वितरण रविवार दोपहर से शुरू होगा। यही स्थिति अन्य समितियों से संबंधित कार्यालयों की भी रही।

विधानसभा परिसर में प्रवेश के लिए नए नियम

किसी भी वाहन में लाल, पीली या नीली बत्ती (फ्लैश लाइट) नहीं लगी होनी चाहिए। हूटर लगे वाहन परिसर में प्रवेश नहीं कर सकेंगे। केवल उन्हीं एलपीजी और सीएनजी वाहनों को प्रवेश मिलेगा, जिन्हें आरटीओ से अनुमति प्राप्त है। बिना नंबर या अनधिकृत गैस चालित वाहनों को परिसर में प्रवेश नहीं मिलेगा। प्राइवेट ऑटो रिक्शा को सत्र के दौरान परिसर में प्रवेश नहीं मिलेगा। विधायकों की ड्यूटी में लगे अंगरक्षकों को विधानसभा परिसर में प्रवेश की अनुमति नहीं होगी। भारी हथियारों से लैस अंगरक्षक भी परिसर में प्रवेश नहीं कर सकेंगे। वैध पास धारक अंगरक्षकों और सहायकों के बैठने की व्यवस्था नए शेड में की गई है। विशेष आगंतुक और मंत्रियों को गेट नंबर 1 या 3 से प्रवेश मिलेगा। विधानसभा अध्यक्ष गेट नंबर 1 से प्रवेश करेंगे और गेट नंबर 3 से बाहर निकलेंगे। विधायक और अधिकारी भी गेट नंबर 1 से प्रवेश और गेट नंबर 3 से निकास करेंगे। पत्रकारों और दोपहिया वाहन पासधारकों को गेट नंबर 5 से प्रवेश और निकास की अनुमति दी गई है।

विनोद / 26 जुलाई 25

एनएच 543 रजेगांव नेशनल हाईवे मार्ग पर डायवर्सन को लेकर किया निरीक्षण

किरनापुर(पद्मेश न्यूज)। तहसील अंतर्गत ग्राम रजेगांव में निर्मित गोंदिया बालाघाट फोरलेन मार्ग पर रजेगांव बाईपास जंक्शन बॉर्डर चेक पोस्ट के पास से लांजी किरनापुर रजेगांव से बालाघाट की ओर जाने वाले सड़क के बीच में लोहे के खंभे (पोल) गड़े होने के कारण वाहन एवं राहगीर फोरलेन मार्ग से गलत दिशा में जाते हैं जिससे गंभीर दुर्घटना होने का हमेशा अंदेशा बना रहता है। साथ ही बहुत सारे वाहन फोरलेन से गुजर रहे जिस वजह से ग्राम रजेगांव का व्यापार बुरी तरह से ठप हो गया है जिससे कि स्थानीय व्यापारियों सहित आश्रितों पर जीवन यापन करने में काफी परेशानियां का सामना करना पड़ रहा है। चूंकि बालाघाट जाने वाले

वाहन बायपास जंक्शन से (इंदिरा टोली) के पास से होकर गुजर रहे हैं। उक्त जंक्शन के पास लगे ए लोहे के पोल को अतिशीघ्र निकलवाने एवं उस स्थान पर सांकेतिक चिन्ह लगाने हेतु आवश्यक कार्यवाही करने अनुविभागीय अधिकारी राजस्व किरनापुर को ज्ञापन सौंपा गया था। ग्राम रजेगांव के व्यापारियों एवं ग्रामीणों की समस्या को लेकर क्षेत्रीय विधायक मधु भगत एसडीएम किरनापुर कार्तिकेय जायसवाल एवं नेशनल हाईवे के प्रोजेक्ट मैनेजर मौके पर पहुंचे इस दौरान बड़ी संख्या मे ग्रामीणों की उपस्थिति रही। इस दौरान एसडीएम किरनापुर राजस्व कार्तिकेय जायसवाल ने कहा कि उक्त ग्रामीणों एवं व्यापारियों की समस्या को सुना व्यापारियों की कुछ समस्या थी यहां पर अभी जो एन एच 543 नया बना है उसमें कट नहीं होने के कारण बस सीधे गोंदिया से बालाघाट चली जाती है बिना रजेगांव में रुके वह डायवर्टेड रूट से निकल रही थी व्यापारियों का कहना है कि इससे व्यापार पर बहुत नकारात्मक रूप से प्रभावित हो रहा है। हो तो वहां पर एक कट बनवाने का प्रस्ताव उन्होंने रखा था। मौके पर क्षेत्रीय विधायक सहित एन एच के कॉन्टैक्टर एवं ग्रामीण व्यापारियों की उपस्थिति रही। कट बनने का काम टेंपरेरी हो जाएगी फंड आने पर 6 -7 महीने में परमानेंट व्यवस्था की जाएगी।

आदिवासी वनांचल क्षेत्र विद्यार्थियों के लिए दी जाए परिवहन सुविधा

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। सुदूर नक्सल प्रभावित क्षेत्र व आदिवासी वनांचल जनजातीय बाहुल्य क्षेत्र बैहर से इंदौर के लिए विद्यार्थियों के आवागमन हेतु धरती आबा बिरसा मुंडा वनांचल एक्सप्रेस, ओला स्पेशल बस चलाने की मांग राष्ट्रीय बिरसा मुंडा क्रांति सेना द्वारा की गई है जिन्होंने अपनी इस मांग को लेकर शनिवार 26 जुलाई को मप्र शासन परिवहन एंव स्कूल शिक्षा मंत्री एंव बालाघाट प्रभारी मंत्री उदय प्रताप सिंह को एक ज्ञापन सौपा है। राष्ट्रीय बिरसा मुंडा क्राति सेना भारत के अधिवक्ता डिझनसिंह ताराम के नेतृत्व में ज्ञापन सौंपे गए इस ज्ञापन के दौरान नवरंग फाउंडेशन व अवनि सेवा समिति के पदाधिकारी भी उपस्थित रहे। जिन्होंने भी उक्त मांग को जल्द से जल्द पूरा किए जाने की गुहार लगाई इस संबंध में अधिवक्ता डिझनसिंह ताराम ने बताया कि आदिवासी वनांचल बैहर क्षेत्र के विद्यार्थी उच्च शिक्षा प्राप्त करने इंदौर व आसपास के महानगरों में हर वर्ष प्रवेश लेते है। लेकिन आवागमन की पर्याप्त सुविधा नहीं होने से उन्हें काफी कठिनाईयों का सामना करना पड़ता है। आदिवासी क्षेत्र के बच्चे जिनके परिवार की आर्थिक स्थित मजबूत नहीं होती व उनके पास आवागमन को लेकर भी पर्याप्त साधन उपलब्ध नहीं होता है। इससे वह उच्च शिक्षा प्राप्त करने से वंचित रह जाते है। उन्होंने कहा कि बैहर से इंदौर तक धरती आबा बिरसा मुण्डा वनांचल एक्सप्रेस व ओला स्पेशल बस सेवा विद्यार्थियों के लिये सप्ताह में कम से कम एक दिन चलाया जाए। इससे न केवल

विद्यार्थियों को सुविधा होगी बल्कि शिक्षा को बढ़ावा मिलेगा।

पाठ्य पुस्तकों में जनजातीय नायकों की गाथा हो शामिल

ज्ञापन के माध्यम से मांग की गई कि कक्षा 6 वीं व 8 वीं तक की पाठ्यपुस्तक में तात्या मामा भील एवं जनजातीय नायकों के योगदान को शामिल किया जाए। वर्तमान में स्कूल शिक्षा में राष्ट्रीय स्वतंत्रता संग्राम के प्रमुख व्यक्तियों पर केन्द्रित पाठ तो है लेकिन म.प्र के जनजातीय नायकों में टंट्या मामा, भीमा नायक, राजा शंकर शाह, रघुनाथ शाह, आलिया भगत सिंह सहित आदि के जीवन परिचय व संघर्ष छात्रों तक पर्याप्त रूप से नहीं पहुंच पा रहा है। उन्होंने शिक्षा मंत्री से मांग की है पाठ्य पुस्तकों में जनजातीय नायकों के संघर्षों को भी शामिल किया जाएं। जिससे उनके जीवन चरित्र से युवा वर्ग प्रेरणा ले सकें।

श्री रामकिशोर कावरे

श्री रमेश भटेर

श्रीमती भारती ठाकुर
नपा अध्यक्ष, बालाघाट

श्री सुरजीतसिंह ठाकुर

प्रथम नगर आगमन पर स्वागत.....वंदन......अभिनंदन.....

हमारी आदरणीय दीदी

मौसम बिसेन जी

को म.प्र. पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग सदस्य (राज्यमंत्री दर्जा प्राप्त) पद पर मनोनित होने पर

हार्दिक-हार्दिक बधाई...

मौसम दीदी के प्रथम बालाघाट नगर आगमन पर भाजपा द्वारा स्वागत-सम्मान कार्यक्रम
दिनांक - 27 जुलाई 2025, समय दोपहर - 1 बजे
स्थान- भाजपा कार्यालय बालाघाट, भारतीय जनता पार्टी बालाघाट

गौरी लिल्हारे

राजेश लिल्हारे

कन्हैया चौहान

आनंद ठाकरे

शुभम चौहान

विशाल देशमुख

वेदराम राहंगडाले

निवेदक - चौहान कंस्ट्रक्शन वारासिवनी, श्रीकुमार राइस मिल नैतरा एवं राहंगडाले फ़िशरिश एवं फिश सोल्यूशन (लालबर्रा)

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.१, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर काली पुतली चौक, बालाघाट से प्रकाशित, संपादक- उमेश बागरेचा, मो.नं. - ९४२५१३८७१० रजि. नं. एम.पी. एच. आई. एन. /२००९/३२३११, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट